शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 345 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 14 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

संगमा ने एनसीईटी में खासी और गारो भाषाओं को शामिल करने के लिए... पेज 3
फ्रांस और यूएई की यात्रा पर निकले मोदी ने कहा, दक्षिणी और पश्चिमी दुनिया... पेज 4
मुख्यमंत्री योगी ने तीन विभागों के 510 अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र पेज 5
भाजपा नेता की हत्या के आरोपी की हत्या कर मनाया जश्न, हंगामे के... पेज 8

बहुविवाह पर प्रतिबंध

सीएम ने कहा– मॉनसून सत्र में पेश किया जाएगा विधेयक

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक विधेयक लाने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज कहा कि प्रस्तावित बहुविवाह निषेध विधेयक असम विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। डॉ शर्मा के नेतृत्व वाली असम सरकार ने राज्य में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक विधेयक लाने की तैयारी को लगभग अंतिम रूप दे दिया है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रस्तावित कानून राज्य विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में पेश किए जाने की उम्मीद है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर आगामी मानसून सत्र में यह संभव नहीं हुआ तो जनवरी में शीतकालीन सत्र में यह बिल पेश किया जाएगा। डॉ शर्मा ने कहा कि बहुविवाह विरोधी विधेयक समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालांकि, समान नागरिक संहिता का कार्यान्वयन संसद के अधिकार क्षेत्र में है, राज्य राष्ट्रपति की सहमति से कुछ पहलुओं पर स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि असम में हम बहुविवाह पर तुरंत प्रतिबंध लगाना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि यूसीसी आता है, तो हमें कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इसका यूसीसी में विलय हो जाएगा। हिमंत विश्व शर्मा ने पहले कहा था कि बहुविवाह पर प्रतिबंध *आक्रामकता से नहीं, बल्कि आम सहमति से* हासिल किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि यूसीसी एक ऐसा मामला है जिसका निर्णय संसद द्वारा किया जाएगा और निश्चित रूप से, राज्य भी राष्ट्रपति की सहमति से इस पर निर्णय ले सकते हैं। इसलिए, यूसीसी में विभिन्न मुद्दे शामिल हैं। विधि आयोग इस पर विचार कर रहा है। संसदीय समिति इस पर विचार कर रही है और असम सरकार पहले ही बता चुकी है कि हम यूसीसी के समर्थन में हैं। विशेष रूप से, मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण घोषणा तब आई जब उनके प्रशासन ने बहुविवाह की परंपरा को गैरकानूनी घोषित करने के लिए एक विधायी उपाय की वैधता का आकलन करने के लिए पिछले मई में असम सरकार ने सेवानिवृत्त गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रूमी फुकन की अध्यक्षता में चार सदस्यीय पैनल का गठन किया था। उन्होंने कहा कि पैनल में असम के महाधिवक्ता देवजीत सैकिया, असम के अतिरिक्त महाधिवक्ता नलिन कोहली और गौहाटी उच्च न्यायालय के अधिवक्ता नेकिबुर जमान शामिल हैं।

लाभार्थियों के गृह प्रवेश समारोह में मुख्यमंत्री ने लिया हिस्सा

मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत अतिरिक्त एक लाख मकान बनाएगी राज्य सरकार : डॉ शर्मा

गुवाहाटी, 13 जुलाई (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा ने आज (गुरुवार) प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तीन लाख से अधिक लाभार्थियों के लिए असम सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा श्रीमंत शंकरदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजित *गृह प्रवेश* समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सीएम डॉ. शर्मा ने कहा कि राज्य

सरकार 2024 तक सभी के लिए आवास सुनिश्चित करने के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को आकार देने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रही है। इस संबंध में, असम सरकार पीएमएवाई (ग्रामीण) के प्रावधानों को अक्षरश: लागू कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में सभी पात्र लाभार्थियों के लिए सभी बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित *-शेष पृष्ठ दो पर*

मणिपुर में चर्च पर हमलों के विरोध में प्रदेश उपाध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

एजल (हि.स.)। मणिपुर में चर्चों को नष्ट करने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी की मिजोरम इकाई के प्रदेश उपाध्यक्ष ए वॉनरामसुआंगा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वॉनरामसुआंगा ने गुरुवार को अपना इस्तीफा प्रदेश अध्यक्ष को भेज दिया है। भाजपा के मिजोरम प्रदेश उपाध्यक्ष ने ईसाइयों और ईसाई धर्म के खिलाफ आपराधिक अन्याय के विरोध में तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा सौंप दिया है। वॉनरामसुआंगा ने अपने इस्तीफे में लिखा कि उनका मानना है कि मणिपुर में एक के बाद एक ईसाई चर्चों के सामूहिक विनाश के पीछे राज्य और केंद्र का समर्थन था। प्रदेश *-शेष पृष्ठ दो पर*

यूसीसी आम नागरिकों के हितों की रक्षा करेगा : आरिफ मोहम्मद खान

नई दिल्ली (हि.स.)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को मुस्लिम समुदाय के हित में बताते हुए कहा कि तीन तलाक कानून की तरह ही यूसीसी भी आम नागरिकों के हितों की रक्षा करेगा। आरिफ मोहम्मद खान ने गुरुवार को *समान नागरिक संहिता : समय की आवश्यकता* विषय पर व्याख्यान में कहा कि यूसीसी देश की एकता

के लिए बहुत आवश्यक है। यह दुर्भाग्य है कि कुछ लोग इसे धर्म से जोड़कर देख रहे हैं, जबकि यूसीसी किसी धर्म को टारगेट नहीं *-शेष पृष्ठ दो पर*

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

यूसीसी लागू होने पर पांच साल तक पहनेंगे साड़ी और न खाएंगे मांस : बदरुद्दीन

धुबड़ी (हि.स)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के अध्यक्ष और सांसद बदरुद्दीन अजमल ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होने पर पांच साल तक साड़ी पहनने और मांस न खाने की कसम खाई है। अजमल ने असम में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने संबंधी मुख्यमंत्री डॉ हेमंत विस्व शर्मा की बात का समर्थन भी किया। गुरुवार को धुबड़ी में एक रैली में बदरुद्दीन अजमल ने केंद्र सरकार के यूसीसी लागू करने की कोशिश पर कड़ी आपत्ति जताई हैं। एआईयूडीएफ नेता अजमल ने कहा कि मोदी सरकार समान नागरिक संहिता को लागू करने के लिए संसद में प्रस्ताव पारित कराने पर तुली हुई है। *-शेष पृष्ठ दो पर*

पेरिस पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों से मिले पीएम मोदी, *भारत माता की जय* और *वंदे मातरम* के लगे नारे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को फ्रांस की राजधानी पेरिस पहुंच गए हैं। पेरिस पुहंचने पर पीएम मोदी का एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया। फ्रांस की पीएम एलिजाबेथ ने पीएम मोदी की अगुवाई की। पीएम मोदी जब अपने होटल *होटल प्लाजा एथेनी* पहुंचे तो बाहर भारतीय समुदाय के लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। लोगों ने पीएम मोदी को देखकर *भारत माता की जय* और *वंदे मातरम* के नारे लगाए। पीएम मोदी से फ्रांस में मुलाकात करने के बाद भारतीय समुदाय के एक आदमी ने कहा कि मैं मोदी जी से

तीसरी बार मिला हूं, बहुत अच्छा लगा मिलकर। मोदी जी जब भी फ्रांस आते हैं तो मैं उनसे मिलता हूं। हमें बहुत लगा लगता है जब हमारे देश के पीएम यहां आते हैं और हम उनसे मुलाकात करते हैं। पीएम मोदी आज भारतीय समयानुसार रात करीब 11 बजे प्रतिष्ठित ला सीन म्यूजिकल में एक भारतीय समुदाय के कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। वहीं, एक महिला ने पीएम मोदी के पेरिस पहुंचने पर उन्हें एक गीत समर्पित किया। गीत खत्म होने के साथ महिला ने कहा कि मोदी है तो मुमकिन है। पेरिस के लिए रवाना होने से पहले मोदी ने विश्वास जताया कि उनकी यात्रा से द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को नई गति मिलेगी। मैक्रों के साथ *-शेष पृष्ठ दो पर*

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भारी बारिश के कारण 700 से ज्यादा एक्सप्रेस-पैसेंजर ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली। देश में भारी बारिश से पटरियों में पानी भरने के कारण रेलवे ने अपने 300 से ज्यादा मेल, एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों को सात से 15 जुलाई तक रद्द कर दी। रेलवे अधिकारी ने बताया कि अबतक 600 मेल व एक्सप्रेस और 500 पैसेंजर ट्रेन जलभराव के कारण प्रभावित हुई है। उत्तरी पश्चिमी राज्यों में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण कई इलाकों *-शेष पृष्ठ दो पर*

अमित शाह ने गुरुग्राम में अपराध व सुरक्षा थीम पर प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

गुरुग्राम (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को यहां एनएफटी, एआई एवं मेटावर्स के युग में अपराध व सुरक्षा थीम पर आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न राज्यों द्वारा साइबर सुरक्षा के मद्देनजर प्रदर्शित की गई स्टॉल का अवलोकन किया। एनएफटी, एआई और मेटावर्स के युग में अपराध एवं सुरक्षा पर जी20 सम्मेलन के उद्घाटन के लिए गुरुग्राम पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह ने हरियाणा सरकार द्वारा साइबर क्राइम को रोकने के लिए

उठाए गए पहलुओं पर सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी की *-शेष पृष्ठ दो पर*

लाठीचार्ज में भाजपा कार्यकर्ता विजय कुमार सिंह की मौता

पटना। सरकार के खिलाफ बिहार विधानसभा मार्च कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। वहीं, इस लाठीचार्ज में भाजपा कार्यकर्ता विजय कुमार

सिंह की मौत हो गई। पूर्व उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने इस बात की जानकारी दी हैं। बताया जा रहा है कि लाठीचार्ज के दौरान विजय कुमार सिंह के सिर पर गंभीर चोट आई थी, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। विजय कुमार सिंह जहानाबाद के *-शेष पृष्ठ दो पर*

सुप्रभात
अविनीत स्वामी के होने से तो स्वामी का न होना अच्छा है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

पोती के साथ दादा ने किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के हैलाकांदी जिले में 72 वर्षीय एक व्यक्ति को अपनी नाबालिग पोती से दुसकर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, शख्स के बेटे ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया कि आरोपी ने अपनी 13 वर्षीय पोती के साथ बार-बार यौन उत्पीड़न किया, जब उसके माता-पिता दूर थे और उसने इस बारे में किसी को बताने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। एफआईआर दर्ज होने *-शेष पृष्ठ दो पर*

यूक्रेन संग किए अनाज समझौते से हटने की रूस ने दी धमकी, वैश्विक खाद्य सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता

मॉस्को। रूस द्वारा संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से यूक्रेन के साथ हुए अनाज समझौते को आगे बढ़ाने की मंजूरी नहीं देने की आशंका से पूरी दुनिया में चिंता बढ़ती जा रही है। इस समझौते के तहत यूक्रेन को दुनिया के उन हिस्सों में अनाज की आपूर्ति करने की अनुमति मिली है जहां पर भुखमरी की स्थिति है। रूस द्वारा समझौते की अवधि नहीं बढ़ाने की आशंका के बीच अब युद्धग्रस्त यूक्रेन के काला सागर

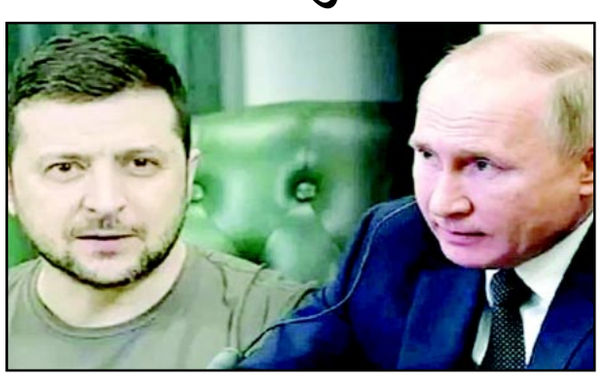

बंदरगाह पर पोत नहीं आ रहे हैं और खाद्य सामग्री के निर्यात में कमी आ रही है। तुर्किये और संयुक्त राष्ट्र ने पिछली गर्मी में वैश्विक खाद्य संकट को दूर करने के लिए मध्यस्थता की थी और उन्होंने अलग से भी रूस से करार किया था ताकि अनाज और उर्वरक के निर्यात के लिए पोतों को सुविधा दी जा सके। मॉस्को जोर दे रहा है कि वह अब भी बाधा का सामना कर रहा है *-शेष पृष्ठ दो पर*

मुंबई पुलिस को धमकी भरा फोन

सीमा को नहीं भेजा तो होंगे 26/11 जैसे हमले

मुंबई। मुंबई के ट्रैफिक पुलिस कंट्रोल रूम को एक धमकी भरी फोन कॉल आई, जिसमें 26/11 हमले जैसा आतंकी हमला करने की धमकी दी गई। धमकी देने वाले शख्स ने उर्दू भाषा में कहा कि कि अगर सीमा हैदर वापिस नहीं आई तो

भारत बर्बाद हो जाएगा। फोन करने वाले ने 26/11 जैसा आतंकवादी हमला करने की धमकी दी है और कहा कि इसके लिए उत्तर प्रदेश की सरकार जिम्मेदार होगी। जानकारी के मुताबिक यह कॉल 12 जुलाई को मंबई पुलिस के कंट्रोल रूम को मिली थी, इस मामले पर जांच जारी *-शेष पृष्ठ दो पर*

नॉन बासमती चावल के एक्सपोर्ट पर लग सकता है बैन

नई दिल्ली। खाने पीने की वस्तुओं की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के चलते केंद्र सरकार सचेत हो गई है। हाल के दिनों में चावल की कीमतों में लगातार उछाल देखने को मिला है जिसके बाद केंद्र सरकार चावल के एक्सपोर्ट पर बैन लगाने पर विचार कर रही है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक मोदी सरकार सभी प्रकार के नॉन-बासमती चावल के निर्यात पर रोक लगाने की योजना पर विचार कर रही है। सरकार यदि गैर-बासमती चावल के एक्सपोर्ट पर रोक लगाती है तो कुल 80 *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

स्टालिन ने विधि आयोग को लिखा पत्र, कहा–

समान नागरिक संहिता एक गंभीर खतरा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का कड़ा विरोध करते हुए सभी के लिए समान दृष्टिकोण अपनाने के खिलाफ तर्क दिया और विधि आयोग के अध्यक्ष को एक विस्तृत पत्र लिखकर अपनी चिंताओं को जाहिर किया। पत्र में उन्होंने कहा कि यूसीसी एक गंभीर खतरा है और यह हमारे समाज के विविध सामाजिक ढांचे को चुनौती देता है। इसमें उन्होंने कहा कि मैं भारत में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन के विचार के प्रति तमिलनाडु सरकार के कड़े विरोध को जताने के लिए पत्र लिख रहा हूं जो अपने बहुसांस्कृतिक सामाजिक ताने-बाने के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि मैं कुछ सुधारों की जरूरत को समझता हूं, लेकिन मेरा मानना है कि समान नागरिक संहिता एक गंभीर खतरा है और हमारे समाज के विविध सामाजिक ढांचे को चुनौती देता है। उन्होंने कहा कि देश को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र होने पर गर्व है जो संविधान के अनुच्छेद 29 के माध्यम से अल्पसंख्यकों के अधिकारों का सम्मान और रक्षा करता है। संविधान की छठी अनुसूची यह भी सुनिश्चित करती है कि राज्यों के जनजातीय क्षेत्र, जिला और क्षेत्रीय परिषदों के माध्यम से अपने रीति-रिवाजों और प्रथाओं को संरक्षित करें। उन्होंने कहा कि यूसीसी अपने स्वभाव से ही ऐसे आदिवासी समुदायों को असमान रूप से प्रभावित कर सकती है और उनकी पारंपरिक प्रथाओं, रीति-रिवाजों और पहचानों का पालन करने और संरक्षित करने के उनके अधिकार को कमजोर कर सकती है। इसके अलावा, हमारे समाज में मौजूद सामाजिक आर्थिक असमानताओं पर विचार किए बिना एक समान संहिता लागू करने के प्रतिकूल परिणाम हो सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न समुदायों में विकास, शिक्षा और जागरूकता के अलग-अलग स्तर हैं, और सभी के लिए एक समान दृष्टिकोण मौजूदा असमानताओं को बढ़ा सकता है। यूसीसी में धार्मिक समुदायों के बीच गहरे विभाजन और सामाजिक अशांति पैदा करने की भी क्षमता है। उन्होंने तर्क दिया कि इसके अलावा एक समान संहिता लागू करने के किसी भी प्रयास को धार्मिक मामलों में राज्य द्वारा अतिक्रमण के रूप में माना जा सकता है, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर भविष्य के लिए एक चिंताजनक मिसाल कायम करता है। स्टालिन का यह पत्र तब सामने आया है, जब एक दिन पहले उनकी पार्टी द्रमुक ने भी विधि आयोग को इस संबंध में पत्र लिखा और समान नागरिक संहिता के खिलाफ दलील दी। द्रमुक प्रमुख ने अपने पत्र में अपनी पसंद के धर्म को मानने के अधिकार पर संवैधानिक प्रावधानों की ओर इशारा किया। धार्मिक प्रथाएं संबंधित समुदायों के अधिकांश व्यक्तिगत कानूनों का आधार हैं और इसलिए उनमें कोई भी बदलाव धार्मिक समुदायों की सहमति के बिना नहीं किया जा सकता है।

चिराग में बाढ़ से जनजीवन अस्तव्यस्त

कोकराझाड़ (विभास)। भूटान ने पानी छोड़ने के साथ ही राज्य के चिरांग जिले में पूरी तरह जलमग्न हो गया। इस बाढ़ में करीब 22 से 28 गांव डूबा, चार वहां नदी में समाया एसडीआरएफ दल बचाव चुका है। वहीं सैकड़ों लोगों रेस्कू कर रिलीफ कैंप में पहुंचाए गए। इसके अलावा अभी भी ग्रामीणों का शुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर चिरांग जिले के नांगलभागा नदी के चपेट में आने से चार वाहन डूब गए। कड़ी मशक्कत के बाद गांव वालों ने एक वाहन निकाला। लेकिन अन्य वाहन डूब गया। जिले के भारत भूटान सीमावर्ती रूनीखाता फारेस्ट रेंज के अंतर्गत लौखिगुड़ी गांव में स्थित काठ ब्रिज टूट गया और इस टूटे हुए ब्रिज से गांव वाले आवाजाही कर रहे हैं। जबकि गांव वालों के लिए यही एकमात्र ब्रिज है जिससे वह आवाजाही करते हैं।

डिफलू नदी में बह गई महिला

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिलांतर्गत बोकाखात में डिफलू चाय बागान के ऐतिहासिक ओलोमा पुल के पास एक महिला फिर से डिफलू नदी के पानी में बह गई। नदी में बह गई महिला की पहचान मालती घटोवार के रूप में की गई है। पिछले साल भी इसी तरह की घटना हुई थी। ऐसी ही एक घटना की पुनरावृत्ति आज गुरुवार को हुई। मालती घटोवार डिफलू नदी के ओलोमा पुल के पास नहाते समय डिफलू नदी में बह गयी। सूचना मिलने के बाद कुछ स्थानीय युवकों ने नाव ली और तैरकर महिला की तलाश शुरू की। पुलिस ने कहा कि आने में देरी हुई। क्योंकि, उन्हें गोलाघाट होते हुए आना पड़ा। आटसा के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि स्नानघर, पीने के पानी की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण अस्थायी श्रमिकों को नहाने, कपड़े धोने आदि के लिए डिफलू नदी में जाना पड़ता है। अस्थायी श्रमिकों को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने की संगठन ने अपील की है।

हमारे पास खेल महाशक्ति बनने की क्षमता : नातुंग

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के खेल और युवा मामलों के मंत्री मामा नातुंग ने कहा कि देश में राज्य की खेल महाशक्ति बनने की क्षमता है। यह बातें आज मंत्री नातुंग ने पापुम पारे जिला के जोलांग के डान बास्को कालेज में चल रही 5वीं राष्ट्रीय जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भाग लेते हुए कही। मामा नातुंग ने बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) को इटानगर में 5वीं राष्ट्रीय जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप की मेजबानी का अवसर प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया और अरुणाचल एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन को कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए बधाई दी। उन्हें उम्मीद जताया कि अरुणाचल अब किसी भी राष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी करने में सक्षम है। उन्होंने इस बॉक्सिंग प्रतायोगिता को युवाओं के लिए अच्छा मंच बताया। उन्होंने कहा कि हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया ताकि यह चैंपियनशिप सफल हो। मुझे लगता है चैंपियनशिप ने देश के सभी जूनियर मुक्केबाजों को एक अच्छा मंच प्रदान किया है जो भविष्य में प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। नातुंग ने कहा कि अरुणाचल के खेल परिदृश्य पर तकनीकी मार्गदर्शन की आवश्यकता है, जिस पर सरकार काम कर रही है और पेमा खांडू के मुख्यमंत्री बनने के बाद राज्य के खिलाड़ियों में काफी सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सब जनते हैं कि अरुणाचल के खिलाड़ियों में प्रतिभाएं हैं लेकिन उन्हें सही दिशा कि आवश्यकता है और कुछ तकनीकी मार्गदर्शन की जरुरत है। पेमा खांडू द्वारा मुख्यमंत्री का कार्यभार संभालने के बाद हमारे खिलाड़ियों ने 900 पदक जीते हैं और उनमें से 81 पदक विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में आए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि हमारे खिलाड़ी आने वाले दिनों में और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। वहीं *मिशन ओलंपिक* के लिए रोडमैप के बारे में जानकारी देते हुए मंत्री नातुंग ने कहा कि राज्य सरकार 4/5 विषयों का चयन कर उन्हें विभिन्न अकादमियों में शामिल कर उस पर काम करने की योजना बना रही है।

जोराबाट में पुलिस ने 31 गायों को छुड़वाया पांच गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। जोराबाट पुलिस ने गुरुवार को एक बार फिर दो वाहनों से 31 गायों को छुड़वाया गया। यह गायें अवैध रूप से तस्करी कर लायी जा रही थीं। पुलिस ने चेकिंग के दौरान तस्करी के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक के नेतृत्व में गुरुवार को एनएच-37 पर वाहनों की चेकिंग के दौरान दो वाहनों को रोका गया। पुलिस ने इन दोनों वाहनों से 31 गायों को बरामद किया। इन गायों को अवैध रूप से तस्करी कर गोलाघाट जिला के नुमलीगढ़ से मेघालय के पशु बाजार भेजा जा रहा था।

मंत्री पीयूष ने किया तटबंध का निरीक्षण

विश्वनाथ (हिंस)। जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका गुरुवार को गहपुर पहुंचे। मंत्री बाढ़ की स्थिति के साथ-साथ टूटे हुए तटबंध का निरीक्षण करने पहुंचे। मंत्री हजारिका ने आज गहपुर ब्रह्माजान दफलागार के उत्तरी केकुरीजान, छत्रंग और डुबिया इलाकों का निरीक्षण किया। मंत्री ने क्षेत्र का दौरा किया और लोगों को आश्वासन दिया कि तटबंध की समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूपेन बोरा पर में कटाक्ष करते हुए मंत्री हजारिका ने कहा कि वे कमीशन बोरा हैं। इस बार वे रंगानदी से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। रंगानदी के लोग भूपेन बोरा से सावधान रहें।

पृष्ठ एक का शेष

मुख्यमंत्री आवास योजना...

पक्का घर सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, असम का पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग पीएमएवाई (ग्रामीण) योजना के कुशल और समयबद्ध कार्यान्वयन में लगातार काम कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, योजना के प्रावधानों के अनुसार लाभार्थियों को उनके बैंक खातों के माध्यम से तीन किश्तों में 1.30 लाख रुपये की राशि प्रदान की जा रही है। यह कहते हुए कि योजना के तहत कुल 19,10,823 घरों को मंजूरी दी गई है, जिनके लिए लाभार्थियों का चयन सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) और आवास के आधार पर किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुल 12,43,584 घरों का निर्माण पहले ही किया जा चुका है। सीएम ने कहा कि फरवरी 2024 तक अन्य 6 लाख घरों का निर्माण पूरा हो जाएगा। सीएम ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कि राज्य की भूमिहीन आबादी भी योजना का लाभ उठा सके, सरकार ने भूमिहीनों को भूमि आवंटन जैसे उपाय किए हैं। सीएम ने आगे कहा कि पीएमएवाई के अनुरूप, राज्य सरकार मुख्यमंत्री आवास योजना नामक एक योजना लागू करेगी जिसके तहत कुल 1 लाख घरों का निर्माण पूरी तरह से राज्य सरकार के धन से किया जाएगा। आज के कार्यक्रम में पी एंड आरडी मंत्री रंजीत कुमार दास, असम विधान सभा के अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी, सांसद क्वीन ओझा, मुख्य सचिव पबन कुमार बरठाकुर और कई अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

मणिपुर में चर्च पर ...

अध्यक्ष को लिखे अपने इस्तीफे में उन्होंने यह भी लिखा कि हाल ही में हुए सांप्रदायिक संघर्ष के कारण मणिपुर में उग्रवादियों ने 357 ईसाई चर्चों, पादरियों के आवासों और विभिन्न चर्च कार्यालय भवनों को जलाकर राख कर दिया। वॉनरामसुआंगा ने अपने इस्तीफे में मणिपुर के चर्चों को जलाने के लिए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दोषी नहीं ठहराया। उन्होंने लिखा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने दंगाग्रस्त मणिपुर में आकर स्थिति का निरीक्षण किया है, इसलिए वह इन सभी घटनाओं के लिए उन्हें दोषी नहीं ठहराना चाहते हैं। हालांकि, केंद्र सरकार ने ईसाई चर्चों को जलाने की निंदा के लिए एक भी शब्द नहीं कहा है। इसलिए, मेरा मानना है कि, मणिपुर में ईसाई चर्च के बड़े पैमाने पर विनाश को राज्य और केंद्रीय अधिकारियों का समर्थन था।

यूसीसी आम नागरिकों ...

करती अपितु यह देश के लोगों के लिए समान कानून की बात करता है। व्याख्यान का आयोजन गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने किया था। उन्होंने कहा कि ये कानून यह काम करेगा कि अगर दो महिलाएं समान परिस्थितियों में कोर्ट जाती हैं तो कोर्ट यह नहीं पूछेगा कि तुम्हारा क्या धर्म है, बल्कि समान रूप से न्याय हर नागरिक का हक है, ये कानून यही सुनिश्चित करेगा। खान ने कहा कि 2019 से लेकर आज तक मुस्लिमों में तीन तलाक के मामलों में 96 प्रतिशत कमी आई है। इसका फायदा उन महिलाओं और उनके बच्चों को हुआ, जो तीन तलाक के बाद परेशान थे और उनके पास कोई साधन नहीं था। इस कानून से उनकी जिंदगी बदल गई। इसी प्रकार यूसीसी भी आम नागरिकों के हितों की रक्षा करेगा। राज्यपाल खान ने कहा कि भारत क्रांतियों का नहीं सक्रांतियों का देश है। हम अपनी सांस्कृतिक विविधताओं को साथ लेकर जीते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष विजय गोयल ने की। इस अवसर पर गोयल ने कहा कि इस बात की आवश्यकता महसूस की जा रही है कि भारत में रहने वाले हर नागरिक के लिए समान कानून होना चाहिए, चाहे वह किसी भी जाति और धर्म का क्यों न हो। यूसीसी का उद्देश्य एक पंथ निरपेक्ष कानून होता है। गोयल ने कहा कि यूसीसी के विरोधियों का कहना है कि यह कानून धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करेगा। जबकि यह कानून लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, धर्म के आधार पर भेदभाव कम करने और कानून प्रणाली को सरल करने में मदद करेगा। इसका सबसे ज्यादा लाभ अल्पसंख्यकों को ही होगा।

यूसीसी लागू होने पर ...

वे इसकी आलोचना करते हैं। उन्होंने लोगों को उकसाते हुए कहा कि यूसीसी लागू होता है, तो वह अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव करेंगे। समान नागरिक संहिता लागू होने पर हम सभी साड़ी पहनेंगे। कभी-कभी हमारे पास दाढ़ी होगी, कभी-कभी नहीं। क्या सरकार इसे स्वीकार करेगी ? हम पांच साल तक दाढ़ी बढ़ाएंगे, पांच साल तक मांस खाना बंद कर देंगे और अगले पांच साल तक शाकाहारी रहेंगे। कृपया मेरी बात का उत्तर दें और काम करना शुरू करें। अजमन ने कहा कि क्या हर कोई उनकी बात से सहमत है और क्या हर कोई उनकी तरह साड़ी पहनेगा। अजमल ने सभा में यूसीसी के फायदे और नुकसान को अपने तरीके से समझाया। अजमल ने कहा कि अभी यूसीसी से जुड़े विभिन्न मुद्दों की जांच विधि आयोग और संसदीय समिति कर रही है। असम सरकार पहले ही यूसीसी का समर्थन कर चुकी है। उन्होंने कहा कि हम असम में बहुविवाह पर तत्काल प्रतिबंध चाहते हैं, यह राज्य के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा भी चाहते हैं।

पेरिस पहुंचने पर ...

प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत में द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के विस्तार पर मुख्य रूप से ध्यान दिए जाने की उम्मीद है। मोदी ने रवाना होने से पहले जारी बयान में कहा कि मैं राष्ट्रपति मैक्रों से मिलने और अगले 25 वर्षों में इस दीर्घकालिक और समय की कसौटी पर खरी उतरी साझेदारी को आगे ले जाने के लिए व्यापक चर्चा करने को लेकर आशान्वित हूं। उन्होंने कहा कि हम क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी साथ मिलकर काम करते हैं। मोदी ने कहा कि फ्रांस की उनकी यात्रा विशेष है क्योंकि वह फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस या बैस्टिल दिवस समारोह में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। परेड में भारत की तीनों सेनाओं का 269 सदस्यीय दल हिस्सा लेगा।

भारी बारिश के ...

में जलभराव हो गया। बारिश के कारण इंफ्रास्ट्रक्चर क्षतिग्रस्त हो चुकी है। उत्तरी रेलवे ने 300 मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दी, 100 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया और 191 ट्रेनों को डाइवर्ट कराया गया। जलजमाव के कारण उत्तर रेलवे ने 406 पैसेंजर ट्रेनों को रद्द करने के साथ 28 ट्रेनों का रूट बदला गया और 54 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है।

अमित शाह ने ...

सराहना की। उन्होंने स्टॉल का अवलोकन करते हुए राज्य सरकार की डॉक्यूमेंट्री भी देखी। इसमें हरियाणा में हुए पुलिस सुधार, पंचकूला में साइबर फोरेंसिक लैब की स्थापना, 29 साइबर पुलिस स्टेशन सहित अपराध की रोकथाम व सुरक्षा जैसे विषयों के बारे में विस्तार से दर्शाया गया है। उन्होंने मनोहर लाल सरकार के नेतृत्व में आमजन की सुरक्षा को लेकर उठाये गए कदमों को उल्लेखनीय बताया। उन्होंने कहा कि जनसेवा की दिशा में हरियाणा सरकार अपनी प्रभावी जिम्मेदारी निभा रही है। उन्होंने हरियाणा सरकार की स्टॉल पर संबंधित अधिकारियों से बातचीत की और हरियाणा सरकार की कार्यशैली को अनुकरणीय बताया। गौरतलब है कि दो दिवसीय प्रदर्शनी में हरियाणा सरकार की ओर से साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में चलाए गए उल्लेखनीय कार्यक्रम एवं उपलब्धियां डिस्प्ले की गई हैं। सूचना, लोक संपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग हरियाणा के साथ पुलिस की ओर से दो अलग-अलग स्टाल पर यह उपलब्धियां फिल्म एवं ब्रोशर के माध्यम से प्रदर्शित की हैं। देश-विदेश से आए प्रतिनिधियों ने हरियाणा सरकार की जन सुरक्षा को लेकर प्रदत्त सेवाओं की जानकारी ली।

लाठीचार्ज में भाजपा ...

जिला महामंत्री थे। बता दें कि प्रदर्शन में शामिल भाजपा बिहार प्रदेशाध्यक्ष सम्राट चौधरी और पुलिस के बीच धक्का मुक्की हुई। विधानसभा संयोजक डॉ. संजय मिश्रा को कुर्ता फाड़कर पीटा गया। पुलिस ने सम्राट चौधरी समेत कई नेताओं को हिरासत में ले लिया और सभी को बस में भरकर ले गई। वहीं, भाजपा कार्यकर्ता की मौत को लेकर सुशील कुमार मोदी ने बिहार सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सैकड़ों कार्यकर्ताओं का खून सड़क पर बहा हैं। ये खून बेकार नहीं जाएगा। इसका बदला बिहार की जनता नीतीश कुमार को गद्दी से हटा कर ही लेगी। भाजपा एमएलसी जीवन कुमार भी अपनी गिरफ्तारी के वक्त भाजपा कार्यकर्ता की मौत से आक्रोश में दिखें।

यूक्रेन संग किए अनाज...

लेकिन आंकड़े दिखा रहे हैं कि वह रिकॉर्ड स्तर पर गेहूं का निर्यात कर रहा है। रूसी अधिकारी लगातार कह रहे हैं कि काला सागर के रास्ते अनाज निर्यात समझौते की अवधि का विस्तार करने का कोई आधार नहीं है, जिसका चौथी बार सोमवार को नवीनीकरण किया जाना है। रूस समझौते से हटने की पहले से धमकी दे रहा है और पूर्व में समझौते में तय चार महीने की अवधि के बजाय करार को दो बार दो-दो महीने के लिए विस्तारित किया गया। संयुक्त राष्ट्र और अन्य देश इस समझौते को बरकरार रखने का प्रयास कर रहे हैं। यूक्रेन और रूस दोनों गेहूं, जौ, वनस्पति तेल और अन्य खाद्य उत्पादों के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं जिन पर अफ्रीका, मध्य पूर्व और एशिया के कुछ देश निर्भर हैं। समझौते के तहत यूक्रेन को 3.28 करोड़ मीट्रिक टन (36.2 मिलियन टन) अनाज भेजने की अनुमति दी गई है, जिसमें से आधा अनाज विकासशील देशों के लिए है। अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान के वरिष्ठ अनुसंधान फेलो जोसेफ ग्लॉबर ने कहा कि रूस अगर समझौते को जारी रखता है तो उसे दुनिया से अच्छी प्रतिक्रिया मिलेगी। उन्होंने कहा कि जहां तक रूस का सवाल है, अगर वह इस समझौते की अवधि का विस्तार नहीं करता तो मुझे लगता है कि सार्वजनिक धारणा और वैश्विक सद्भावना के रूप में उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

सीमा को नहीं भेजा...

है। मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम जांच कर रही है। गौरतलब है कि सीमा हैदर और सचिन मीना की दोस्ती ऑनलाइन गेंमिंग पबजी के जरिए हुई, जो बाद में प्यार में तबदील हो गई। इसके बाद सीमा हैदर ने बिना वैध दस्तावेजों के साथ भारत में प्रवेश किया और अब वह अपने प्रेमी के सचिन मीना के साथ ग्रेटर नोएडा में रह रही है। सीमा हैदर पाकिस्तान के सिंध प्रांत के जैस्माबाद की रहने वाली है। उसकी शादी गुलाम रजा के साथ साल 2014 में हुई थी। उसके चार बच्चे हैं। 2019 में गुलाम हैदर काम के सिलसिले में सऊदी अरब चला गया। इसके बाद दोनों की नेपाल में मुलाकात हुई। सीमा का दावा है कि नेपाल की ही एक मंदिर में दोनों ने शादी की, जिसके बाद वह पाकिस्तान लौट गई। सीमा सचिन के साथ रहना चाहती थी, इसलिए 10 मई को वह अपने चारों बच्चों के साथ कराची से शारजाह पहुंची। फिर यहां से फ्लाइट के जरिए काठमांडू पहुंची। काठमांडू से पोखरा एक प्राइवेट गाड़ी से पहुंची। पोखरा से दिल्ली के लिए बस ली और 13 मई को सीमा नोएडा पहुंची। यहां से सचिन उसे रबूपुरा इलाके में ले आया। दोनों किराए के मकान में रहने लगे। पुलिस को भनक लगने के बाद दोनों को कुछ दिनों के लिए अरेस्ट कर लिया गया, अभी दोनों जमानत पर रिहा हैं। वहीं, इससे पहले पाकिस्तान के एक कबायली समूह से जुड़े डाकुओं ने धमकी देते हुए कहा था कि यदि सीमा को वापस नहीं भेजा गया तो पाकिस्तान में रहने वाली हिंदू महिलाओं का बलात्कार कर हत्या कर दी जाएगी। डकैत रानो शार ने धमकी भरा वीडियो जारी करते हुए कहा था कि हमारी अपील है, हम झकरानी कबीले वाले हैं। हमारी लड़की इधर से गई है। पाकिस्तान से भारत के दिल्ली में गई है। ये बात समझ लो अगर तुमने हमारी लड़की वापस नहीं की तो जहां-जहां हिंदू महिलाएं हैं, वहां-वहां बलात्कार होगा। इज्जत प्यारी है तो हमारी लड़की बच्चों समेत वापस कर दो। हम बलूच कौम हैं, झकरानी हैं।

नॉन बासमती चावल ...

फीसदी चावल का एक्सपोर्ट इससे प्रभावित होगा। सरकार के इस फैसले के चलते घरेलू बाजार में तो कीमतों में बढ़ोतरी पर अंकुश लग जाएगी लेकिन दुनियाभर में चावल की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिल सकता है। घरेलू बाजार में पिछले दो हफ्तों मे चावल की कीमतों में 20 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। चावल का जिन राज्यों में उत्पादन होता है वहां असामान्य बारिश देखने को मिल रही है, ऐसे में धान की फसल के प्रभावित होने की आशंका है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल का एक्सपोर्टर है और कुल ग्लोबल एक्सपोर्ट में उसकी 40 फीसदी हिस्सेदारी है। 2022 में भारत ने कुल 56 मिलियन टन चावल का एक्सपोर्ट किया था। भारत दुनिया में सबसे सस्ती कीमत पर चावल सप्लाई करता है लेकिन एमएसपी घोषित होने के बाद भारत में कीमतें बढ़ीं तो दूसरे सप्लायरों ने भी कीमतें बढ़ाना शुरू कर दिया है। पिछले वर्ष भी सरकार ने टूटे चावल के एक्सपोर्ट पर रोक लगाया था। साथ ही व्हाइट और ब्राउन राइस के एक्सपोर्ट पर 20 फीसदी ड्यूटी लगाया गया था। गेंहू और चीनी के एक्सपोर्ट पर पहले से ही बैन लगा हुआ है।

पोती के साथ ...

के बाद पीड़िता की मेडिकल जांच में पुष्टि हुई कि उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया था। हैलाकांदी सदर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि उसका बयान लेने के बाद, हमने आरोपी व्यक्ति को पकड़ लिया और जांच शुरू कर दी है। हैलाकांदी डीएसपी लीना डोले ने कहा कि मामले की जांच फिलहाल चल रही है।

माजुली-निमातीघाट के बीच नौका सेवा स्थगित

माजुली (हिंस)। विश्व के सबसे बड़े नदी द्वीप माजुली-निमातीघाट के बीच नौका सेवा अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया है। अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग ने आज इसकी पुष्टि की है। अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग के सूत्रों ने बताया कि यह निर्णय ब्रह्मपुत्र नद के जल स्तर के बढ़ने के मद्देनजर लिया गया है। ऑफला-निमातीघाट, कमलाबाड़ी-निमातीघाट घाट पर भी फेरी सेवाएं अगले आदेश तक बंद रहेंगी।

पाक में अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े, हिंदू लड़के की हत्या

पेशावर। पुलिस और कानूनविदों की मदद से पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हमले लगातार जारी हैं। सिंध के टांडो मुहम्मद खान में एक मामूली विवाद पर एक लड़के की हत्या कर दी गई और अलग-अलग घटनाओं में रहीम यार खान और सिंध प्रांत में तीन लड़कियों का अपहरण कर लिया गया और उन्हें जबरन इस्लाम में परिवर्तित कर दिया गया। रहीम यार खान में आम की कीमत को लेकर हुए विवाद में अज्ञात बदमाशों ने नाना बागरी के 16 वर्षीय बेटे शामलाल की हत्या कर दी, आम की कीमत 20 रुपए प्रति किलो थी। रहीम यार खान की रहने वाली दो लड़कियों, अनीता कुमारी और पूजा कुमारी का अपहरण कर लिया गया और उन्हें जबरन इस्लाम में परिवर्तित कर दिया गया। स्थानीय हिंदू समुदाय ने आरोप लगाया कि प्रशासन और पुलिस अपराधियों का पक्ष ले रहे हैं और अपहरणकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज नहीं कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी शिकायतों का समाधान नहीं किया गया। सोमवार को सिंध प्रांत के टांडो गुलाम हैदर के नजरपुर से 6 लोगों ने 13 साल की सना मेघवार का अपहरण कर लिया। घटनाक्रम से परिचित लोगों ने बताया कि सना को उसके अपहरणकर्ताओं ने पीटा और फिर जबरन कार में बैठाया, जब वह अपनी मां के साथ बाजार से लौट रही थी तो उसका अपहरण कर लिया गया। हमले में उसकी मां को भी चोटें आईं। सना की मां ने हमलावरों में से एक की पहचान 50 वर्षीय शेख इमरान के रूप में की है जो एक स्थानीय जमींदार है।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

प्रेम गान योगी नहीं, वाणी जप नहिं योग।
पिण्ड ब्रह्माण्ड के अन्तरे, सर्व अराध्य वियोग॥ 21॥

शब्दार्थ : (प्रेम गान) भावोन्मत होकर गाना (अराध्य) साधन (वियोग) छोड़ना।

भाष्य : भाव लेकर वामी से रोना-गाना सब मन के विषय हैं, योग नहीं। प्रेम में आ कर गान करने वाला योगी नहीं होता, यह मन की प्रेम-लीला है, भक्ति का स्वरूप नहीं है। वाणी द्वारा किसी मंत्र का जप करना योग नहीं है। पिण्ड-ब्रह्माण्ड के भीतर, मन-मंडल के अंदर जिते साधन होते हैं वे सभी प्राकृतिक हैं, आत्मा के साधन नहीं। इन सबको छोड़कर प्रकृतिपार चेतन-पथ को प्राप्त करना चाहिए।

सहस कमल आसन किये, चिन्तन ब्रह्म स्वरूप।
विनशि कमल भय नहिं मिटा, अन्त परें भवकूप॥ 22॥

शब्दार्थ : (विनशि) नष्ट (आसन) स्थिर होना।

भाष्य : जब ध्येय में स्थिरता होती है, तभी आसन स्थिर होता है। सरस्र कमल ब्रह्माण्ड में स्थिर हो कर ब्रह्म के स्वरूप का चिंतन करने से कमल का नाश हो जाता है और प्रकृति का भय नहीं मिटता इसलिए जीव अंत में भवकूप में पड़कर कष्ट को प्राप्त करता है।

मिजोरम में भारी मात्रा में विस्फोटक और गोला-बारूद जब्त

एजल (हिंस)। मिजोरम में भारी मात्रा में विस्फोटक और गोला-बारूद जब्त किया गया है। असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस के संयुक्त अभियान में विस्फोटक सामग्री जब्त की गई। असम रायफल्स के सूत्रों से आज मिली जानकारी के अनुसार चम्पाई जिले के पुरनी बैखोवातोंग ट्रैक जंक्शन क्षेत्र में छापेमारी के दौरान एक मारुति वैगनार और दो बाइक जब्त की गई। जब्त की गई गाड़ी में 24 सक्रिय गोलियां, जिलेटिन के 800 टुकड़े (चार बक्से), डेटोनेटर-636, सेफ्टी फ्यूज वायर छह बंडल, 12 बोर बंदूक की 28 गोलियां और 75 हजार रुपए नकद शामिल हैं। ये विस्फोटक मणिपुर में प्रतिबंधित कुकी उग्रवादी गुट *जोमी रिवोल्यूशनरी आर्मी* (जेडआरए) के लिए लाए गए थे। विस्फोटक सामग्री के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किये गए लोगों को कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप दिया गया है।

संगमा ने एनसीईटी में खासी और गारो भाषाओं को शामिल करने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री को लिखा पत्र

शिलांग (हिंस)। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने खासी और गारो भाषाओं को नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एनसीईटी) में शामिल करने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पत्र लिखा है। आज गुरुवार को एक पत्र में राज्य के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने एनसीईटी अधिकारियों से राष्ट्रीय सामान्य प्रवेश परीक्षा में खासी, गारो और वैकल्पिक अंग्रेजी भाषाओं को शामिल करने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से हस्तक्षेप की मांग करने का अनुरोध किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को लिखे पत्र में राज्य के मुख्यमंत्री संगमा ने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के वैधानिक नियमों के अनुसार मेघालय के छात्र धारा-1(33) भाषा-2 की किसी भी वैकल्पिक भाषा के साथ एनसीईटी परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगे। मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा

कि इससे छात्रों, अभिभावकों और शैक्षणिक संस्थानों में असंतोष पैदा हो रहा है। इसके मद्देनजर खासी, गारो और वैकल्पिक अंग्रेजी को सूची में शामिल करने का अनुरोध किया जा रहा है ताकि छात्र इन विकल्पों का उपयोग कर सकें और अधिकारों और अवसरों से वंचित न रहें। मुख्यमंत्री संगमा ने पत्र में आगे लिखा कि मामला गंभीर और चिंताजनक है, क्योंकि नेशनल टेस्ट एजेंसी द्वारा 2 जून को जारी अधिसूचना के माध्यम से इंटीग्रेटेड टीचर्स एजुकेशन प्रोग्राम (एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम) नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट से संबंधित है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वैकल्पिक रूप से अनुभाग-1 भाषा के साथ अतिरिक्त प्रश्न जोड़े जा सकते हैं, जिससे निकट भविष्य में समस्या का समाधान हो जाएगा। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री ने आज केंद्रीय शिक्षा मंत्री को यह पत्र राज्य शिक्षा विभाग से 30 जून और 10 जुलाई (2023) को प्राप्त पत्रों के मद्देनजर राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के नियमों का मूल्यांकन करते हुए लिखा है।

होजाई जिला पत्रकार संघ की आमसभा आयोजित

होजाई (विभास)। होजाई जिला पत्रकार संघ की आम सभा आयोजित की गई। स्थानीय ज्योति प्रसाद अग्रवाला स्मृति भवन में आयोजित इस आमसभा में पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष निरंजन सरावगी ने की। सभा में सर्व सम्मति से निरंजन सरावगी को जिलाध्यक्ष एवं लितुमनी नाथ को साधारण सचिव चुना गया। इससे पहले सभा की शुरुआत जिले के 2 पत्रकार क्रमशः शारदानंद देव गोस्वामी एवं दिलीप शर्मा को श्रद्धांजलि एवं उनकी आत्मा की शांति हेतु एक मिनट का मौन रख कर किया गया। इसके बाद सभा की कार्रवाही शुरू हुई। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने अपना परिचय दिया। जिले के विभिन्न स्थानों से 40 से ज्यादा पत्रकारों ने भाग लिया। सभा में पूर्व पत्रकार जयंत चौधरी एवं वरिष्ठ पत्रकार अंजन पाल विशिष्ट अतिथि के रूप उपस्थित थे। सभा में विभिन्न पत्रकारों ने संगठन को मजबूत करने एवं युवा पत्रकारो को पत्रकारिता के बारे में विस्तार पूर्वक समझाया। इस दौरान जिला पत्रकार संघ की पुरानी समिति को भंग कर नई समिति का गठन किया गया। इस नई समिति में अध्यक्ष निरंजन सरावगी और साधारण सचिव लिटूमनी नाथ को बनाकर सशक्त कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया।

लायंस उमंग का निःशुल्क मेकअप कार्यशाला आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। समाज सेवा के साथ साथ सदस्याओं के बीच आपसी समन्वय बनाने के उद्देश्य से लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से निःशुल्क मेकअप कार्यशाला आयोजित किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका के मार्गदर्शन व अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में आयोजित कार्यशाला में बड़ी संख्या में सदस्याओं ने हिस्सा लिया। इस मौके पर प्रशीक्षक के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सर्टिफाइड प्रोफेशनल मेकअप आर्टिश हिमाक्षी बगड़िया मौजूद थी। इससे पूर्व उमंग के निदेशक मंडली की ओर से इस सत्र की प्रथम साधारण सभा आयोजित की गई। अध्यक्ष श्रीमती पोद्दार ने सभी का स्वागत किया। इस दौरान जिलापाल प्रथम श्रीमती सीमा गोयनका, सचिव संगीता अग्रवाल, संयुक्त सचिव पूजा खेमका, कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी, संयुक्त कोषाध्यक्ष खुशी खेमानी, निवर्तमान अध्यक्ष सीमा सोनी, कुसुम जैन,

सरिता गाड़ोदिया, सुनिता पारीख, सपना सिंघल, मधू सेठिया आदि सदस्याएं मौजूद थी। इस अवसर पर क्लब सदस्याओं ने भावी कार्यक्रमों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए अपने अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। वहीं दूसरी ओर लायंस जिला की स्थाई परियोजना फिड द हंगर के तहत रिहाबाड़ी स्थित ड्रिम होम नामक एनजीओ में रितु बंका के संयोजन में खाद्यवस्तुएं सहित हॉर्लिक्स, ग्लुकोज आदि उपलब्ध कराए गए। इन सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने में क्लब की सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

रंगापाड़ा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नवनिर्मित घरों में हुआ गृह प्रवेश

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिलांतर्गत रंगापाड़ा विधानसभा क्षेत्र के बोरजुली गांव पंचायत में रंगापाड़ा के विधायक कृष्ण कमल तांती और शोणितपुर जिला उपायुक्त देव कुमार मिश्र तथा अतिरिक्त उपायुक्त राज बरुवा की उपस्थित में आज प्रधानमंत्री आवास योजना तहत नवनिर्मित घरों में गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बोरजुली 17 नंबर लाइन के निवासी करन सासोनी नामक व्यक्ति ने वर्तमान केंद्र एवं राज्य सरकार तथा जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सबको नया पक्का घर मिलने से हम सब बेहद खुश हैं। इसके अलावे आज बोरजुली पंचायत अंतर्गत गरीब एवं श्रमिक तबके के लोगों को जितने भी नया मकान मिला उन सभी को अलग-अलग स्थानों पर विधायक ने फुलाम गमछा पहनाकर सम्मानित किया। विधायक ने गृह प्रवेश कार्यक्रम के बाद प्रत्येक घर के परिजनों से दैनिक

कामकाज को लेकर बातचीत की। इस मौके पर उपायुक्त ने मीडिया से बाचतीच करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत राज्य में नव निर्मित आज तीन लाख से अधिक पक्के मकानों में गृह प्रवेश हुआ है।

आर्थिक तंगी से बृद्धा ने की खुदकुशी

कोकराझाड़ (विभास)। आर्थिक संकट से तंग आकर बृद्धा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक व्यक्ति की पहचान रमाकांत दास (55) के रूप में की गई। जो सिमलटापू गांव के रहने वाला है। मिली सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उक्त व्यक्ति ने पिछले काफी दिनों से आर्थिक तंगी से गुजर रहा था। हालांकि बाद में सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कोकराझाड़ अस्पताल में भेज दिया।

धुबड़ी से बांग्लादेश चीनी ले जा रही नाव जब्त

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले में ब्रह्मपुत्र नद के बीच खुली भारत-बांग्लादेश सीमा इलाके के सलापाड़ा में तस्करी कर बांग्लादेश ले जाई जा रही चीनी की 49 बोरियों से भरी एक मशीनकृत नाव को जब्त कर लिया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सूत्रों ने आज बताया है कि तस्करों द्वारा नदी के रास्ते चीनी बांग्लादेश ले जाया जा रहा था, इसकी जानकारी मिलते ही सालापाड़ा सीमा सुरक्षा चौकी की 49वीं बीएसएफ के जवानों ने नाव को रोक लिया। बीएसएफ के रोकने पर तस्कर मशीनकृत नौकाओं के साथ चीनी छोड़कर भाग गए। बीएसएफ द्वारा जब्त नाव और चीनी को जब्त कर कानूनी कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया। जब्त चीनी एवं नाव की अनुमानित बाजार मूल्य 1 लाख 84 हजार रुपए के आसपास बताया गया है।

आत्मसमर्पण की तैयारी में आदिवासी उग्रवादी संगठन के 35 सदस्य

जोरहाट (हिंस)। आदिवासी उग्रवादी संगठन अपला के कमांडर-इन-चीफ साहिल मुंडा के नेतृत्व में लगभग 35 सदस्यों का एक समूह आत्मसमर्पण करने की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार हथियारों और गोला-बारूद के साथ नगालैंड के रास्ते जिले मेरापानी के पास म्यांमार सीमा पर डेरा डाले यह समूह जल्द ही आत्मसमर्पण करेगा। उग्रवादियों के समूह द्वारा जोरहाट में आत्मसमर्पण करने की संभावना है। आपला कमांडर साहिल मुंडा पहले ही आत्मसमर्पण कर चुका है। समूह के अन्य आत्मसमर्पण करने वाले सदस्यों की वह पहचान करेगा।

मंत्री ने कार्बी आंग्लांग में जल जीवन मिशन और स्वच्छता मिशन की समीक्षा की

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। जन स्वास्थ्य व तकनीकी मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने कार्बी आंग्लांग और पश्चिम कार्बी आंगलांग जिले के जलजीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान की योजनाओं के क्रियान्वयन का विस्तृत जायजा लिया गया बुधवार को मंत्री जयंत मल्ल बरुवा की बैठक में सांसदों और विधायकों, कार्बी आंगलांग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य और कार्यकारी सदस्यों के अलावा सार्वजनिक स्वास्थ्य तकनीकी विभाग (पीएचईडी) और जिला जल और स्वच्छता मिशन (डीडब्ल्यूएसएम) के सभी अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में मंत्री बरुवा ने अब तक पूरी नहीं हुईं योजनाओं की समीक्षा की और एक निश्चित समय सीमा के भीतर काम पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री बरुवा ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने, जल जीवन योजना के सफल कार्यान्वयन के काम को आगे बढ़ा रही है और हम वर्ष 2024 तक हर घर में प्रतिदिन 55 लीटर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गोसाईगांव में खोजी श्वानों के जरिए सामानों की ली गई तलाशी

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिलांतर्गत गोसाईगांव स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के फ्रंटियर मुख्यालय, गुवाहाटी के 31वीं बटालियन द्वारा 03 से 15 जुलाई तक पुलिस कैनाइन ऑप्स डॉग्स (विस्फोटक और नारकोटिक्स) की दक्षता मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जा रही है। एसएसबी सूत्रों ने आज बताया है कि डॉ. ई. चाओबा सिंह (कमांडेंट वेटनरी) की निगरानी में, कार्यक्रम में 11 जुलाई को श्रीरामपुर चेकपोस्ट पर एक उल्लेखनीय सफल खोज अभियान चलाया गया। वहीं 13 जुलाई को गोसाईगांव रेलवे स्टेशन पर एक और सफल खोज अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व प्रशिक्षण पदाधिकारी डॉ. सिंह, एसएसबी की 31वीं बटालियन के कमांडेंट चिरंजीब भट्टाचार्जी और एएसआई राजविंदर सिंह ने किया। इस सक्रिय पहल का उद्देश्य सुरक्षा चौकियों को मजबूत करना और विस्फोटकों और नशीले पदार्थों का पता लगाने में एसएसबी की कैनाइन इकाइयों की विशेषज्ञता को प्रभावी ढंग से नियोजित करके समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

सिटी सेंटर में ओप्पो रेनो 10 सीरीज मोबाइल लांच

गुवाहाटी (विभास)। लोकप्रिय व अग्रणी स्मार्टफोन निर्माता कंपनी ओप्पो ने असम सहित पूर्वोत्तर के बाजार में ओप्पो रेनो 10 सीरीज मोबाइल को लांच किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जानी मानी अभिनेत्री प्रियम पल्लबी कश्यप ने जीएस रोड के सिटी सेंटर में तीसरे तल्ले स्थित ओप्पो के एक्सक्लूसिव शोरूम में ओप्पो रेनो 10 सीरीज मोबाइल को लांच किया। इस दौरान कंपनी के जोनल सेल्स मैनेजर अनीशुज जमान, शोरूम और एलएफआर हेड संदीप चौधरी सहित ओप्पो शोरूम की पुरी टीम उपस्थिति थी। लांच के अवसर पर अभिनेत्री प्रियम पल्लबी कश्यप ने कहा कि ओप्पो हमेशा स्मार्ट फोन और आईओटी उत्पादों में सबसे पसंदीदा, अभिनव और स्टाइलिश ब्रांड में से एक रहा है। इसके अलावा ओप्पो आफ्टर सेल सर्विस के मामलो में भी नंबर 1 है। यह युवाओं, महिलाओं और सेल्फी प्रेमियों के लिए एकदम सही संयोजन है। मुझे उम्मीद है कि असम और उत्तर-पूर्व राज्यों के लोगों को यह फोन पसंद आएगा। इस अवसर पर जोनल सेल्स मैनेजर अनिशुज जमान ने कहा की ओप्पो रेनो 10 सीरीज मोबाइल में तीन अलग-अलग वैरीअंट है। इनमें रेनो 10प्रो+, रेनो 10प्रो तथा

रेनो 10 शामिल है। रेनो 10 प्रो+ में ओआईएस के साथ पहला टेलीफोटो पोर्ट्रेट कैमरा, 100डब्लू सुपरवूक फ्लैश चार्जिंग के साथ रेनो इतिहास में सबसे तेज चार्जिंग स्पीड, उद्योग का पहला सबसे पतला व हल्का पेरिस्कोप कैमरा फोन सहित फ्लैगशिप लेवल स्नैपड्रैगन 8+ जेन 1 मोबाइल प्लेटफॉर्म से लेस है। उन्होंने कहा कि ओप्पो रेनो 10प्रो+ की कीमत 54,999 व ओप्पो रेनो 10प्रो की कीमत 39,999 है, जो सभी रिटेल स्टोर और एक्सक्लूसिव शोरूम में उपलब्ध है। शोरूम और एलएफआर प्रमुख संदीप चौधरी ने कहा की ओप्पो रेनो 10प्रो+ व रेनो 10प्रो मोबाइल सीरीज की खरीदारी पर ग्राहक अग्रणी एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, कोटक, एसबीआई कार्ड्स से 10 प्रतिशत तक का कैशबैक और कई अन्य आकर्षक ऑफर प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा 9 महीने तक नो कॉस्ट ईएमआई और लो डाउन पेमेंट फाइनेंस ऑफर पा सकते हैं। यह ऑफर सीमित समय अवधि के लिए हैं।

पूर्वांचल जाट समाज, गुवाहाटी

समाज के सभी बन्धुओं को सूचित किया जाता है कि पूर्वांचल जाट समाज की **साधारण सभा दिनांक 30 जुलाई-2023, रविवार** को अपराह्न 3 बजे से जाट भवन, गड़चुक चाराली, एनएच-37, गुवाहाटी में आयोजित की जाएगी।

सभी सजातीय बहन-भाईयों से निवेदन है कि समाज की साधारण सभा में समय पर पहुंच कर समाज की प्रगति में अपनी भागीदारी निभाएं।

गणेश कुमार चौधरी
अध्यक्ष
9707419990

के.आर. चौधरी
कार्यकरी अध्यक्ष
9435024549

मोहनलाल बिजारणिया
महासचिव
9435018507

श्रीचंद ढाका
कोषाध्यक्ष
9435343004

बाघमारा ग्राम पंचायत में खुला पीएम ग्रामीण आवास योजना का प्रवेश द्वार

नगरबेड़ा (विभास)। देश भर के सभी ग्राम पंचायत क्षेत्रों के साथ-साथ राज्य में गरीब लाभार्थियों के नाम पर आवंटित प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण घर प्रवेश द्वार पर एक खुला उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। बरपेटा जिले के बागबर निर्वाचन क्षेत्र में मंडिया ब्लॉक विकास के तहत बाघमारा चर ग्राम पंचायत संख्या 72 में प्रधान मंत्री आवास योजना-ग्रामीण घर प्रवेश द्वार खोला गया है। पूरे भारत में कुल तीन लाख गरीब लाभार्थियों के आज गृह प्रवेश द्वार उद्घाटन समारोह शुरू किया। बाघमारा चर ग्राम पंचायत में 126 घरों के उद्घाटन समारोह का विधिवत उद्घाटन बाघमारा चर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य तैजुद्दीन सरकार ने लाल

फीता काटकर किया। सरकारी आदेश हर लाभार्थी के डोर-टू-डोर दरवाजे खोलता है। इस अवसर पर बाघमारा चर ग्राम पंचायत की अध्यक्ष आकलीमा खातून, बाघमारा चर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के शिक्षक जमशेर आली आहमेद, पंचायत सचिव आब्दुल काशेम,जीपीछी छफीकुल इस्लाम, समाज सेवक मिर्जा उचमान गनी, पंचायत के लाभार्थियों और पंचायत सदस्यों उपस्थित थे।

ग्राहक इंटरफेस में सुधार के लिए पूसीरे की पहल

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने माल परिवहन में सुधार एवं बेहतर ग्राहक इंटरफेस प्रदान करने के लिए कई पहल की है। इसी पहल के तहत, ग्राहकों के विभिन्न वर्गों द्वारा विभिन्न सामग्रियों के आसान परिवहन की सुविधा के लिए जून के दौरान कुछ और अधिक स्टेशनों में आवक और जावक दोनों माल परिवहन का संचालन शुरू किया गया हैं। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची दे ने आज बताया है कि ग्राहक इंटरफ़ेस में सुधार और माल ढुलाई राजस्व में वृद्धि के लिए, लामडिंग मंडल के अधीन न्यू गुवाहाटी स्टेशन को 26 जून से पार्सल वैन के जरिये आवक पशुधन परिवहन के संचालन के लिए खोला गया है। 16 जून से, छह महीने की अवधि के लिए रंगिया मंडल के अंतर्गत आजरा स्टेशन के वैकल्पिक गुड्स टर्मिनल के रूप में मिर्जा स्टेशन को आवक और जावक दोनों माल परिवहन के लिए कार्य करने की अनुमति दी गई है। प्रायोगिक तौर पर, लमडिंग मंडल ने जून में तेजस राजधानी एक्सप्रेस द्वारा त्रिपुरा के धर्मनगर से नई दिल्ली तक स्थानीय स्तर पर उपजाये गए अनानास के 200 पैकेटों की सफलतापूर्वक लोडिंग सुनिश्चित हुई है। देश के विभिन्न हिस्सों में इसकी भारी मांग है। इसके अलावा, 12 जून को कोयला और बालू की जावक लोडिंग को बढ़ाने के लिए, तिनसुकिया मंडल ने कोयला और बालू लोडिंग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए लाकुवा, तुली, भोजो और नामरूप क्षेत्रों के व्यापारियों के साथ एक बैठक की। 28 जून को तिनसुकिया मंडल के न्यू तिनसुकिया और तलप के व्यापारियों के साथ बलास्ट और रेत लोडिंग की संभावना का विश्लेषण करने के लिए भी एक बैठक हुई थी।

No: HSFW/HSFW/UIP/e-Tender/70/2023/1016

E-TENDER FOR PROCUREMENT OF VARIOUS LOGISTIC ITEMS FOR UNIVERSAL IMMUNIZATION PROGRAMME

e-Tender in Two Bid System i.e. Technical Bid & Price Bid (BOQ to be uploaded) affixing court fee stamp of Rs.8.25/-(for bidders within Assam) or IPO of Rs.10/- (for bidders outside Assam) are invited from manufacturers or authorized distributors/dealers for entering into rate contract for one financial year for **"SUPPLY OF VARIOUS LOGISTIC ITEMS FOR UNIVERSAL IMMUNIZATION PROGRAMME"**

The complete e-tender documents may be obtained from the website- http: //assamtenders.gov.in. The participating bidders should have valid Digital Signature Certificate (DSC) and have to register in the portal http:/ /assamtenders.gov.in. The tender should be submitted on-line in the portal http://assamtenders.gov.in. on or before 24/07/2023 up to 2:00 PM. Hardcopy of the technical bid document should reach the office of the undersigned on or before 24/07/2023 before 2:00 PM. Hardcopy of Price bid will not be accepted.

The Bidder shall also submit the proof of payment like non-refundable tender fee of Rs. 2,000.00 (Rupees Two Thousand Only) and EMD deposited on-line in the portal http: //assamtenders.gov.in.

Sd/-
Director of Health Services (FW), Assam
Swasthya Bhawan Hengrabari Guwahati-36

-- Janasanyog /C/6864/23

फ्रांस और यूएई की यात्रा पर निकले मोदी ने कहा, दक्षिणी और पश्चिमी दुनिया के बीच पुल बनेगा भारत

पेरिस/अबूधाबी, (हि.स.)। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार 13 जुलाई से शनिवार 15 जुलाई तक फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा पर रहेंगे। इस यात्रा के पहले एक फ्रांसीसी अखबार को दिये साक्षात्कार में मोदी ने कहा कि भारत अब दक्षिणी और पश्चिमी दुनिया के बीच पुल बनकर दुनिया जोड़ने का काम करेगा। भारतीय प्रधानमंत्री 13 एवं 14 जुलाई को फ्रांस में रहेंगे। 14 जुलाई को वे फ्रांस के बैस्टिल डे परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। फ्रांस की दो दिवसीय यात्रा के दौरान वे फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर विचार विमर्श करेंगे। साथ ही वे प्रमुख कम्पनियों के मुख्य अधिशासी अधिकारियों और भारतीय मूल के लोगों के प्रतिनिधियों से भी मिलेंगे। दो दिवसीय दौरे के बाद प्रधानमंत्री मोदी 15 जुलाई को संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर जाएंगे। वे वहां राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से विचार विमर्श करेंगे। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जाहिर की है कि उनकी यह यात्रा दोनों देशों के रिश्तों को मजबूती प्रदान करेगी। फ्रांस और यूएई की यात्रा से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एक फ्रांसीसी अखबार को दिए साक्षात्कार में दक्षिणी और पश्चिमी दुनिया के बीच "पुल" के रूप में भारत की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक दक्षिण के अधिकारों को लंबे समय से नकारा गया है। इसके परिणामस्वरूप इन देशों में पीड़ा की भावना है। प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि भारत अब दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश है और उसे अपना उचित स्थान पुनः प्राप्त करने की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता पर उन्होंने जोर देकर कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र के लिए सिर्फ विश्वसनीयता का मुद्दा नहीं है।

उन्होंने सवाल उठाया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद दुनिया के पक्ष में बोलने का दावा कैसे कर सकती है जब इसका सबसे अधिक आबादी वाला देश और इसका सबसे बड़ा लोकतंत्र इसका स्थायी सदस्य नहीं है? दुनिया को दूसरे विश्व युद्ध के बाद बनी बहुपक्षीय शासन संरचनाओं के बारे में ईमानदारी से चर्चा करने की जरूरत है। संस्थानों के स्थापित होने के लगभग आठ दशक बाद दुनिया बदल गई है। सदस्य देशों की संख्या चार गुना बढ़ गई है। वैश्विक अर्थव्यवस्था का स्वरूप बदल गया है। हम नई तकनीक के युग में रहते हैं। नई शक्तियों का उदय हुआ है जिससे वैश्विक संतुलन के सापेक्ष में बदलाव आया है। हम जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद, अंतरिक्ष सुरक्षा, महामारी सहित नई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हम इन बदलावों से आगे बढ़ सकते हैं।

2047 तक भारत बनेगा विकसित देश - प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अपनी स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ 2047 के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ काम कर रहा है। हम 2047 में भारत को एक विकसित देश बनते देखना चाहते हैं। एक विकसित अर्थव्यवस्था जो अपने सभी लोगों की जरूरतों- शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अवसरों को पूरा करती हो। भारत एक जीवंत और सहभागी संघीय लोकतंत्र बना रहेगा, जिसमें सभी नागरिक अपने अधिकारों के प्रति सुरक्षित होंगे। भारत नवाचार और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता बनेगा। हमारी अर्थव्यवस्था अवसरों का केंद्र, वैश्विक विकास का इंजन और कौशल एवं प्रतिभा का स्रोत होगी। भारत लोकतंत्र की ताकत का सशक्त प्रमाण बनेगा।

दिल्ली में रविवार तक स्कूल और विवि बंद, दफ्तरों में भी 'वर्क फ्राम होम' पर जोर

- जरूरी वस्तुओं के अलावा राजधानी में भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर बीती रात और अधिक बढ़ने से निचले इलाकों में बाढ़ का पानी भर गया है। इसके चलते सड़कों और लोगों के घरों में हालात गंभीर हो गए हैं। सड़कों पर जगह-जगह पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई है। एहतियात के तौर पर राजधानी के सभी शिक्षण संस्थान रविवार तक बंद रहेंगे। सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों में भी बहुत आवश्यक न हो तो वर्क फ्राम होम अपनाने पर जोर दिया गया है। हालात को देखते हुए गुरुवार को दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक हुई। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में बताया कि कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों को रविवार तक बंद कर करने का निर्णय लिया गया है। सभी सरकारी ऑफिस में जरूरी सेवाओं को छोड़कर बाकी कर्मचारियों का वर्क फ्रॉम होम होगा। प्राइवेट संस्थानों से भी अपील की जा रही है कि उनके कर्मचारियों को भी वर्क फ्रॉम होम दिया जाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में वजीराबाद, चन्द्रावल और ओखला वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद कर दिए गए हैं। इससे लोगों को पीने के पानी की दिक्कतें हो सकती हैं। पानी की अब राशनिंग की जाएगी। यमुना नदी के बढ़ते जल स्तर को देखते हुए जरूरी वस्तुओं के अलावा राजधानी में भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक होगी। एहतियात के तौर पर सिंघू बॉर्डर, बदरपुर बॉर्डर, लोनी बॉर्डर और चिल्ला बॉर्डर से माल ढुलाई करने वाले भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड से आने वाली अंतरराज्यीय बसें आईएसबीटी कश्मीरी गेट न जाकर सिंघू बॉर्डर पर ही रुक जाएंगी। आवश्यक सेवाओं जैसे खाद्य पदार्थ और पेट्रोलियम उत्पादों को लाने वाले वाहनों पर कोई प्रतिबंध नहीं है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राहत शिविरों से लोगों को स्कूलों में स्थानांतरित किया जा रहा है ताकि उन्हें टॉयलेट और बाथरूम संबंधित दिक्कतें पेश न आएं। बाढ़ के चलते यमुना बाजार ,आईटीओ, राजघाट, सिविल लाइन, उस्मानाबाद, तिब्बती मार्केट, मजनू का टीला, निगम बोध घाट, आईटीओ, जैतपुर, गीता कॉलोनी, रिंग रोड और कश्मीरी गेट (आईएसबीटी) जलमग्न हो गए हैं। लोहे के पुल पर वाहनों और ट्रेनों की आवाजाही को बंद कर दिया गया है। इसके अलावा यमुना के पुल पर दिल्ली मेट्रो की स्पीड धीमी (30 किमी. प्रति घंटे) करके चलाई जा रही है। यमुना में आज दोपहर 1 बजे जल स्तर 208.62 मीटर था। वर्तमान में जल का स्तर खतरे के स्तर से 3 मीटर ऊपर है। बारिश और हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से लगातार छोड़े जा रहे पानी से यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है। यमुना में बढ़े जलस्तर के कारण यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन में जाने का रास्ता बंद हो चुका है। दिल्ली मेट्रो ने ट्वीट कर कहा है कि वर्तमान में यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन पर जाने-आने का रास्ता नहीं है। कृपया अपनी यात्रा को प्लान करते समय वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि यमुना बैंक स्टेशन पर फिलहाल इंटरचेंज की सुविधा उपलब्ध है। बारिश के चलते दिल्ली में विभिन्न इलाकों में ट्रैफिक जाम का भी संकट पैदा हो गया है। शास्त्री पार्क इलाके में लोगों को घंटों के जाम का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री आज वजीराबाद वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा किया। यह प्लांट बाढ़ के चलते बंद हो गया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने ट्वीट कर लिखा, "यमुना नदी में जलस्तर बढ़ने से आज कई वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद करने पड़े हैं। यमुना किनारे बने वजीराबाद वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का आज मैंने खुद दौरा किया। जैसे ही स्थिति यहां सामान्य होगी, हम इसे जल्द शुरू करेंगे।" दिल्ली के मुख्यमंत्री ने अपील की है कि जिन इलाकों में पानी भर रहा है, वहां पर सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को बंद कर दिया गया है।

ग्वालियर पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, जयविलास पैलेस में लिया सात्विक भोजन का जायका

- केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने राष्ट्रपति को दिखाया जयविलास पैलेस

ग्वालियर, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को विशेष विमान से ग्वालियर पहुंची। यहां वायुसेना विमानतल पर उनका स्वागत हुआ। राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर ग्वालियर में उनका आत्मीय स्वागत किया। विमानतल पर राष्ट्रपति के आगमन पर केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह, सांसद विवेक नारायण शेजवलकर और महापौर शोभा सिकरवार ने भी पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डी श्रीनिवास वर्मा, कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश चंदेल सहित वायुसेना के अधिकारियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की अगवानी की। विमानतल पर जन-प्रतिनिधियों से भेंट के पश्चात राष्ट्रपति ग्वालियर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होने के लिये रवाना हुईं। एयरपोर्ट से राष्ट्रपति सीधे ग्वालियर में केन्द्रीय मंत्री सिंधिया के महल जयविलास पैलेस पहुंचीं। यहां सिंधिया और उनकी पत्नी प्रियदर्शिनी सिंधिया ने उन्हें जयविलास पैलेस और जीवाजीराव सिंधिया म्यूजियम दिखाया। राष्ट्रपति मुर्मू ने जयविलास पैलेस में पहुंचकर पहले गैलरी, संग्रहालय सहित कपड़ा बनाने वाले हथकरघा देखे और यहां काम करने वालों से बात की। साथ ही महल में मौजूद छात्रों व छात्राओं से बात की और उन्हें उपहार दिए। इसके बाद उन्होंने यहां लंच लिया। उन्हें बिना प्याज-लहसुन का भोजन परोसा गया। जयविलास पैलेस में राष्ट्रपति ने लंच में 19 तरह के सात्विक भोजन का जायका लिया। उनके लिए विशेष तौर से सात्विक भोजन तैयार किया गया था। इनमें नेपाली साग से लेकर दालमा, संतुला, जीरा मूंग दाल छिलका, पनीर मखाना, भुट्टा कीस आदि तैयार किए गए थे। इस दौरान उनके साथ राज्यपाल मंगू भाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, सांसद विवेक शेजवलकर, गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, तुलसी सिलावट, प्रद्युम्न सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोपहर 2.40 बजे गोले का मंदिर मुरैना लिंक रोड स्थित अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान (ट्रिपल आईटीएम) पहुंचेंगी। यहां वे स्लम एरियाज (मलिन बस्तियों) के 10 बच्चों को ट्रिपल आईटीएम के स्टूडेंट ज्ञान मूवमेंट के तहत पुस्तकें भेंट करेंगी। यहां वे बॉयज हॉस्टल की आधारशिला रखेंगी। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रिपल आईटीएम के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगी।

राज्यसभा चुनावः भाजपा उम्मीदवार अनंत महाराज ने दाखिल किया नामांकन

कोलकाता, (हि.स.)। राज्यसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार अनंत महाराज ने गुरुवार को विधानसभा सचिवालय पहुंचकर अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी, केंद्रीय राज्यमंत्री निशिथ प्रमाणिक और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार समेत कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। सचिवालय सूत्रों ने बताया कि अनंत महाराज ने आज नामांकन दाखिल किया, जो स्वीकार कर लिया गया है। नामांकन का आज आखिरी दिन था। पश्चिम बंगाल में राज्यसभा की छह सीटों के लिए 24 जुलाई को होने वाले चुनाव में भाजपा ने बुधवार को अनंत महाराज को उम्मीदवार बनाने की घोषणा की थी। इसके पहले मंगलवार को निशिथ प्रमाणिक ने महाराज के घर जाकर मुलाकात की थी। प्रमाणिक ने बताया था कि महाराज को राज्यसभा उम्मीदवार बनने का ऑफर दिया गया है, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। वर्ष 1952 के बाद ऐसा पहली बार है जब पश्चिम बंगाल से भाजपा अपने दम पर राज्य से किसी को राज्यसभा में भेजेगी। इस समय भाजपा के 70 विधायक हैं और राज्यसभा के एक सदस्य को चुनाव जीतने के लिए कम से कम 49 विधायकों के समर्थन की जरूरत होगी। तृणमूल कांग्रेस ने पहले ही राज्यसभा के लिए अपने छह उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है, जिन्होंने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है।

पारंपरिक चिकित्सा पर 20 जुलाई को भारत और आसियान देशों के बीच होगा मंथन

नई दिल्ली, (हि.स.)। पारंपरिक चिकित्सा पर 20 जुलाई को भारत और आसियान देशों के बीच नई दिल्ली के विज्ञान भवन में मंथन होगा। विदेश मंत्रालय और आसियान सचिवालय के सहयोग से आयुष मंत्रालय पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर सम्मेलन का आयोजन करेगा। दक्षिण-पूर्वी देशों के संगठन (आसियान) के सदस्य देशों में इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, वियतनाम और कंबोडिया समेत 10 देश शामिल हैं। भारत आसियान रीजनल फोरम का सदस्य है। केंद्रीय आयुष मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने गुरुवार को मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता में कहा कि भारत और आसियान सदस्य देशों के बीच बहुआयामी संबंध साझा भौगोलिक, ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों की मजबूत नींव पर खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवंबर 2014 में म्यांमार में 12वें आसियान भारत शिखर सम्मेलन में 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' की घोषणा की, जिससे रणनीतिक साझेदारी को एक नई गति मिली। लगभग एक दशक के बाद पारंपरिक चिकित्सा पर आयोजित होने वाला भारत-आसियान सम्मेलन, आसियान के साथ भारत के सहयोग को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद से पिछले 9 वर्षों में आयुष क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत तत्कालीन आयुष विभाग को आयुष मंत्रालय का स्वरूप दिया। गठन के बाद आयुष मंत्रालय ने यूके, अमेरिका, जापान, ब्राजील, जर्मनी आदि के कई शीर्ष श्रेणी के अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ-साथ सीएसआईआर, डीएसटी, डीबीटी, आईआईटी जैसी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संस्थाओं के पारस्परिक सहयोग से मधुमेह , कैंसर, मानसिक स्वास्थ्य, कोविड सहित विभिन्न संचारी और गैर-संचारी रोग स्थितियों में आयुष प्रणालियों के तहत उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान के नये आयाम स्थापित किये। केंद्रीय मंत्री के मुताबिक यह सम्मेलन आसियान देशों के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित विभिन्न परियोजनाओं के अनुसंधान परिणामों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। इसी तरह आसियान के सदस्य देश भी अपने अनुभव साझा करेंगे। यह सम्मेलन पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए आसियान सदस्य देशों के नियामक ढांचे में हाल के विकास को साझा करने के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा। इस एक दिवसीय सम्मेलन में 75 प्रतिभागी हैं। इंडोनेशिया, फिलिपींस, मलेशिया, ब्रूनेई, थाईलैंड, म्यांमार और वियतनाम प्रतिनिधि प्रत्यक्ष और कंबोडिया एवं सिंगापुर के प्रतिनिधि वर्चुअल रूप से सम्मेलन में शामिल होंगे।

भाजपा नेता का ट्वीट- ट्रैफिक पुलिस के वसूली करते आ रहे सपने

मुंबई, (हि.स.)। पालघर जिले की बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए अब तक कई प्रयास किए जा चुके हैं, लेकिन एक लंबे अर्से से बेपटरी चल रही व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि सफेद वदीर्धारी वसूली अभियान में मदमस्त है। ट्रैफिक पुलिस की वसूली से आहत भाजपा नेता संतोष जनाठे के ट्वीट हड़कंप मच गया है। जनाठे ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को ट्वीट कर दावा किया कि ट्रैफिक पुलिस जिलेभर के सभी नाकों पर वसूली कर रही है और उन्हें ट्रैफिक पुलिस के इस कारनामों के सपने आ रहे है। जनाठे के ट्वीट ने शिंदे फडनवीस सरकार के भ्रष्ट्राचार खिलाफ उठाए जाने वाले कदमों के दावों की पोल खोल कर रख दी है। जनाठे के ट्वीट को लेकर चचाओं का बाजार गर्म है। लोगों का कहना है कि भाजपा नेता की पीड़ा बताने के लिए काफी है कि आम लोगों के हाल क्या है? संतोष जनाठे ने कहा की जिलेभर में सभी प्रमुख नाकों पर ट्रैफिक पुलिस जमकर लोगों से वसूली कर रही है। भ्रष्ट्राचार में लिप्त पुलिसकर्मियों पर कार्यवाही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनसंवाद अभियान चलाकर जनता और पुलिस के बीच दूरियां कम करने के प्रयास किए जा रहे है। ऐसे में ट्रैफिक पुलिस के भ्रष्ट्राचार में लिप्त पुलिस कर्मी जनता और पुलिस के बीच खाई खोदने के काम में लगे है। चालान की आड़ में कई बार ट्रैफिक कर्मियों पर अवैध वसूली के आरोप लगते रहे हैं। यही कारण है कि सामान्य व्यक्ति नियमों का पालन करने की ओर ज्यादा ध्यान नहीं देते।

दिल्ली में एनडीआरएफ की 12 टीमें तैनात, बाढ़ में फंसे 2500 लोगों को सुरक्षित निकाला

अजय कुमार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के डीआईजी मोहसिन शाहिदी ने गुरुवार को कहा कि एनडीआरएफ की टीमें बाढ़ प्रभावित राज्यों में राहत व बचाव कार्यों में जुटी हैं। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि दिल्ली में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए राज्य में 12 एनडीआरएफ की टीम तैनात की गई हैं। शाहिदी ने कहा कि दिल्ली में बीती रात से ही राहत व बचाव कार्य जारी है। एनडीआरएफ अभी तक 2,500 लोगों को अलग-अलग इलाकों से सुरक्षित निकाल चुकी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति के देखते हुए हिमाचल प्रदेश में 11 टीम तैनात की गई हैं जबकि बारिश होने की संभावना को देखते हुए हरिद्वार में 4 टीमों को तैनात किया गया है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। इस कारण दिल्ली के तटीय इलाकों में जलभराव हो गया है।

उत्तराखंड कांग्रेस नेताओं के साथ खड़गे ने की बैठक

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को उत्तराखंड कांग्रेस के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। यह बैठक कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष के साथ-साथ पार्टी नेता राहुल गांधी और वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहे। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टी अभी से मंथन में जुट गई है। इसलिए कांग्रेस आलाकमान उत्तराखंड में कांग्रेस नेताओं को एकजुट करने की कोशिश में है। उल्लेखनीय है कि इस बैठक में उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण महारा, प्रीतम सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत सहित राज्य के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। कांग्रेस आलाकमान बीते दिनों महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों के कांग्रेस नेताओं के साथ पार्टी मुख्यालय में बैठक कर चुकी है।

रास्ता खुलते ही 9 हजार से अधिक तीर्थयात्री पहुंचे अमरनाथ, किए दर्शन

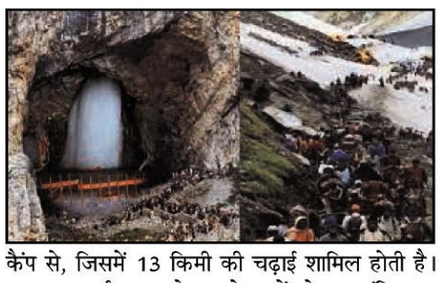

श्रीनगर (ईएमएस)। पवित्र गुफा की ओर जाने वाला रास्ता खुलते ही अमरनाथ यात्रा आगे बढ़ी। जानकारी के अनुसार अमरनाथ यात्रा के 12वें दिन 9,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में पहुंचकर पवित्र शिव लिंग के दर्शन किए, जबकि 9,241 भक्तों का एक और जत्था गुरुवार को जम्मू से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। तीर्थयात्रियों का नया जत्था 306 वाहनों के काफिले में गुरुवार सुबह भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा, ह्व9,241 तीर्थयात्रियों में से 3,206 बालटाल आधार शिविर जा रहे हैं, जबकि 6,035 पहलगाम बेस कैंप की ओर जा रहे हैं। गौरतलब है कि इस साल की अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई को शुरू होने के बाद से अब तक 19 तीर्थयात्रियों की प्राकृतिक कारणों से मौत हो चुकी है। यात्री हिमालय गुफा मंदिर तक या तो पारंपरिक पहलगाम मार्ग से पहुंचते हैं, जिसमें 43 किमी की चढ़ाई शामिल होती है या उत्तरी कश्मीर बालटाल बेस कैंप से, जिसमें 13 किमी की चढ़ाई शामिल होती है। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में तीन से चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग लेने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर दर्शन करने के बाद उसी दिन आधार शिविर में लौट आते हैं। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं। 62 दिनों तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा 31 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा उत्सव के साथ समाप्त होगी।

साइबर सुरक्षा हमारा साझा लक्ष्य : अमित शाह

गुरुग्राम, (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए दुनिया को एक मंच पर आना जरूरी है। यह हमारा साझा लक्ष्य होना चाहिए। हमें मिलकर डिजिटल दुनिया को सुरक्षित करना है। केंद्रीय गृहमंत्री शाह गुरुवार को हरियाणा के गुरुग्राम में 'एनएफटी, एआई और मेटावर्स के युग में अपराध एवं सुरक्षा' पहलुओं पर आयोजित जी-20 सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम नई तकनीक को तेजी से अपना रहे हैं। आज 840 मिलियन भारतीय इंटरनेट पर हैं। ऐसे में हमें सतर्क रहना होगा। हम डिजिटल लेनदेने में भी आगे हैं। ऐस में हमें डिजिटल दुनिया को हरहाल में सुरक्षित करना होगा। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत जमीनी स्तर पर उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने में सबसे आगे रहा है। हमारा लक्ष्य आधुनिक प्रौद्योगिकी को समाज के सभी वर्गों के लिए अधिक सुलभ और किफायती बनाना है। आज 840 मिलियन भारतीयों की ऑनलाइन उपस्थिति है और 2025 तक अन्य 400 मिलियन भारतीय डिजिटल दुनिया में प्रवेश करेंगे। नौ साल में इंटरनेट कनेक्शन 250 फीसदी बढ़ गए हैं। प्रति जीबी डेटा की कीमत 96 फीसदी कम कर दी गई है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत हमने 500 मिलियन नए बैंक खाते खोले हैं और 330 मिलियन रुपये डेबिट कार्ड वितरित किए गए हैं। भारत 90 मिलियन लेनदेन के साथ वैश्विक डिजिटल भुगतान में अग्रणी है।

300 मिलियन रुपये की राशि सीधे बैंक खातों में स्थानांतरित की गई। डिजिलॉकर लगभग 6 बिलियन दस्तावेज संग्रहित करता है। ऐसे में हमें डिजिटल दुनिया को पूर्ण सुरक्षित करना होगा। साइबर सुरक्षा को लेकर दुनिया में एक जैसे कानून बनने चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी देश या संगठन अकेले साइबर खतरों से नहीं लड़ सकता, बल्कि इससे निपटने के लिए एक संयुक्त मोर्चे की आवश्यकता है। हमारे भविष्य ने हमें "संवेदनशीलता के साथ प्रौद्योगिकी का उपयोग करने" और "सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने" की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रहने का अवसर दिया है। हालांकि, यह कार्य अकेले सरकार द्वारा नहीं संभाला जा सकता है। हमारा लक्ष्य साइबर सक्सेस वर्ल्ड बनाना है न कि साइबर फेलियर वर्ल्ड। साथ मिलकर, हम सभी के लिए 'सुरक्षित और समृद्ध डिजिटल भविष्य' सुनिश्चित करते हुए इन प्रौद्योगिकियों की क्षमता का उपयोग कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम के दौरान शाह ने देश के सात प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साइबर वालंटियर स्क्वाड को हरी झंडी दिखाई। यह स्क्वाड लोगों को साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूक करेगा। कार्यक्रम के दौरान शाह ने साइबर सुरक्षा पर आयोजित प्रदर्शनी का भी विमोचन किया।

कांवड़िए रात्रि में सड़क पर नहीं, सुरक्षित विश्राम शिविरों में सोएं

- जिलाधिकरी गौरांग राठी ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर कावड़ यात्रा का लिया जायजा
- यात्रा के दौरान जख्मी कांवड़िए की मरहम-पट्टी कराने का दिया निर्देश

भदोही, (हि.स.)। सावन में कांवड़ यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार और जिला प्रशासन बेहद सतर्क एवं संवेदनशील है। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक कांवड़ यात्रा की बराबर निगरानी कर रहे हैं। जिलाधिकारी गुरुवार को कांवरियों से मिलकर भोजन और विश्राम की व्यवस्था के लिए निर्देश दिया। भदोही जिला अधिकारी गौरांग राठी गुरुवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित गोपीगंज नगर पहुंच कर प्रयाग से काशी बाबा विश्वनाथ को जा रहे कांवरियों से बातचीत किया और उनकी समस्याओं के बारे में अवगत हुए। राष्ट्रीय राजमार्ग को प्रयागराज से वाराणसी तक कांवड़ यात्रा को देखते हुए वन-वे कर दिया गया है। उत्तरी लेन को कावड़ियों के लिए पूरी तरह सुरक्षित कर दिया गया है। कांवरिया प्रयाग से जल भरकर काशी विश्वनाथ जा रहे हैं। पूरा राष्ट्रीय मार्ग शिवमय में हो गया है। जब मौसम ठंडा होता है तो शाम को कावड़ यात्रा का नजारा देखते ही बनता है। शिव भक्ति की मस्ती में कांवरिया बम भोले और हर-हर महादेव का जयघोष करते जलाभिषेक के लिए काशी की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने कांवरियों से यात्रा के दौरान होने वाली दिक्कतों के बारे में पूछा। इस दौरान एक कांवरियों के पैर में अधिक जख्म होने पर उन्होंने संबंधित पुलिसकर्मी को मरहम पट्टी कराने का निर्देश दिया। क्योंकि कांवरिया के पैर जख्म हो गया था। राष्ट्रीय राजमार्ग पर कावड़ यात्रा को सुरक्षित और सफल बनाने के लिए गए पुलिसकर्मियों को उन्होंने निर्देशित किया है कि कांवड़ यात्रा में चल रहा कोई भी कांवरिया खुले मार्ग पर ना सोए। जिलाधिकारी राठी ने पुलिस कर्मियों से कहा कि कांवरियों के लिए जगह-जगह विश्राम स्थल बनाए गए हैं। उन्हें विश्राम के लिए शिविर में ले जाया जाए। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ढाबों में और कांवरिया शिविर में भोजन, नाश्ते की सुविधाओं का भी उन्होंने जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ियों को कोई दिक्कत ना होने पाए। कांवरियों के विश्राम भोजन और स्वास्थ्य सुविधाओं ख्याल रखा जाए।

मुख्यमंत्री योगी ने तीन विभागों के 510 अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र

-समीक्षा, सहायक समीक्षा अधिकारी 199, परिवहन के 183 और निर्वाचन के 128 कनिष्ठ सहायकों का हुआ चयन

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को यहां लोकभवन में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से चयनित 199 समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी (सचिवालय प्रशासन विभाग), परिवहन विभाग के 183 कनिष्ठ सहायक, निर्वाचन विभाग में 128 कनिष्ठ सहायक, कुल मिलाकर 510 नव चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुझे खुशी हो रही है कि आज नियुक्ति पाने वालों में गोण्डा, बिजनौर, अयोध्या और अंबेडकरनगर के हैं। पहले यह संभवन नहीं था। कुछ जिलों के लोग ही चयनित होते थे। पिछले छह साल में लगभग छह लाख सरकारी नौकरी दी गयी है। पिछले डेढ़ वर्ष की बात करें तो 16 नियुक्ति वितरण कार्यक्रम आयोजित किये गए। 54 हजार से अधिक सरकारी नौकरी देने में हम सफल हुए हैं। यह इस बात को साबित करता है कि जहां चाह वहां राह।

पंचायत चुनाव में हिंसा को लेकर ममता सरकार पर हमला - मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव आपने देखा है। जिस दिन मतदान था, उस दिन तो हिंसा के चलते लोगों की मौत हुई ही, मतगणना के दौरान भी लोग मारे गये। पंचायत चुनाव से लेकर निकाय के चुनाव हुए। लोक सभा चुनाव हुए। कोई हिंसा नहीं हुई। कोई उपद्रव नहीं। बूथ कैप्चरिंग की कोई गुंजाइश नहीं। वे लोग लोकतंत्र की बात करते हैं। सबसे अधिक लोकतंत्र का गला वे लोग ही घोंटते हैं जो लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए हल्ला करते हैं।

मुख्यमंत्री योगी की युवाओं को सीख - योगी ने चयनित युवाओं से कहा कि कुछ कर गुजरने की तमन्ना होनी चाहिए। प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि सामने आई चुनौतियों से घबरा जाने वाले कुछ नहीं कर सकते। उसका डटकर सामना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो व्यवहार हमें अच्छा नहीं लगता उसे किसी और के साथ नहीं करना चाहिए। शासन ने निर्णय लिया है कि किसी भी टेबल पर तीन दिन से अधिक कोई फाइल नहीं रुकनी चाहिए। मैं दौरों पर रहने के बावजूद वापस आते ही फाइलों का निपटारा करते हैं। कोई भी फाइल पेंडिंग नहीं रखता। अगर ऐसा नहीं करता तो उप्र की स्थिति इस प्रकार बदल पाने में सफल नहीं हो पाता। संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने नवचयनित युवाओं से कहा कि कल तक आप लोग सरकारी दफ्तरों में जाने पर कर्मचारियों, अधिकारियों से जो व्यवहार करते थे, अब आप से भी वही अपेक्षा होगी। दूसरी अपेक्षा लोग करते हैं कि उनका कार्य बिना लाग-लपेट के हो जाए। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद से आप सामान्य नागरिक नहीं रह गए। आप पर भी जिम्मेदारी है। उसे बेहतरी के साथ निभाईए। आपकी पारदर्शी तरीके से भर्ती हुई है। आज हर कोई चाहता है कि उसके प्रदेश का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हों। परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि पहले नौकरियों में लूट होती थी। आज योग्य युवाओं के घर नौकरी चल कर जाती है। पूरी पारदर्शिता के भर्ती प्रक्रिया अपनाई गयी है। यह सरकारी नौकरी की बात है, परिवहन विभाग में संविदा कर्मियों की भर्ती में भी इसी प्रकार की पारदर्शी व्यवस्था अपनाई गयी है। संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक डॉ. देवेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव एल वेंकटेश्वर लू समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

युवाओं मुख्यमंत्री ने दिया नियुक्ति पत्र - दिव्या, रश्मि वर्मा, आशीष, अपर्णा मौर्या, अमित कुमार तिवारी, सचिवालय प्रशासन विभाग हनुमंत प्रसाद सिंह, वंदना वर्मा, दीप्ति यादव, शैलेन्द्र कुमार रावत जैसे अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से मंच पर नियुक्ति पत्र दिया।

चयनित अभ्यर्थियों ने साझा किये अपने अनुभव - सहायक समीक्षा अधिकारी हनुमंत प्रसाद ने कहा कि मैं पढ़ाई में अच्छा था। कई परीक्षाओं में साक्षात्कार तक गया, लेकिन चयन नहीं हो पाया। थक हार कर खेती करने लगा। योगी सरकार आई तो मेरे चाचा ने मुझे प्रोत्साहित किया। मैं पुनः तैयारी शुरू की। धीरे-धीरे परीक्षाओं में पास होने लगा। इस सरकार में मैंने चार परीक्षाएं पास की है। यह पारदर्शी प्रक्रिया की वजह से संभव हो पाया। इनके अलावा दीप्ति यादव, अपर्णा मौर्या, अमित कुमार तिवारी समेत अन्य चयनित अभ्यर्थियों ने अपने अनुभव साझा किया।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को ठहराने व भोजन व्यवस्था करने के आदेश

बिजनौर, (हि.सं.) जिलाधिकारी उमेश मिश्रा द्वारा आज बाढ़ प्रभावित क्षेत्र ग्राम रावली का दौरा कर स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मुआयने के दौरान गांव में रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान बाढ़ में फंसे वन गुर्जरों के प्रवासी परिवारों को स्कूल में अस्थायी रूप से विस्थपित करने के निर्देश दिए और ग्राम रावली के नीचे क्षेत्र में आए पानी के कारण वहां बसे परिवारों को सुरक्षा के दृष्टिगत घरों से निकाल कर स्कूल आदि स्थान में शिफ्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने उप जिलाधिकारी को यह भी निर्देश दिए कि जहां लोग बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में फंसे हुए हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित तौर पर निकालें और उनके लिए अस्थायी प्रवास के साथ-साथ खाने-पीने सहित सभी आवश्यकताओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी द्वारा ग्राम के स्थलीय निरीक्षण के दौरान कण्व ऋषि आश्रम पर बनाए गए बंधे और गोशाला में रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान बाढ़ में फंसे वन गुर्जरों के परिवारों का खुले में प्रवास करते हुए पाए जाने पर उन्होंने नायब तहसीलदार को निर्देश दिए कि तत्काल उनके प्रवास की स्कूल में समुचित व्यवस्था करते उनके लिए भोजन आदि सभी जरूरी आवश्यताओं को भी पूरा करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि पानी कम होने पर उनको उनके स्थान पर सुरक्षित रूप से पहुंचाने की भी समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने ग्राम प्रधान को निर्देश दिए कि गांव के जिन क्षेत्रों में पानी भरा है वहां के लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाएं ताकि उनको किसी भी प्रकार के संकट से मुक्त रखा जा सके।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि गांव में पानी बढ़ने की स्थिति उत्पन्न होती है तो तत्काल जिला प्रशासन को उसकी सूचना भी उपलब्ध कराएं ताकि आवश्यक सुरक्षा के प्रयास सुनिश्चित किए जा सकें। उन्होंने गांव के किनारे पर गंगा एवं मालन नदी के पानी के बहाव को ग्राम रावली में प्रवेश करने से सुरक्षित रखने के लिए बनाए गए बांधों का भी निरीक्षण किया, जो मजबूत और सही अवस्था में पाए। उन्होंने मौके पर मौजूद परियोजना निदेशक ज्ञानेश्वर तिवारी को निर्देशित किया कि गांव से पानी के निकासी के लिए बंधे पर बनाई पुलिया का चौड़ीकरण कराएं या उसके बराबर ही सीमेंटेड पाइप डालने की व्यवस्था करें। उन्होंने ग्राम रावली को बाढ़ से पूर्णतया सरक्षित रखने के लिए यह भी निर्देश दिए कि बंधे से एक किमी दूर जहां से मालन का पानी घूमता हुआ गांव को प्रभावित करता है, एक बांध का निर्माण कराएं और कार्य उसी व्यक्ति/ठेकेदार से कराया जाए, जिसके द्वारा गंगा और मालन नदी के पानी को रोकने के लिए बंधों का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि उक्त बंधों के कारण ही गांव बाढ़ से पूरी तरह सुरक्षित रहा है। उन्होंने वापसी पर गंगा बैराज पुल पर पानी के स्तर के मुआयना करते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारियों को पूरी सजगता और सर्तकता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए।

लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा को भाकपा माले ने निकाला पैदल मार्च, उठाए मुद्दे

- किसानों, मजदूरों एवं महिलाओं के सभी कर्ज हों माफ, मांगा मनरेगा मजदूरी

मीरजापुर, (हि.स.)। लोकतांत्रिक अधिकारों की हिफाजत, महंगाई एवं आमजन के ज्वलंत मुद्दों को लेकर भाकपा माले एवं अखिल भारतीय खेत मजदूर सभा के कार्यकताओं ने गुरुवार को जमालपुर बाजार से ब्लाक मुख्यालय तक पैदल मार्च निकाला और उप जिलाधिकारी चुनार नवनीत सेहरा के माध्यम से राष्ट्रपति को 17 सूत्रीय मांग पत्र भेजा। पत्रक के माध्यम से बियार, गोंड, खरवार जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल कर जाति प्रमाण पत्र जारी करने, बकाया मनरेगा मजदूरी भुगतान, डीजल-खाद व कीटनाशक दवाओं का दाम आधा किए जाने, 200 यूनिट बिजली फ्री एवं बकाया बिजली बिल माफ किए जाने, सरकारी राशन की दुकान से पांच किलो राशन के स्थान पर 15 किलो राशन दिए जाने, मनरेगा मजदूरों को 200 दिन काम दिए जाने एवं छह सौ रुपये प्रतिदिन मजदूरी दिए जाने, राशन कार्ड यूनिट ठीक कराने, किसानों, मजदूरों एवं महिलाओं के सभी कर्ज माफ किए जाने, जमालपुर थाना मोड़ से मदरा पानी टंकी तक ध्वस्त सड़क ठीक कराने ईत्यादि की मांग की गई।

पौधरोपण के लिए सम्पूर्ण व्यवस्था करने के निर्देश, लगेंगे कई करोड़ पौधे

बहराइच, (हि.स.)। वर्षा ऋतु में जनपद के लिए निर्धारित किये गये लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत पौधरोपण के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को बैठक हुई। जिला पर्यावरण समिति की बैठक में जिलाधिकारी मोनिका रानी ने निर्देश दिया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुसार पौधरोपण के लिए उपयुक्त स्थल का चयन कर लें। साथ ही वर्षा ऋतु से पूर्व ही गड्ढों की खुदाई, पौधों की उपलब्धता तथा सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु रोपित गये पौधों की सुरक्षा इत्यादि के सम्बन्ध में प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर विभागीय लक्ष्य के अनुसार शत प्रतिशत पौध रोपण की कार्यवाही सुनिश्चित करायें। बैठक का संचालन करते हुए प्रभागीय वनाधिकारी बहराइच संजय शर्मा ने बताया कि वर्ष 2023-24 में 22 जुलाई 2023 को पूरे प्रदेश में 30 करोड़ तथा 15 अगस्त को 05 करोड़ पौध रोपित किये जाएंगे। जनपद के लिए 80 लाख पौध रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसके अन्तर्गत 22 जुलाई को 67 लाख 37 हजार 270 तथा 15 अगस्त को 12 लाख 64 हजार 38 पौधों का रोपण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 22 जुलाई को वन विभाग बहराइच द्वारा 2168259 व कतर्नियाघाट द्वारा 771785 तथा 15 अगस्त को क्रमशः 400901 व 142753 इस प्रकार वन विभाग कुल 3483698 पौध रोपित किये जाएंगे। जबकि अन्य 25 लक्षित विभागों द्वारा 22 जुलाई 2023 को 37 लाख 97 हजार 226 तथा 15 अगस्त को 07 लाख 384 कुल 4517610 पौधों का रोपण किया जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि 22 जुलाई व 15 अगस्त 2023 को वनउत्सव के रूप में साज, सज्जा, रंगोली इत्यादि बनाकर जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर विभाग के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार शत प्रतिशत पौधरोपण कराया जाय। कराये गये वृक्षारोपण का 23 जुलाई को नामित किये गये नोडल अधिकारियों से सत्यापन कराया जायेगा। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित करें कि कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं के घरों पर शहजन का पौधा अवश्य लगाया जाय। वृक्षारोपण का जिओ टैग फोटोग्राफ भी उपलब्ध कराया जाय। सभी विभाग प्रतिदिन वृक्षारोपण का विवरण प्रभागीय वनाधिकारी को अवश्य उपलब्ध कराये। प्रत्येक विकास खण्ड में ग्राम वन के लिए 10-10 ग्राम पंचायतों को चयनित कर लिया जाय। प्रत्येक ग्राम वन में कम से कम एक हजार पौधे रोपित किये जाय। जिलाधिकारी ने बैठक में वर्चुअली प्रतिभाग कर रहे खण्ड विकास अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि जनपद के गौआश्रय स्थलों में संरक्षित गौवंशों के हरे चारे के लिए चरागाहों में नेपियर घास की बुआई भी करा दी जाय।

रांची में स्कूली बच्चों ने पौधरोपण का लिया संकल्प

रांची, (हि.स.)। कांके रोड स्थित बिरसा उच्च विद्यालय में गुरुवार को मिशन लाइफ के तहत पर्यावरण और ऊर्जा संरक्षण पर सेमिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक संस्था विवेकानंद यूथक्वेक फाउंडेशन और रिलेशंस के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों के बीच रांची नगर निगम ने 200 पौधों का वितरण किया। साथ ही विद्यार्थियों को पौधरोपण करने और उनकी देखभाल करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि मिशन लाइफ के तहत पर्यावरण संरक्षण और उर्जा संरक्षण करना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। हम सभी को पर्यावरण और प्रकृति की रक्षा के लिए आगे आना होगा। तभी हम एक जिम्मेदार नागरिक बनकर देश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। कार्यक्रम में रांची

विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. डॉ राजेश कुमार, संपत्ति देवी, स्कूल के प्राचार्या डॉ सुषमा तिवारी, श्याम देव प्रसाद सिंह, सुभाष मिश्रा, अमलेंदु गोराई, मालती कच्छप, सुजीता कुमारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

रांची उपायुक्त ने सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना जागरुकता रथ को किया रवाना

रांची, (हि. स.)। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने गुरुवार को समाहरणालय परिसर से सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरुकता रथ के माध्यम से जिले के सभी प्रखंडों में बाल विवाह, दहेज प्रथा को समाप्त करने और किशोरियों, बालिकाओं के उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के प्रति लोगों को जागरूक किया जायेगा। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि यह योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। इसके तहत कक्षा आठवीं, नौवीं, दसवीं, ग्यारहवीं एवं बारहवीं में पढ़ने वाली किशोरियों एवं 18 से 19 वर्ष की किशोरियों को योजना के तहत लाभ प्रदान किया जाता है।

उन्होंने बताया कि जिले में प्राप्त आवेदनों का निष्पादन कर किशोरियों को लाभ प्रदान किया जा रहा है। शेष बचे किशोरियों को लाभान्वित करने के लिए विद्यालय स्तर पर आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। उपायुक्त ने बताया कि जिले में 55 हजार से अधिक किशोरियों को योजनाओं से जोड़कर लाभ प्रदान करना लक्ष्य है। साथ ही 18 से 19 वर्ष की ऐसी किशोरियां जो स्कूल से ड्रॉपआउट हो चुकी हैं उनको चिन्हित कर आवेदन लिए जा रहे हैं। उपायुक्त ने कहा कि जागरुकता रथ के जरिये पंचायतों में भ्रमण कर योजना के तहत मिलने वाले लाभ, योजना की पात्रता एवं आवेदन करने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी साझा कर लोगों को जागरूक किया जायेगा। उपायुक्त ने बताया कि सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत अच्छी शिक्षा के लिए झारखंड की बेटियों को 40 हजार रुपये की सहायता राशि मिलेगी।

पुलिस मुख्यालय ने पदक के लिए मांगा पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों का ब्यौरा

रांची, (हि. स.)। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने राष्ट्रपति पुलिस पदक और पुलिस पदक प्रदान करने के लिए प्रस्तावित आईपीएस ऋषभ झा सहित 23 पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों का पूरा ब्योरा मांगा है। इनमें आईपीएस ऋषभ कुमार झा, एएसपी अनुराग राज, डीएसपी दीपक कुमार पांडे,डीएसपी दीपक कुमार,इंस्पेक्टर अनिल उरांव, अभिनव कुमार, गौतम कुमार, धीरज कुमार मिश्रा, सब इंस्पेक्टर विक्रांत कुमार, एएसआई संजय कुमार, सच्चिदानंद सिंह, आरक्षी रूपनारायण महतो, याकूब सुरीन, अशोक कुमार, सुभाष दास,रविंद्र टोप्पो,अनिल उरांव,बाबूराम बास्की सहित अन्य शामिल हैं। बुधवार को आईजी मानवाधिकार की ओर से रांची एसएसपी और गुमला, लोहरदगा, हजारीबाग, खूंटी और रेल एसपी को पत्र लिख कर इस संबंध में जानकारी मांगी गई है।

बिहार में लागू है अघोषित आपातकाल, मौलिक अधिकार का हो रहा है हनन : डॉ. सुरेश राय

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार की राजधानी पटना में आंदोलन करने वालों पर लाठी बरसाने तथा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के.के. पाठक द्वारा लगातार जारी किए जा रहे दिशा-निर्देशों से शिक्षक ही नहीं, हर किसी में आक्रोश है। माध्यमिक शिक्षक संघ के बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश प्रसाद राय ने कहा है कि अध्यापक नियुक्ति नियमावली-2023 के विरुद्ध बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के नेतृत्व में एक भी से 11 जुलाई तक अहिंसक तरीके से आंदोलन चलते आ रहा है। जिसको कुचलने का प्रयास बिहार सरकार के इशारे पर हो रहा है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने अपने पत्रांक-185, दिनांक-12 जुलाई के द्वारा शिक्षकों एवं पुस्तकालयाध्यक्षों को डराने, धमकाने एवं दंडात्मक कार्रवाई करने का काम किया जा रहा है। देश में लोकतांत्रिक तरीके से सबको आंदोलन करने का अधिकार है। ऐसे में बिहार सरकार के इशारे पर शिक्षा विभाग अलोकतांत्रिक प्रक्रिया अपना रही है, जो कि पूरी तरह से निंदनीय है। उन्होंने कहा है कि लगता है बिहार में अघोषित आपातकाल की स्थिति है। सूबे के लाखों शिक्षकों एवं पुस्तकालयाध्यक्षों ने आकस्मिक अवकाश लेकर 11 जुलाई को धरना में शामिल हुए थे। यह उनका संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार है। धरना कार्यक्रम जिला प्रशासन के लिखित आदेश के बाद हुआ था। आज विपक्ष के विधायकों एवं भाजपा कार्यकताओं के द्वारा विधानसभा मार्च किया गया था। लेकिन, बिहार सरकार ने भाजपा के सांसद, विधायकों एवं कार्यकताओं पर बर्बरतापूर्ण तरीके से लाठी चार्ज करा दिया। जिसमें कई भाजपा कार्यकर्ता एवं विधायक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिसकी हम घोर निन्दा करते हैं। पुलिस के बर्बरता पूर्ण कार्यवाही से जहानाबाद के एक भाजपा कार्यकर्ता विजय कुमार सिंह की मौत हो गई है जो अत्यंत पीड़ादायक है। बिहार सरकार सरकार दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई करे और मृतक के आश्रितों को मुआवजा और नौकरी की घोषणा करे। सरकार सदन के अंदर घोषणा करे कि हम सभी शिक्षकों एवं पुस्तकालयाध्यक्षों को राज्य कर्मी का दर्जा एवं तदनुसार पुरानी पेंशन योजना लागू करेंगे। जिला माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष उमानंद चौधरी, सचिव रंजीत कुमार एवं राज्य कार्य समिति सदस्य डॉ. सुदर्शन कुमार ने कहा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव द्वारा शिक्षकों एवं कर्मचारियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। सरकार अपने तानाशाही प्रवृत्ति से बाज आए, नहीं तो बिहार में 1974 जैसा आंदोलन होगा, जिसकी सारी जवाबदेही महागठबंधन सरकार की होगी।

विधानसभा का घेराव करने गए भागलपुर के कई भाजपा कार्यकर्ता हुए चोटिल

भागलपुर, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा बिहार सरकार के विरोध में गुरुवार को विधानसभा का घेराव करने गए भागलपुर के निवर्तमान प्रत्याशी सह पूर्व जिलाध्यक्ष रोहित पांडेय, लोकसभा संयोजक शरद शलारपुरिया, प्रीति शेखर, अभय बर्मन, तिलकमांझी नगर मंडल अध्यक्ष प्रतीक आनंद, प्यारे हिंद, आशुतोष चौधरी, रवि शंकरण, गौरव ज्ञान सहित कई कार्यकताओं को आंसू गैस का सामना करना पड़ा। जिसमें कुछ कार्यकताओं को हल्की चोटें भी आई। बिहार सरकार के विरोध करने पर हताश निराश सरकार द्वारा लाठी चार्ज किए जाने पर जहानाबाद जिला महामंत्री विजय कुमार सिंह की मौके पर मौत हो गई। जिला प्रवक्ता इंदु भूषण झा ने बिहार सरकार के दमनकारी रवैए पर दुख जताया और कहा की चाचा भतीजे की मिली जुली सरकार द्वारा किए गए इस कार्य से निश्चित रूप से सरकार की कब्र खोद देगी।

अधिवक्ता उदय शंकर जमुआर का निधन, अधिवक्ताओं ने जताया शोक

नवादा, (हि.स.)। अधिवक्ता उदय शंकर जमुआर का निधन को हो गया। गुरुवार को नवादा जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजन कर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई गई। जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में भी शोक सभा का आयोजन कर मृत अधिवक्ता को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अधिवक्ताओं का एक दल ने शोक प्रस्ताव पारित कर मृत अधिवक्ता के घर पर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की ।एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण प्रसाद तथा महासचिव निरंजन कुमार सिंह की देखरेख में शोक सभा का आयोजन कर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। पूर्व महासचिव ईष्वरी प्रसाद शर्मा ने प्रस्ताव पारित किया ।अंतिम सांसे उन्होंने पटना स्थित एक निजी अस्पताल में ली। उनके निधन की जानकारी मिलते ही अधिवक्ताओं में शोक की लहर छा गई। वे आपराधिक मामलों के एक अच्छे जानकार थे। भारतीय स्टेट बैंक के भी पैनल अधिवक्ता थे। उनकी मृत्यू से जिला अधिवकता संघ को अपूर्णीय क्षति हुई। इस सम्बंध में संघ के महासचिव संत शरण शर्मा में बताया कि वे मृदभाषी अधिवक्ता के रूप में जाने जाते थे। इनके पिता उमा शंकर जुमआर व दादा भिखारी शंकर जमुआर भी आपराधिक मामलों के एक अच्छे जानकार अधिवक्ता थे। जिनका कुछ वर्ष देहांत हो चुका है। उदय शंकर जमुआर को अधिवक्ता पेशा विरासत में मिली। वे अपने पीछे पत्नी वो दो पुत्रियॉ को छोड़ गए। बड़ी पुत्री विधि की डिग्री हासिल कर चुकी। वहीं छोटी पुत्री मेडिकल की पढाई कर रही है। इस बीच गुरुवार को दिवगंत आत्मा की शांति के लिये कोर्ट परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया।

संपादकीय

भ्रष्टाचार का कहर

भारी मूसलाधार बारिश और बाढ़ के हालात सिर्फ आसमानी कहर नहीं हैं, बल्कि ये व्यापक भ्रष्टाचार के नतीजे हैं। इमें हड़प्पा, मोहनजोदड़ो सभ्यता के बारे में पढ़ाया जाता रहा है। सभ्यता के उस दौर में भी ड्रेरनेज सिस्टम बेहतर था। आज हम आधुनिकता, तकनीकी विकास और वैज्ञानिक प्रयोगों के दौर में जी रहे हैं, लेकिन मानसून की बारिश के सामने अक्षम, लाचार, बेबस हैं। आखिर इसका बुनियादी कारण क्या है? राजधानी दिल्ली का ही उदाहरण लें, तो बीती 28 जून तक सभी नालों की सफाई का लक्ष्य हासिल कर लेना चाहिए था, लेकिन 30 जून तक करीब 68 फीसदी काम ही हो पाया था। जब तेज बारिश हुई, तो कलई खुल गई, क्योंकि अधिकतर नाले ब्लॉक पड़े थे। नतीजतन दिल्ली की जो दुर्दशा हुई, उसकी एक बानगी हम कल के संपादकीय में पेश कर चुके हैं। अब इसका भ्रष्ट आयाम भी देखिए। दरअसल दिल्ली में हर साल 1500 करोड़ रुपए बारिश की तैयारियों, ड्रेरनेज, सीवर, नालों की सफाई आदि पर खर्च किए जाते हैं। पानी की सहज निकासी के लिए हजारों पंप खरीदे जाते हैं। यदि यह बजट ईमानदारी से खर्च किया जाता है, तो फिर राजधानी दिल्ली जैसा महानगर पानी में डूबने क्यों लगता है? सब कुछ ठहर-सा क्यों जाता है? इसी तरह गुरुग्राम सरीखे साइबर और आधुनिक शहर में, बारिश की तैयारी के मद्देनजर, करीब 150 करोड़ रुपए का प्रावधान है, लेकिन बरसात में इस शहर की दुर्दशा और गंदे दरिया वाली स्थिति क्यों बन जाती है? गुरुग्राम मलबे का तालाब बन जाता है, जिसमें से वाहनों की आवाजाही ऐसी होती है मानो किसी 'चक्रव्यूह' से निकल रहे हों! वाकई शोचनीय और अपमानजनक है। वह पैसा भी कहां जाता है? अजीब विरोधाभास है कि गुरुग्राम में संभ्रान्त सोसायटी के फ्लैट 5-8-10 करोड़ रुपए में बिकते हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों के दफ्तर यहां हैं, लेकिन मुख्य सडक़ों पर पानी और मलबा ही दिखाई देते हैं। यह नालायकी और कोताही क्यों है? आखिर कौन, किसकी जिम्मेदारी तय करेगा? विश्व स्तर पर यह निंदनीय और शर्मनाक स्थिति हो सकती है। दरअसल राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के शहरों में अंग्रेजों के जमाने के सिस्टम मौजूद हैं, लिहाजा वे कारगर नहीं हैं और जर्जर हो चुके हैं। दिल्ली में 1976 का ही मॉडल लागू है, जब उसकी आबादी करीब 60 लाख होती थी। वह आज 2.5 करोड़ से अधिक है। फिर दिल्ली 'दरिया' क्यों नहीं बनेगी? समस्या अवैध और अनियमित कॉलोनियों की भी है। इन आवासीय कॉलोनियों में सडक़, नाली, सीवर आदि की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होती, नतीजतन बारिश के मौसम में वहां पानी ठहरता रहता है। इससे शहर के अन्य इलाके भी प्रभावित होते हैं। एक और बुनियादी स्थिति यह है कि शहरी नियोजन में प्राकृतिक जल-निकासी की लगातार अनदेखी की जाती रही है। इसके अलावा, सीवर ओवरफ्लो भी गंभीर समस्या है। कई जगह सीवर और सीवेज निस्तारण वाले स्थान में असमानता होती है। राजधानी दिल्ली में आईटीओ चौक के करीब सीवर का गंदा पानी और बारिश का पानी मिल कर पुलिस मुख्यालय से लेकर रिंग रोड तक को जलमग्न कर देता है। यह हाल तो देश की राजधानी का है। एक बेहद गंभीर समस्या मकानों के निर्माण-कार्य, मरम्मत, तोड़-फोड़ आदि से निकलने वाले कूड़ा-कर्कट और मलबे की है। ये लगातार पानी के प्रवाह को अवरुद्ध करते हैं और बारिश के दिनों में यही मलबा सडक़ों पर फैल जाता है। इन तमाम स्थितियों के गर्भ में भ्रष्टाचार है। पहाड़ों को छोड़ भी दें, तो दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उप्र का एक हिस्सा और बिहार आदि राज्य अब भी 'अलर्ट' पर रखे गए हैं। बारिश और बाढ़ से अभी तक करीब 100 मौतें हो चुकी हैं। यह कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है। आखिर देश का नागरिक मर रहा है। ऐसी स्थिति क्यों आई है? दो माह बाद दिल्ली में जी-20 देशों का शिखर सम्मेलन है। उसमें दुनिया के 20 बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्षों को दिल्ली में आना है।

दिल्ली में हर साल 1500 करोड़ रुपए बारिश की तैयारियों, ड्रेरनेज, सीवर, नालों की सफाई आदि पर खर्च किए जाते हैं। पानी की सहज निकासी के लिए हजारों पंप खरीदे जाते हैं। यदि यह बजट ईमानदारी से खर्च किया जाता है, तो फिर राजधानी दिल्ली जैसा महानगर पानी में डूबने क्यों लगता है? सब कुछ ठहर-सा क्यों जाता है? इसी तरह गुरुग्राम सरीखे साइबर और आधुनिक शहर में, बारिश की तैयारी के मद्देनजर, करीब 150 करोड़ रुपए का प्रावधान है, लेकिन बरसात में इस शहर की दुर्दशा और गंदे दरिया वाली स्थिति क्यों बन जाती है? गुरुग्राम मलबे का तालाब बन जाता है, जिसमें से वाहनों की आवाजाही ऐसी होती है मानो किसी 'चक्रव्यूह' से निकल रहे हों! वाकई शोचनीय और अपमानजनक है। वह पैसा भी कहां जाता है? अजीब विरोधाभास है कि गुरुग्राम में संभ्रान्त सोसायटी के फ्लैट 5-8-10 करोड़ रुपए में बिकते हैं।

कुछ अलग

सैंज के संदेश

नदियां कुख्यात, नाले औकात से बाहर और कूहलें जल बहाव को भूल गईं, ये बरसात है जिसके दामन में लोगों की चीखें और बहते-मिटते निशान। इस बार हिमाचल के आगोश में सैंज तड़प रहा या थुनाग का बाजार बिलख रहा है। सैंज में चालीस घरों व तीस दुकानों की तबाही का आलम जबरदस्त शिकायत कर रहा है। यह मलबा कभी प्रगति को दर्शाने की मेहनत मजदूरी करता रहा होगा, लेकिन आज तेरी छत भी गिरी, मेरी छत भी गिरी। समाज अपने भीतर एकल हुआ तो गीत बदल गए, ऋतुएं बदल गईं, लेकिन नहीं बदला पहाड़ का रुख। यह महत्त्वाकांक्षाओं का वीभत्स दृश्य है जो आज सैंज सिसक रहा है। कल मेरा घर भी उसकी जद में होगा, तेरा भी होगा। दरअसल हर नागरिक, हर गांव और हर शहर की महत्त्वाकांक्षा धरती पर युद्धरत और आसमान से लड़ रही है। ऐसे में कई धाराओं के बीच अस्पष्टता, सरकार और आम आदमी के बीच राज्य और नागरिक के सपनों में किसी समरूपता का न होना भी शैतानी करता है। सैंज के ढह गए चालीस घर हमारी प्रगति के आईने में जब तक स्थिर थे, दूर तक देखे गए, लेकिन आज कस्बे की हालत में हर गली रो रही है। इसी तरह उन तीस दुकानों का नामोनिशान मिटा, जिनके भीतर व्यापारिक उद्देश्य, आपसी प्रतिस्पर्धा, आगे बढऩे की महत्त्वाकांक्षा और सरकारी व्यवस्था में जीने का स्थायी सुकून ढूंढने की ख्वाहिश रही होगी। सवाल यह है कि क्या आज के सैंज ने पर्वतीय सीमाओं का उल्लंघन किया या आगे बढऩे के नियम ही बदल दिए। हमने अपनी गलतियों पर ही प्रगति को उन्माद बना कर न धरती का आवरण, न परंपरागत उल्लास की वजह जानी। विडंबना यह है कि पहाड़ी मोहल्ले अब सडक़ों के किनारे आकर बुरी तरह बंट गए। मौसम की रूह में पले परिवेश की बेपरवाही में हुई चीडफ़ाड़ और अतिक्रमण की मानसिकता से सारे जल निकासी के रास्तों पर खड़े होते भवनों की कोताही हमें आज भी समझ नहीं आई। इसी बीच विभागीय उलझनें, हर घर को नल-हर कमरे में बल्ब जलाते-जलाते भी हाथ जले हैं। बिजली के पोल या जलापूर्ति की पाइप के लिए समाज के पास जगह नहीं, लेकिन सरकार की वादाखिलाफी हो नहीं सकती, लिहाजा ये सुविधाएं भी जीने की मिट्टी छीन कर इधर-उधर से गुजरती हुईं, खतरे पैदा कर रही हैं। जरा मुड़ के देखिए कि आपके आसपास जलस्रोतों के नजदीक प्रगति का कुअसर हो कैसे रहा। विद्युत परियोजनाओं के निर्माण में स्थल चयन की प्रक्रिया में ज्यादा जोर कम खर्च पर अधिक बिजली उगाना है, जबकि नदी के बहाव में आ रही अड़चनें कुछ तो कुरेद रही हैं। हमने ऐसी सडक़ें खोद रखी हैं, जो उम्रभर पहाड़ को सताती रहेंगी, तो क्या सर्वेक्षण यूं ही कागजों में मापे जाते रहेंगे। जब सैंज अपना आकार बढ़ाने लगा, तो किस विभाग ने समाज के साथ मिल बैठकर सोचा कि एक दिन प्लानिंग की जरूरत होगी। क्या वहां टीसीपी के तहत दिशा निर्देश तय हुए। क्या प्रदेश के भौगोलिक या भूगर्भीय सर्वेक्षण के तहत नागरिक बस्तियों की सुरक्षा मापी जा रही है। दरअसल जनता व सरकार के बीच अपनी-अपनी महत्त्वाकांक्षाओं का सफर जारी रहा। सैंज की प्रगति को इसलिए भी नागरिक समाज व सरकार के समन्वय में परखना होगा। सियासत के लिए तो बढ़ते घर-बढ़ता व्यापार केवल वोट की छाती चौड़ी कर देता है। इसलिए हमने प्रदेश में सरकारों और मतदाताओं के बीच एक ऐसा सौहार्द पैदा कर लिया जो केवल सियासी सिक्के ही उछालता है। ऐसे में कब सरकार हिम्मत करके मतदाता को जागरूक नागरिक बनाएगी। दुर्भाग्यवश हिमाचल मतदाता के रूप में जागरूक होकर प्रदेश का ही दोहन करने लगा, जबकि जीने का अनुशासन केवल सतर्क व असरदार व्यवस्था ही पैदा कर सकती है। सैंज में बिखरी इमारतों के बीच अगर टीसीपी कानून मरा नहीं होता, तो विकास की योजना में इतना तो सामथ्र्य होता कि चहल पहल शर्मिंदा न होती। इसी तरह थुनाग के बाजार का स्वरूप अगर नाले में बदल रहा है, तो कहीं कसूरवार हमारी तरक्की भी है।

नया शिक्षा सत्र अप्रैल महीने में आरंभ हो जाता है, किन्तु उच्च शिक्षा के संस्थानों में जुलाई से ही नये शिक्षा सत्र का प्रारंभ होता है

नये शिक्षा सत्र का हम करें अभिनंदन

सौरभ मालवीय

शिक्षण संस्थानों में नया शिक्षा सत्र प्रारंभ हो चुका है। प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में प्रायः नया शिक्षा सत्र अप्रैल महीने में आरंभ हो जाता है, किन्तु उच्च शिक्षा के संस्थानों में जुलाई से ही नये शिक्षा सत्र का प्रारंभ होता है। यदि देखा तो वास्तव में सभी शिक्षण संस्थानों में नया शिक्षा सत्र जुलाई महीने में ही आरंभ होता है। इससे पूर्व का समय तो शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेने, पुस्तकें, स्टेशनरी, बैग और यूनिफॉर्म आदि खरीदने में व्यतीत हो जाता है। जो समय मिलता है, उसमें विद्यार्थी अपनी नई पुस्तकों से परिचय करते हैं। प्रायः विद्यार्थी भाषा की पुस्तकें पढ़ते हैं, क्योंकि उनमें कहानियाँ और कविताएं होती हैं, जो बच्चों को अति प्रिय हैं। कुछ समय विद्यालय जाने के पश्चात ग्रीष्म कालीन अवकाश आ जाता है। यह ग्रीष्म कालीन अवकाश ग्रीष्म ऋतु के मध्य में आता है। इस समयावधि में अत्यधिक भीषण गर्मी पड़ती है। प्रायः ग्रीष्म कालीन अवकाश मई के अंतिम सप्ताह से लेकर पूरे जून तक रहता है। इस समयावधि में उच्च तापमान के कारण सभी विद्यालय एवं महाविद्याल बंद रहते हैं। बच्चे ग्रीष्मकालीन अवकाश की वर्ष भर प्रतीक्षा करते हैं, क्योंकि इसमें उन्हें सबसे अधिक दिनों का अवकाश प्राप्त होता है। बच्चों के लिए ग्रीष्म कालीन अवकाश किसी पर्व से कम नहीं होता। इस समयावधि में उन्हें कोई चिंता नहीं होती अर्थात उन्हें न तो प्रातःकाल में शीघ्र उठकर विद्यालय जाने की चिंता होती है और न ही गृहकार्य करने की कोई चिंता होती है। प्रायः ग्रीष्म कालीन अवकाश में बच्चे अपने माता- पिता के साथ अपनी नानी के घर जाते हैं। वहां वे अपने ननिहाल के लोगों से मिलते हैं। सब उन्हें बहुत लाड़-प्यार करते हैं। नानी उन्हें बहुत सी कहानियां सुनाती हैं। नाना और मामा उन्हें घुमाने के लिए लेकर जाते हैं और उन्हें उनके पसंद के खिलौने दिलवाते हैं। आज के एकल परिवार के युग में बच्चे अपने माता- पिता के साथ अपने दादा-दादी के घर भी जाते हैं। वहां भी उन्हें बहुत ही लाड़- प्यार मिलता है। नानी की तरह दादी भी बच्चों को कहानियां सुनाती हैं। इन कथा- कहानियों के माध्यम से वे बच्चों में संस्कार पोषित करती हैं, जो उनके चरित्र का निर्माण करते हैं। यही संस्कार जीवन में उनका मार्गदर्शन करते हैं। अपने पैतृक गांव अथवा नगरों में जाने से वे वहां की संस्कृति से जुड़ते हैं। अपने सगे-संबंधियों से मिलते हैं। इससे उन्हें अपने संबंधों का पता चलता है। उनमें अपने संबंधियों के प्रति स्नेह का भाव पैदा होता है। वे अपने संबंधियों

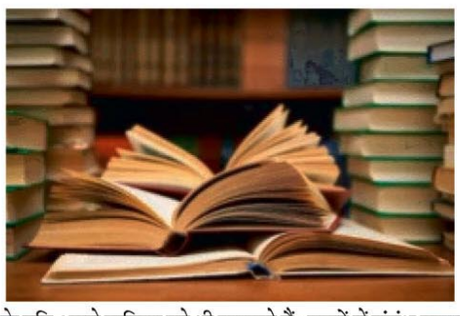

के प्रति अपने दायित्व को भी समझते हैं। बच्चों में संबंध मूल्य और जीवन मूल्य की समझ बनती है। सम्मान और स्नेह का भाव उपजता है। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बच्चे अपने माता- पिता के साथ पर्यटन स्थलों पर भी जाते हैं। अधिकतर लोग ऐसे स्थानों पर जाते हैं, जहां तापमान कम रहता है। ये पहाड़ी क्षेत्र होते हैं। इससे वे वहां की संस्कृति एवं रीति- रिवाजों के बारे में जान पाते हैं। इसके अतिरिक्त वे धार्मिक स्थलों एवं ऐतिहासिक महत्त्व के स्थलों पर भी घूमने जाते हैं। घूमने का अर्थ केवल सैर सपाटा और मनोरंजन करना नहीं है, अपितु पर्यटन से बहुत सी शिक्षाएं मिलती हैं। धार्मिक स्थलों पर जाने से मन को शान्ति प्राप्त होती है तथा बच्चे अपने गौरवशाली संस्कृति से जुड़ पाते हैं। उन्हें अपने ईष्ट देवी-देवताओं के बारे में जानने का अवसर मिलता है। उनमें आस्था का संचार होता है। उनका आत्मबल एवं आत्म विश्वास बढ़ता है। ऐतिहासिक स्थलों पर जाने से उन्हें अपने इतिहास को जानने का अवसर प्राप्त होता है। ये व्यवहारिक ज्ञान है, जो उन्हें आने- जाने से प्राप्त होता है। यह उनके लिए आवश्यक भी है। वे जिन चीजों के बारे में पुस्तकों में पढ़ते उनके बारे में उन्हें सहज जानकारी प्राप्त होती है। इसका उनके मन- मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शिक्षकों द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए भी विद्यार्थियों को गृहकार्य दिया जाता है। इस दौरान विद्यालय अवश्य बंद रहते हैं, किन्तु ट्यूशन सेंटर खुले रहते हैं। बच्चे ट्यूशन के लिए जाते हैं और अपना गृहकार्य भी करते हैं। इसके अतिरिक्त ग्रीष्म कालीन अवकाश के दौरान बहुत से संस्थान अनेक प्रकार के कम समयावधि वाले कोर्स प्रारंभ करते हैं, उदाहरण के लिए चित्रकला, संगीत, गायन, नृत्य, मिट्टी के खिलौने बनाने, सजावटी सामान बनाना आदि। इस समयावधि में बच्चों को अपनी रुचि के अनुसार कार्य करने एवं नई- नई चीजें सीखने का अवसर प्राप्त होता है। बहुत से बच्चे खेलों की ओर रुझान करते हैं। समय अभाव के कारण वे खेल नहीं पाते थे, किन्तु अवकाश में उन्हें अपनी पसंद के खेल खेलने का अवसर मिल जाता है। क्षेत्र के बच्चे अपनी-अपनी टीमें बना लेते हैं और आपस में प्रतिस्पर्धा करते हैं. इससे उनमें खेल भावना का विकास होता है। किसी भी खिलाड़ी के खेल का प्रारंभ इसी प्रकार होता है। पहले वे अपने मित्रों के साथ खेलता है. फिर इसी प्रकार वह खेल स्पर्धाओं में खेलने लगता है। इस प्रकार एक दिन वह देश के लिए पदक जीतने वाला खिलाड़ी बन जाता है। वास्तव में यह समय बच्चों के नैसर्गिक गुणों को निखारने का कार्य करता है। ग्रीष्म कालीन अवकाश व्यतीत होने के पश्चात विद्यालय व अन्य शिक्षण संस्थान पुनः खुल जाते हैं। विद्यार्थियों की दिनचर्या पुनः पूर्व की भांति हो जाती है। वे प्रातःकाल में शीघ्र उठ जाते हैं। नित्य कर्म से निपटने के पश्चात विद्यालय जाने के लिए तैयार होते हैं। वे नाश्ता करके घर से निकल जाते हैं। दिनचर्या केवल बच्चों की ही परिवर्तित नहीं होती, अपितु उनके साथ- साथ उनके माता- पिता की दिनचर्या भी परिवर्तित हो जाती है। उनकी माता प्रातः काल में शीघ्र उठकर उनके लिए नाश्ता बनाती है। उनके लिए टिफिन तैयार करती है। उन्हें विद्यालय या स्कूल बस तक छोड़ने जाती है। बहुत सी माताएं बच्चों को विद्यालय लेकर भी जाती हैं और उन्हें वापस भी लाती हैं। बहुत से विद्यालयों के बाहर दोपहर में महिलाएं अपने बच्चों की प्रतीक्षा में खड़ी रहती हैं। बहुत से बच्चों को उनके पिता विद्यालय छोड़ने जाते हैं। नये शिक्षा सत्र में बच्चे बहुत प्रसन्न दिखाई देते हैं। उनकी कक्षा का एक स्तर बढ़ जाता है। वे स्वयं को पहले से श्रेष्ठ अनुभव करते हैं। पिछली कक्षा में भी उन्होंने कड़ा परिश्रम किया था। उसके कारण ही परीक्षा में वे सफलता प्राप्त कर पाए। परिणामस्वरूप अब वह उससे अगली कक्षा में अर्थात उससे ऊंची कक्षा में हैं। जब विद्यालय खुले थे, तब बहुत अधिक गर्मी थी। बच्चे गर्मी से व्याकुल थे, किन्तु उनके चेहरे पर उत्साह के भाव दिखाई दे रहे थे। बहुत से विद्यालयों में रोली एवं तिलक लगाकर बच्चों का स्वागत किया गया है। यह एक अच्छी पहल है। इससे बच्चों में अपनी संस्कृति के प्रति लगाव उत्पन्न होता है।

प्राय : ग्रीष्म कालीन अवकाश में बच्चे अपने माता- पिता के साथ अपनी नानी के घर जाते हैं। वहां वे अपने ननिहाल के लोगों से मिलते हैं। सब उन्हें बहुत लाड़-प्यार करते हैं। नानी उन्हें बहुत सी कहानियां सुनाती हैं। नाना और मामा उन्हें घुमाने के लिए लेकर जाते हैं और उन्हें उनके पसंद के खिलौने दिलवाते हैं। आज के एकल परिवार के युग में बच्चे अपने माता- पिता के साथ अपने दादा-दादी के घर भी जाते हैं। वहां भी उन्हें बहुत ही लाड़-प्यार मिलता है। नानी की तरह दादी भी बच्चों को कहानियां सुनाती हैं। इन कथा- कहानियों के माध्यम से वे बच्चों में संस्कार पोषित करती हैं, जो उनके चरित्र का निर्माण करते हैं।

मौसम की क्रूरता व इनसानी लापरवाही

वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन ने अपना क्रूर चेहरा दिखाना शुरू कर दिया है। हिमाचल प्रदेश में जुलाई में 200 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है। यही हाल उत्तराखंड का है। हिमाचल के मंडी, कुल्लू, चंबा, शिमला, सिरमौर में जान-माल की अप्रत्याशित तबाही दिल दहला देने वाली है। मृतकों की संख्या 80 हो गई है। जगह-जगह लोग प्रकृति के क्रोध के शिकार हो कर असहाय अनुभव कर रहे हैं। सरकार मरहम लगाने की कोशिश कर रही है, किन्तु साल दर साल बढ़ती बाढ़ की विभीषिका कई सवाल खड़े कर रही है। जलवायु परिवर्तन के असर की भविष्यवाणी तो कई सालों से की जा रही है और जिसके चलते हिमालय जैसे नाजुक पर्वत क्षेत्र में उचित सावधानियां क्यों नहीं उठाई गई हैं। सैंकड़ों पर्यटक जगह जगह फंसे पड़े हैं। ईश्वर का शुक्र है कि सब सुरक्षित हैं। सरकार भी उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील होकर कार्रवाई कर रही है, किन्तु बरसात में पर्यटन को किस तरह दिशा निर्देशित किया जाना चाहिए, इस बात की कमी खलती है। पर्यटन सूचना केन्द्रों का नेटवर्क सक्रिय होना चाहिए जो बरसात के खतरों से अवगत करवाए। मंडी में हुई तबाही के पीछे लारजी और पंडोह बांधों से अचानक छोड़ा गया पानी भी जिम्मेदार माना जा रहा है। बांधों के निर्माण के समय बाढ़ नियंत्रण में बांधों की भूमिका का काफी प्रचार किया जाता रहा है, किन्तु देखने में तो उल्टा ही आ रहा है। बांधों से अचानक और बड़ी मात्रा में छोड़ा जा रहा पानी ही अप्रत्याशित बाढ़ का कारण बनता जा रहा है। बरसात से पहले बांधों में बाढ़ का पानी रोका जा सके, इसके लिए बांधों को खाली रखा जाना चाहिए, किन्तु अधिक से अधिक बिजली पैदा करने के लिए बांध भरे ही रहते हैं। बरसात आने पर पानी जब बांध के लिए खतरा पैदा करने के स्तर तक पहुंचने लगता है तो अचानक इतना पानी छोड़ दिया जाता है जितना शायद बिना बांध के आई बाढ़ में भी न आता। इन मुद्दों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और बांध प्रशासन को निर्देशित किया जाना चाहिए। बांधों की बाढ़ नियंत्रण भूमिका को सक्रिय किया जाना चाहिए। दूसरा बड़ा गड़बड़ सडक़ निर्माण में हो रही लापरवाही से भी हो रहा है। निर्माण कार्य में निकलने वाले मलबे को निर्धारित स्थानों, डंपिंग स्थलों में न फेंक कर यहां-वहां फेंक दिया जाता है और वही मलबा बाढ़ को कई गुणा बढ़ाने का कारण बन जाता है। मलबा जब एक बार नीचे ढलानों पर खिसकना शुरू होता है तो अपने साथ और मलबा बटोरता जाता है, जिससे भारी तबाही का मंजर पेश हो जाता है। नदी-नालों में जब यह मलबा पहुंचता है तो नदी का तल ऊपर उठ जाता है और वे क्षेत्र जो पहले कभी बाढ़ की जद में नहीं आए थे, वे भी अब बाढ़ की जद में आ जाते हैं। सडक़ निर्माण में जल निकासी का भी ध्यान नहीं रखा जाता है। सडक़ किनारे बनाई गई नालियों से जल इकट्ठा होकर कहीं एक जगह छोड़ दिया जाता है जो भू-कटाव को बढऩे का कारण बनता है। सडक़ निर्माण विधिवत पर्वतीय दृष्टिकोण से कट एंड फिल तकनीक से किया जाना चाहिए। पहाड़ों में सडक़ के विकल्पों पर भी सोचा जाना चाहिए। सडक़ तो जीवन रेखा है, किन्तु जीवन रेखा यदि जीवन को ही लीलने लग जाए तो सोचना पड़ेगा कि गड़बड़ कहां हो रही है। सडक़ के विकल्प के रूप में मुख्य मार्गों से लिंक सडक़ों के बजाय उन्नत तकनीक के रज्जू मार्ग बनाए जा सकते हैं, किन्तु इस दिशा में सरकारों ने सोचना ही शुरू नहीं किया है। हां, पर्यटन आकर्षण के रूप में कुछ कुछ जगहों में रज्जू मार्ग बने हैं। उनके अनुभव से सस्ती और टिकाऊ यातायात सुविधा निर्माण की जा सकती है। फिलहाल जब यह बात उजागर हो गई है कि मलबा डंपिंग की भूमिका भूस्खलन बढ़ाने में मुख्य है तो सरकार का यह फर्ज बनता है कि इसका सुओ-मोटो संज्ञान लेकर जहां जहां नुकसान हुआ है वहां तकनीकी जांच करवाई जाए। राष्ट्रीय राज मार्गों के मामले में चीफ विजिलैंस अफसर राष्ट्रीय राजमार्ग को जांच के लिए कहना चाहिए। 1994 में भागीरथी के तट पर, जब टिहरी बांध विरोधी आन्दोलन चल रहा था, तब हिमालय बचाओ आन्दोलन का घोषणा पत्र जारी हुआ था, जिसकी मुख्य मांग थी कि हिमालय की नाजुक परिस्थिति के मद्देनजर हिमालय के लिए विकास की विशेष प्रकृति मित्र योजना बनाई जाए। योजना आयोग द्वारा नियुक्त किए गए डा. एस. जेड. कासिम की अध्यक्षता में बनाई गई विशेष समिति ने भी 1992 में इसी आशय की रिपोर्ट जारी की थी, किन्तु उस पर भी कोई अमल नहीं हुआ। पर्वतीय क्षेत्रों के लोग लगातार विकास के नाम पर चल रही अंधी दौड़ के विरोध में अपनी आवाज बुलंद करते रहे हैं, किन्तु सरकारों और तकनीकी योजना निर्माताओं के कानों में जूं भी नहीं रेंगती है। एक अच्छा बहाना इन लोगों को मिल जाता है कि प्रकृति के आगे हम क्या कर सकते हैं, किन्तु इन लोगों को पूछा जाना चाहिए कि प्रकृति को इतना मजबूर करने का आपको क्या हक है कि प्रकृति बदला लेने पर उतारू हो जाए। हालांकि इस विषय पर चर्चा तो सरकारी क्षेत्रों में चलती रहती है, वर्तमान सरकार में भी नीति आयोग द्वारा हिमालयी क्षेत्र में विकास की दिशा तय करने के लिए रीजनल कौंसिल का गठन किया गया है, किन्तु अभी तक इस संस्था की कोई गतिविधि सामने तो नहीं आई है। अब समय है कि सब नींद से जागें और हिमालय में विकास की गतिविधियों को प्रकृति मित्र दिशा देने का प्रयास करें। हमें सोचना होगा कि हिमालय में होने वाली कोई भी पर्यावरण विरोधी कार्रवाई पूरे देश के लिए हिमालय द्वारा दी जाने वाली पर्यावरणीय सेवाओं से वंचित करने वाली साबित होगी।

सरकार मरहम लगाने की कोशिश कर रही है, किन्तु साल दर साल बढ़ती बाढ़ की विभीषिका कई सवाल खड़े कर रही है। जलवायु परिवर्तन के असर की भविष्यवाणी तो कई सालों से की जा रही है और जिसके चलते हिमालय जैसे नाजुक पर्वत क्षेत्र में उचित सावधानियां क्यों नहीं उठाई गई हैं। सैंकड़ों पर्यटक जगह जगह फंसे पड़े हैं। ईश्वर का शुक्र है कि सब सुरक्षित हैं। सरकार भी उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील होकर कार्रवाई कर रही है, किन्तु बरसात में पर्यटन को किस तरह दिशा निर्देशित किया जाना चाहिए, इस बात की कमी खलती है। पर्यटन सूचना केन्द्रों का नेटवर्क सक्रिय होना चाहिए जो बरसात के खतरों से अवगत करवाए। मंडी में हुई तबाही के पीछे लारजी और पंडोह बांधों से अचानक छोड़ा गया पानी भी जिम्मेदार माना जा रहा है। बांधों के निर्माण के समय बाढ़ नियंत्रण में बांधों की भूमिका का काफी प्रचार किया जाता रहा है, किन्तु देखने में तो उल्टा ही आ रहा है।

देश दुनीया से

फिर सूरज की तलाश

बीती महामारी के दौरान लोगों को डबल मास्क लगाने का आदेश क्या हुआ, तब से लोगों ने अपने चेहरे पर एक और चेहरा लगा दिया। मुखौटों का नया बाजार सज गया। यहां दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास बढ़ाने और संतुलित रहने वाले उपदेशकों का मुखौटा मिलता है, वहां समाज सेवा और जनसेवा का दम भरते हुए लोग अपने लिए एक नई पहचान यात्रा जुटाने पर चल दिए। काला व्यापारियों के मन में बीमारों के प्रति दर्द का नया एहसास जागा। जरूरी दवाओं की अनुपलब्धता बता फिर हमदर्दी जताते हुए दुगने-चौगुने दाम टीका निकाल देते हैं। निजी अस्पताल विशेष सेवा के नाम पर सरकारी रेट से अधिक दाम ले दिन-रात सेवा का वायदा करते हैं। सफाचट ने दाढ़ी बढ़ा ली और दडियल सफाचट हो अपने व्यक्तित्व के प्रदर्शन के प्रति वैराग्य दिखा रहे हैं। लेखकों में टालस्टाय, रवि बाबू या प्रेम चंद की छवि लेने का आकर्षण पैदा हो रहा है। जीवन जीने का नहीं, छवि बनाने का खेल हो गया। पहले वक्त और था, आदमी न काम का हो न धाम का, बस बातों के साथ अपनी प्रशंसा का जलतरंग बजा महिमा मण्डित हो जाता था। अपना स्मारक स्वयं बना कर इस पर श्रद्धा सुमन स्वयं चढ़ाता था। अपनी अब तक छपी पुस्तकों की भूमिकाओं और आलोच्य टिप्पणियों की किताब छपवाने की भूमिका बनाता था। अब फटाफट लोग मरने लगे तो उनके बारे में अपनी शोक संवेदनाओं अथवा काल्पनिक संस्करणों के महाग्रन्थों का प्रणयन कर रहा है। लोग एकांत में निर्वासित होने लगे, जो किसी को पास न फटकने दे ऐसा बिस्तर तलाशने लगे। लगा अब जमाना भूमिका नहीं उपसंहार को लड़ीबद्ध कर पुस्तक या पीडीएफ बनाने का आ गया। लोग अन्धेरी रात में नया सूरज उगने की तलाश करने लगे हैं। इसकी शोक धुन बजा रहे हैं। लेकिन अच्छे दिन लाने वाला सूरज आंख मिचौली खेल गया। उन्होंने तो अन्धेरे के यम ताण्डव की महामारी से विदा लेने की कल्पना कर प्रगति और विकास के काल्पनिक आंकड़ों के रंगों से देश के कैनवास पर ताजा सुबह के आगमन की सूचना दे दी थी। लेकिन कैसी आस निरास भई? तुमने अस्वस्थ दिनों से छूट जाने का भ्रम कैसे पाल लिया? सामान्य जिंदगी का उत्सव कैसे मना लिया? नहीं, नहीं, पीछे हटो। चेहरों पर नकाब ओढ़ लो, हाथों का मटमैला हो जाने का भ्रम भूलना चाहते थे, नहीं भूलो न, जिंदगी तो और भी मटमैली हो गई। रोजी-रोजगार छूट गए, भूख तुम्हारी देहरियों पर नृत्य कर रही है। महंगाई के आंकड़ों की हाय तौबा आदमी को बाजार की ओर जाने से डरा रही है। एक भीड़ भरे देश में उत्सवी, धर्मी होना गुनाह है, जानते नहीं हो क्या? इसलिए बगल हटो। तुम्हारे घुलने मिलने ने, जीवन के लौटने की उम्मीद ने मौत के दरकारों को वापस तुम्हारी गलियों में निमंत्रित कर लिया है। इनसे बचने के लिए फिर वहीं सन्देश मिलने लगे। लेकिन मर्ज पुराना हो जाए, तो लोग न केवल उससे बेपरवाह हो जाते हैं, बल्कि छद्मवेश धारण कर इसे छकाने का प्रयास भी करते हैं। लीजिये जीवन फिर अस्त-व्यस्त होने लगा, अब अपने विजेता बने रहने के भ्रम को कैसे जिंदा रखें? इधर-उधर परिवेश की जांच-पड़ताल की तो पाया कि विजेता वही होता है, जो विजय के भ्रम को अधिक देर तक जिंदा रख सके। चेहरे पर विलक्षणता नजर आए, इसलिए इसने दाढ़ी बढ़ा ली है। हां बंधु, यही तो है आपातकाल की नई परिपाटी। बेशक मास्क लगाओ, लेकिन सभ्य जागरूक नागरिकता का प्रमाण आपका एक चित्र तो छपना बनता ही है। यह दिन सदा रहेंगे नहीं। जब संकट भरे दिन लौट जायेंगे, तो हम यह छपा हुआ चित्र दिखा कर कह सकेंगे कि लो भाई इन दिनों से विरक्त होकर हमने दाढ़ी बढ़ा ली थी।

निजी अस्पताल विशेष सेवा के नाम पर सरकारी रेट से अधिक दाम ले दिन-रात सेवा का वायदा करते हैं। सफाचट ने दाढ़ी बढ़ा ली और दडियल सफाचट हो अपने व्यक्तित्व के प्रदर्शन के प्रति वैराग्य दिखा रहे हैं। लेखकों में टालस्टाय, रवि बाबू या प्रेम चंद की छवि लेने का आकर्षण पैदा हो रहा है। जीवन जीने का नहीं, छवि बनाने का खेल हो गया। पहले वक्त और था, आदमी न काम का हो न धाम का, बस बातों के साथ अपनी प्रशंसा का जलतरंग बजा महिमा मण्डित हो जाता था। अपना स्मारक स्वयं बना कर इस पर श्रद्धा सुमन स्वयं चढ़ाता था। अपनी अब तक छपी पुस्तकों की भूमिकाओं और आलोच्य टिप्पणियों की किताब छपवाने की भूमिका बनाता था। अब फटाफट लोग मरने लगे तो उनके बारे में अपनी शोक संवेदनाओं अथवा काल्पनिक संस्करणों के महाग्रन्थों का प्रणयन कर रहा है।

नागरिक बोध

27 साल बाद ब्लास्ट के दोषियों को उम्रवैद

27 साल पुराने लाजपत नगर बम ब्लास्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने चार आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाईं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि चारों दोषियों को ताउम्र जेल काटनी होगी, यानि उन्हें सजा में छूट नहीं मिलेगी। उन्होंने गंभीर अपराध किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले की सुनवाईं में काफी वक्त लगा। स्पीड ट्रायल समय की मांग है। सुप्रीम कोर्ट ने मोहम्मद नौशाद, मि

20 साल बाद रेप-मर्डर का आरोपी गिरफ्तार : इजराइली पुलिस ने लेटेस्ट फोरेंसिक टेक्नीक इस्तेमाल की, 2003 की घटना का 2023 में रीक्रिएशन

तेल अवीव।

इजराइली पुलिस ने 2003 में हुए रेप और मर्डर के एक केस को सॉल्व किया है। इसके लिए बिल्कुल लेटेस्ट और हाईटेक फोरेंसिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, इजराइल ने अब तक इस टेक्नोलॉजी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। पुलिस ने इसी मेथड का इस्तेमाल करके घटनास्थल से 20 साल बाद आरोपी का डीएनए भी जुटाया और क्राइम सीन भी रीक्रिएट किया। यह केस ऐलात शहर में हुआ था। विक्टिम 21 साल की मारग्रिटा लेवी थी। तब इस केस के सिलसिले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया था। सबूत न मिलने पर उसे छोड़ दिया गया था।

डीएनए एविडेंस भी कलेक्ट - दूसरी मीडिया रिपोर्ट्स में गुरुवार को इस मर्डर और रेप केस के सॉल्व होने की जानकारी दी गई। इनके मुताबिक- ऐलात शहर की पुलिस ने उस स्पॉट पर डेड बॉडी मिलने का सीए रिक्रिएट किया जहां 20 साल पहले मारग्रिटा की लाश मिली थी। ये रिक्रिएशन मई में किया गया था और इसी दौरान उस स्पॉट से आरोपी समी अबु अल-असल का डीएनए और इससे जुड़े एविडेंस कलेक्ट किए गए।

आरोपी की उम्र अब 51 साल हो चुकी है। 2003 और 2023 में लिए गए फोटोज का कॉम्बो भी पुलिस ने जारी किया। समी जाफा शहर में रहने वाला अरब मूल का नागरिक है। जून 2003 की एक शाम लेवी की डेड बॉडी ऐलात शहर के एक बिजी पब्लिक पार्क में पाई गई थी। आरोपी समी एक महिला से रेप के केस में पहले भी 13 साल जेल में रह चुका है। अब वो दो बच्चों का पिता है।

मिलिट्री में रह चुकी थी लेवी - रिपोर्ट्स के मुताबिक- 2003 में मारग्रिटा लेवी की उम्र 21 साल थी और वो मिलिट्री की कम्पलसरी ट्रेनिंग पूरी करने के बाद किसी बड़े होटल में जॉब खोजने के लिए एशडोड शहर से ऐलात आई थी। इसके अलावा वो यरूशलम यूनिवर्सिटी में लॉ ग्रेजुएशन भी कर रही थी। ऐलान पहुंचने के चार दिन बाद पुलिस को पार्क से उसकी कम्बल में लिपटी डेड बॉडी मिली थी। लेवी के दोनों हाथ पीछे की तरफ बंधे थे। जांच के दौरान साफ हो गया कि यह केस रेप और मर्डर का है। उस वक्त समी टूरिस्ट स्पॉट ऐलात के एक लग्जरी बार में जॉब करता था।

पुलिस ने जांच बंद नहीं की - मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- भले ही ये केस 20 साल तक अनसुलझा रहा हो, लेकिन इजराइली पुलिस और उसकी लोकल इंटलेजेंस यूनिट ने कभी जांच बंद नहीं की। ये बात जुदा है कि उन्हें इस दौरान कामयाबी नहीं मिल सकी। जनवरी 2022 में इजराइल के साइंटिस्ट्स ने फोरेंसिक साइंस से जुड़ी एक बेहद अहम टेक्नोलॉजी डेवलप करने में कामयाबी हासिल की। मारग्रिटा लेवी केस को सॉल्व करने में इसका इस्तेमाल मार्च 2023 में शुरू हुआ। मार्च से मई के बीच नए सिरे से एविडेंस और डेटा कलेक्शन किया गया। समी अल-असल का डीएनए उसी स्पॉट से मिला, जहां से लेवी की लाश बरामद की गई थी। पुलिस ने तमाम एविडेंस को क्रॉस चेक भी किया और मई में एक अंडरकवर ऑपरेशन के बाद पुख्ता तौर पर यह पता लगा लिया कि लेवी से रेप और मर्डर का आरोपी समी ही है। अब उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में समी ने कहा- मुझे नहीं मालूम कि वहां मेरा डीएनए कैसे मिला। मैं तो मारग्रिटा से न कभी मिला और न उसे जानता ही था।

न्यूज ब्रीफ

सलमान रुश्दी बोले- मुझे आते हैं डरावने सपने, बीते साल न्यूयॉर्क में चाकू से हुआ था घातक हमला

लंदन। सलमान रुश्दी ने पहली बार पिछले साल अगस्त में न्यूयॉर्क में उन पर हुए चाकू से घातक हमले के बाद डरावने सपने आने के बारे में बात की है। हमले में मुंबई में जन्मे लेखक की एक आंख की रोशनी चली गई थी और सदमे के मानसिक प्रभाव से छुटकारा पाने के लिए एक चिकित्सक से अपना इलाज कर रहे हैं। 76 वर्षीय बुकर पुरस्कार विजेता लेखक लगभग एक साल पहले मंच पर थे, जब हत्या के प्रयास के आरोप में जेल में बंद संदिग्ध हादी मतार ने उन पर 10 बार चाकू से हमला किया था। इस सप्ताह बीबीसी से बात करते हुए रुश्दी ने कहा कि वह इस बात को लेकर दुविधा में हैं कि अदालत में अपने कथित हमलावर का सामना करना है या नहीं, क्योंकि उसने खुद को दोषी नहीं मानने की दलील दी है। ब्रिटिश-अमेरिकी उपन्यासकार ने कहा, मैं एक बहुत अच्छे चिकित्सक की देखरेख में हूं, जिसे मुझे ठीक करने के लिए अभी बहुत सारा काम करना है। मुझे डरावने सपने आते हैं। रुश्दी ने कहा कि अगर आरोपी अपनी दलील में खुद को दोषी स्वीकार कर लेता है तो वास्तव में कोई मुकदमा नहीं चलेगा, सिर्फ उसे सजा होगी और यह भी हो सकता है कि तब मेरी उपस्थिति की आवश्यकता नहीं हो। मैं इसे लेकर दुविधा में हूं। मेरा एक मन है जो चाहता है कि मैं अदालत में जाऊं और उसका सामना करूं, लेकिन मेरा दूसरा मन इस मामले को लेकर परेशान हो जाता है। इस बारे में मेरी राय बहुत ज्यादा अच्छी नहीं है और मुझे लगता है कि अब मेरे लिए जो महत्वपूर्ण है वह यह है कि हम अपने जीवन को जारी रखने में सक्षम हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस साल के अंत में मतार के कोर्ट ट्रायल में शामिल होने की योजना बना रहे हैं, तो उन्होंने कहा, मैं अपने काम में काफी व्यस्त हूं, आप जानते हैं, मैं इसी के साथ आगे बढ़ रहा हूं।

यूएन में भारत ने दिया पाकिस्तान का साथः स्वीडन में कुरान जलाने पर पाक के प्रस्ताव का समर्थन किया; अमेरिका ने किया विरोध

न्यूयॉर्क। भारत ने संयुक्त राष्ट संघ यानी यूएन की ह्यूमन राइट्स काउंसिल में बुधवार को पाकिस्तान का समर्थन किया। दरअसल, स्वीडन में बार-बार कुरान जलाए जाने के खिलाफ पाकिस्तान ने यूएनएचआरसी में एक प्रस्ताव रखा था। इस पर भारत ने भी पाकिस्तान के समर्थन में वोट किया है। सभी इस्लामिक देशों के साथ यूरोपीय संघ, पोप फ्रांसिस और खुद स्वीडन की सरकार ने इस घटना की निंदा की थी। पाकिस्तान ने अपने प्रस्ताव में कुरान जलाने जैसी घटनाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की थी। हालांकि, अमेरिका और यूरोपियन यूनियन समेत कई पश्चिमी देशों ने फ्रीडम ऑफ स्पीच का हवाला देते हुए इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया। यूएनएचआरसी में कुल 47 सदस्य हैं। इसमें ओआईसी यानी ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन के सिर्फ 19 देश शामिल हैं। इन सभी ने पाक के प्रस्ताव का समर्थन किया। पाकिस्तान ने यूएनएचआरसी में ये प्रस्ताव ओआईसी देशों के कहने पर ही लाया था। उइगर मुस्लमानों के मुद्दे पर घिरे रहने वाले चीन ने भी पाक के समर्थन में वोट किया। वहीं, नेपाल समेत 7 देशों ने किसी का समर्थन नहीं करते हुए वोटिंग ही नहीं की।

वैज्ञानिकों ने किया चौंकाने वाला खुलासा, महासागरों के 56 फीसदी पानी का बदला रंग; बताया बदलाव का कारण

यूके । एक अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि पिछले दो दशक में महासागरों के 56 फीसदी से अधिक पानी का रंग बदल गया है, जो पृथ्वी की कुल भूमि विस्तार से भी बड़ा है। इसके पीछे की वजह मानव-जनित जलवायु परिवर्तन बताई जा रही है। महासागरों के बदलते रंग को इंसानी आंखों से नहीं देखा जा सकता है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी), अमेरिका और अन्य संस्थानों के शोधकर्ताओं ने नेचर जर्नल में प्रकाशित पत्र में लिखा है। भूमध्य रेखा के पास के क्षेत्रों में महासागर का रंग समय के साथ लगातार हरा होता जा रहा है, जो सतही महासागरों के भीतर पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव का संकेत देता है। समुद्र के पानी का हरा रंग फाइटोप्लांकटन में मौजूद हरे वर्णक क्लोरोफिल से आता है, जो ऊपरी महासागर में पाए जाने वाले रोगाणु हैं। इसलिए, वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन पर उनकी प्रतिक्रिया देखने के लिए फाइटोप्लांकटन की निगरानी करने के इच्छुक हैं।

शीत युद्ध के हथकंडों को अपना रहे नाटो देश

रूस बोला- हर तरह के खतरों से निपटने को तैयार ; स्वीडन बनेगा 32वां सदस्य

विलिनियस।

यूरोपीय देश लिथुएनिया में 2 दिन तक चली नाटो समिट यूक्रेन की सदस्यता पर बिना कोई अहम स्टैंड लिए ही खत्म हो गई। यूक्रेन को समिट में नाटो की सदस्यता पर बड़ी घोषणा होने की उम्मीद थी। इसके बदले उसे सुरक्षा के सहयोग का आश्वासन मिला। वहीं, रूस ने नाटो समिट के दौरान पुतिन के खिलाफ हुई बयानबाजी पर पलटवार किया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि नाटो देश शीतयुद्ध के हथकंडों को अपना रहे हैं। इसे पैदा होने वाले खतरे का जवाब हम हर तरह से देने के लिए तैयार हैं। वहीं, इस समिट में स्वीडन की सदस्यता का रास्ता भी साफ हो गया है।

बाइडेन ने पुतिन को सत्ता का लालची बताया

नाटो की बैठक में यूक्रेन को लंबी रेंज वाले हथियार देने की भी घोषणा हुई है। इस पर रूस ने कहा है कि अमेरिका के नेतृत्व में चंद देश जंग को लंबा खींचने के लिए ऐसा कर रहे हैं। वहीं, समिट के आखिरी दिन अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पुतिन के खिलाफ बयानबाजी की। उन्होंने कहा- पुतिन जमीन और सत्ता के लालची हैं, यूक्रेन पर हमला करते हुए उन्हें लगा था कि वो नाटो को तोड़ देंगे। पर वो गलत थे। नाटो अब और भी ताकतवर और एकजुट है। इसके जवाब में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा है कि यूक्रेन को फाइटर जेट्स देकर नाटो देश रूस को परमाणु खतरे की तरफ धकेल रहे हैं। उन्होंने कहा- नाटो और अमेरिका की सैटेलाइट्स सीधे रूस से जंग का खतरा पैदा कर रही हैं, इसका अंजाम खतरनाक हो सकता है।

200 साल, 2 विश्व युद्ध में तटस्थ रहा स्वीडन यूक्रेन हमले से नाटो में शामिल

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की मध्यस्थता से आखिरकार तुर्किये ने नाटो में स्वीडन के शामिल होने का रास्ता साफ कर दिया है। यूक्रेन पर रूस के हमले के 16 महीनों बाद नाटो का विस्तार बड़ी सफलता है। एक साल में नाटो में 2 नॉर्डिक देशों (फिनलैंड और स्वीडन) की सदस्यता से उसे उत्तरी यूरोप में रूस के खिलाफ नया रक्षा कवच मिलेगा। मार्च 2022 में यूक्रेन में रूस के हमले के बाद स्वीडन और फिनलैंड दोनों अपनी बरसों पुरानी तटस्थता की नीति को छोड़ते हुए अप्रैल 2022 में नाटो की सदस्यता के लिए आवेदन किया था। फिनलैंड नाटो में 31वां सदस्य बन गया, लेकिन नाटो के मौजूदा सदस्यों तुर्किये और हंगरी के विरोध के चलते स्वीडन की सदस्यता अटक गई थी। अब वह नाटो का 32वां साथी बनने जा रहा है। स्वीडन के इस फैसले से न सिर्फ नाटो की ताकत बढ़ेगी, बल्कि रूस को रोकने में मदद मिलेगी। फिनलैंड के बाद स्वीडन के नाटो में आने से यूरोप को उत्तर में रूस खिलाफ मजबूत सेफ्टी वॉल मिलेगी।

1814 के बाद किसी युद्ध में शामिल नहीं हुआ है स्वीडन

स्वीडन ने 200 साल में कोई भी बड़ा युद्ध नहीं लड़ा है। आखिरी बार 1814 में स्वीडन-नॉर्वे युद्ध हुआ था। दोनों विश्व युद्ध में भी स्वीडन तटस्थ रहा था। स्वीडन नाटो सक्रिय सहयोगी रहा है। उसने इराक, अफगानिस्तान में शांति सेना भेजी थी, लेकिन रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद स्वीडन अपनी निर्गुट विचारधारा छोड़ने को मजबूर हो गया।

नाटोः किसी भी सदस्य देश पर हमले होने पर सभी देश एक साथ जवाब देते हैं

फिनलैंड की 1340 किमी लंबी सीमा रूस से जुड़ी है। अगर फिनलैंड को कुछ होता है तो स्वीडन से होकर नाटो सेना फीनलैंड-रूस बॉर्डर तक पहुंच सकती है। स्वीडन के नाटो में आने के बाद रूस की न सिर्फ जमीनी सीमा बल्कि समुद्री सीमा पर नाटो की निगरानी बढ़ेगी। नाटो को स्वीडन की लोकेशन से फायदा मिलेगा।

बाल्टिक सागर में स्थित स्वीडन के गोटलैंड द्वीप के होने से नाटो वहां पर नौसेना का बेस बनाकर रूस की परमाणु सबमरीन की गतिविधियों पर नजर भी रख सकेगा।

इनसाइड स्टोरीः बाइडेन ने 45 मिनट बात की, एर्दोगन माने

रविवार को अमेरिकी एयरफोर्स वन विमान अटलांटिक महासागर पर उड़ रहा था। तब अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने स्वीडन को नाटो की सदस्यता के मामले में तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से फोन पर बात की थी। लिथुआनिया में नाटो की बैठक से पहले एर्दोगन ने कई शर्तें रख दी थी, लेकिन 45 मिनट की चर्चा में बाइडेन ने भरोसा दिलाकर उन्हें राजी कर लिया।

एर्दोगन की डिमांड

- एफ-16 जेट डील को मंजूरी मिले।
- तुर्किये को ईयू की सदस्यता मिले।
- स्वीडन तुर्किये विरोधियों पर एक्शन लें
- बाइडेन का जवाब
- एफ-16 डील वे खुद नजर रखेंगे।
- अमेरिका ईयू से इसकी बात करेगा।
- स्वीडन सख्त कार्रवाई करेगा।

इसके बाद एर्दोगन ने स्वीडन के नाटो में शामिल होने को मंजूरी दे दी।

जोरदार बारिश ने पाकिस्तान में ताजा कर दी हैं पिछले साल की डरावनी यादे

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के कई हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से हो रही जोरदार बारिश ने लोगों के मन में पिछले साल की डरावनी यादें ताजा कर दी हैं। पिछले साल ऐसी बारिश के कारण आई बाढ़ से जो नुकसान हुआ, उसकी मरम्मत और भरपाई आज तक नहीं की जा सकी है। पिछले साल बाढ़ और जल जमाव से प्रभावित हुए कई इलाकों में इस बार भी हाल में तेज बारिश हुई है। कई जगहों पर बादल फटने की घटनाएं भी हुई हैं। पाकिस्तान के नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के मुताबिक जून के आखिरी हफ्ते से लेकर अब तक मानसून के कहर से 80 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है, जबकि 140 से ज्यादा लोग जख्मी हुए हैं। कई इलाकों में लोग जल जमाव के कारण घिरे हुए हैं। अथॉरिटी के मुताबिक दस लाख से ज्यादा लोगों पर तेज बारिश का खराब असर पड़ चुका है। लाहौर स्थित पर्यावरणवादी वकील अहमद रफे आलम ने कहा- 'मानसून सीजन अभी शुरू ही हुआ है। असली विनाश तो अभी बाकी है।' पिछले दिनों लाहौर में तेज बारिश का रिकॉर्ड बना। पाकिस्तान सरकार ने भी स्वीकार किया है कि हालात गंभीर हो सकते हैं। जलवायु परिवर्तन मामलों की मंत्री शेरी रहमान ने कहा है- 'शहरों और नगरपालिका इलाकों में पानी भरने संबंधी चेतावनी जारी कर दी गई है। जमीन धंसने का भी खतरा है। सावधानी और पूर्व कार्रवाई से जाने बचाई जा सकती हैं, इसलिए राहत टीमों को सतर्क रहना चाहिए।' पाकिस्तान पहले से ही गंभीर आर्थिक और राजनीतिक संकट में फंसा हुआ है। इस बीच उस पर कुदरत की भी मार पड़ रही है। पिछले साल आई बाढ़ में 1,700 से अधिक लोगों की जान गई थी, जबकि लाखों मकान क्षतिग्रस्त हो गए थे। लाखों पशु मर गए थे। इस आपदा में 30 बिलियन डॉलर का नुकसान होने का अनुमान लगाया गया था। बाद में जारी एक अध्ययन रिपोर्ट में अंतरराष्ट्रीय संस्था वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन ने कहा था कि यह आपदा जलवायु परिवर्तन के कारण आई। अब उन दिनों को याद कर लोग डरे हुए हैं। गैर-सरकारी संस्था वॉटर एनवायरनमेंट फोरम के सदस्य अली तौकीर शेख ने ध्यान दिलाया है कि इस बार जून एतिहासिक रूप से पूरी दुनिया में सबसे गर्म महीना रहा। उन्होंने कहा- 'पाकिस्तान के अलावा चीन और भारत में भी इस मौसम का खराब असर देखने को मिला है। पाकिस्तान के बाढ़ अनुमान विभाग ने भविष्यवाणी की है कि आने वाले दिनों में रावी नदी की बाढ़ का पानी लाहौर शहर में घुस सकता है।

जकार्ता में रूस के विदेश मंत्री लावरोव से मिले जयशंकर, यूक्रेन संकट-आर्थिक मामलों पर हुई चर्चा

जकार्ता ।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर गुरुवार को अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से इंडोनेशिया के जकार्ता में मिले। दोनों नेताओं की यह मुलाकात यहां होने वाली आसियान बैठक से इतर हुई। जयशंकर ने ट्वीट में कहा कि उनके और लावरोव के बीच द्विपक्षीय आर्थिक मुद्दों और यूक्रेन संकट से जुड़े मामलों को लेकर रहा। जयशंकर ने गुरुवार को ही आसियान देशों के अपने समकक्षों के साथ भी बैठकें कीं और फिनटेक से लेकर खाद्य क्षेत्र में सहयोग और नौसैनिक मामलों को लेकर प्रगति पर चर्चा की। गौरतलब है कि जून में जयशंकर ने दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स शिखर बैठक के दौरान लॉवरोव से मुलाकात की थी। पिछले कुछ महीने से भारत, रूस से सबसे अधिक सस्ता कच्चा तेल खरीदने वाला देश बन गया है । यह रूस के यूक्रेन पर आक्रमण की पृष्ठभूमि में पश्चिमी देशों की नाराजगी के बावजूद हुआ है। भारत ने अभी तक यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर उसकी निंदा नहीं की है। इससे पहले जयशंकर ने सिंगापुर के भारतीय मूल के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन से मुलाकात की और समग्र सामरिक गठजोड़ के अनुपालन में हुई प्रगति का उल्लेख किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट किया, ''आज सुबह आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की गर्मजोशी भरी और सार्थक

बैठक हुई। मेरे साथ सह अध्यक्षता करने के लिए विवियन बाला का धन्यवाद । समग्र सामरिक गठजोड़ के अनुपालन में हुई प्रगति को नोट किया।'' उन्होंने कहा, ''डिजिटल, फिनटेक, खाद्य सुरक्षा और नौवहन जैसे क्षेत्रों में अधिक ध्यान केंद्रित करने पर चर्चा की। म्यांमा की स्थिति पर विचारों का आदान प्रदान किया।'' जयशंकर ने कहा कि विवियन बाला से मुलाकात सुखद रही और वर्तमान वैश्विक स्थितियों एवं चुनौतियों पर अच्छी चर्चा हुई।''हमारे द्विपक्षीय संबंधों में हाल के घटनाक्रम का सकारात्मक आंकलन किया।विदेश मंत्री जयशंकर ने ब्रुनेई के अपने समकक्ष दातो इराइवान पेहिन युसुफ से भी मुलाकात की। जयशंकर ने ट्वीट किया, '' आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर ब्रुनेई के विदेश मंत्री दातो इराइवान पेहिन युसुफ से मुलाकात की । हमारा द्विपक्षीय सहयोग सतत रूप से बढ़ रहा है। कारोबार बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया।

बाहर से आने वाली कमाई पर ही निर्भर होता जा रहा है नेपाल

काठमांडो ।

नेपाल में रोजगार के घटे अवसरों के कारण देश के नौजवान विदेशों में जाकर काम ढूंढने के लिए अधिक मजबूर होते जा रहे हैं। लेकिन इससे नेपाल सरकार के खजाने को राहत मिली है। विदेश में काम करने वाले नेपालियों द्वारा देश भेजी जाने वाली कमाई की रकम लगातार बढ़ रही है। नेपाल राष्ट्र बैंक (नेपाल के सेंट्रल बैंक) से मिली जानकारी से इस बात की पुष्टि हुई है। इस वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों में इस रूप में एक खरब 11 अरब (नेपाली) रुपये के बराबर की विदेशी मुद्रा देश में आई। नेपाल में वित्त वर्ष 15 जुलाई से शुरू होता है। इसलिए यह आंकड़ा पिछले 15 जून तक का है। नेपाल राष्ट्र बैंक के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों की तुलना में इस बार आई रकम 22.7 फीसदी अधिक है। इस तरह इस स्रोत प्राप्त विदेशी मुद्रा में भारी उछाल आया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों में नेपाल सरकार ने तकरीबन सात लाख 20 हजार नौजवानों को विदेश जाकर काम करने का परमिट दिया। इस वजह से बाहर से होने वाली आमदनी बढ़ी है। नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रवक्ता गुणाकर भट्ट के मुताबिक विदेशों से होने वाली इस आमदनी के कारण नेपाल का विदेशी मुद्रा संकट कुछ कम हुआ है। नेपाल के विदेश रोजगार विभाग के मुताबिक विदेशों में जाकर काम करने वाले नेपालियों की संख्या में 2000 के बाद से तेजी से बढ़ी। उस समय नेपाल माओवादी विद्रोह के कारण

भीषण गृह युद्ध में फंसा हुआ था। इस कारण देश में रोजगार के अवसर सिकुड़ गए थे। वित्त वर्ष 2000-01 में 55 हजार से ज्यादा नेपाली नौजवान काम करने बाहर गए, जो उस समय एक रिकॉर्ड था। उसके बाद से यह संख्या बढ़ती चली गई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक गुजरे दो दशकों में बाहर से आने वाली कमाई की रकम में 25 गुना बढ़ोतरी हुई है। अर्थशास्त्रियों के मुताबिक विदेशों से आने वाली कमाई अब नेपाल की अर्थव्यवस्था की जीवन-रेखा बन गई है। इससे हजारों नेपाली परिवारों का जीवन स्तर सुधरा है। इस वजह से नेपाल में स्वास्थ्य एवं सामाजिक विकास संबंधी सूचकांकों में सुधार हुआ है। गुणाकर भट्ट ने कहा- 'बाहर से नेपाली जो रकम कमा कर भेजते हैं, उसका लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। इससे नेपालियों का जीवन स्तर सुधरा है।

कई अध्ययनों का यह निष्कर्ष है कि किसी देश के सकल घरेलू उत्पाद में अगर विदेशों से आने वाली कमाई का हिस्सा 10 फीसदी बढ़ता है, तो वहां गरीबों की संख्या में 1.6 फीसदी की कमी आती है। नेपाल में 2010 में 25.2 फीसदी आबादी गरीबी रेखा के नीचे थी। 2019 में यह संख्या 16.6 फीसदी तक आ गिरी थी।

तलाक प्रक्रिया से गुजर रहे कर्मचारियों को पेड लीव

अमेरिका, ब्रिटेन समेत यूरोपीय देशों में कंपनियां अदालती सुनवाई के लिए छुट्टी दे रहीं

लंदन।

कंपनियां कर्मचारियों को फर्टिलिटी ट्रीटमेंट, मेंस्ट्रुअल लीव जैसी सुविधाएं देती रही हैं। अब कंपनियों ने तलाक की प्रक्रिया से गुजर रहे कर्मचारियों को भी सहारा देना शुरू किया है। कर्मचारियों को अदालती सुनवाई के लिए जाना होता है। इसके लिए उन्हें छुट्टी दी जा रही है। साथ ही उन्हें सुविधाजनक समय में दफ्तर का काम करने की आजादी दी गई है।

एक्सपर्ट्स कहते हैं तलाक और मानसिक स्वास्थ्य काम करने की क्षमता पर काफी असर करता है। ऐसे समय में उन्हें हर तरह के सहयोगी की जरूरत होती है। पार्टनर से अलगाव के दौरान कर्मचारी नकारात्मक भावनाओं से घिर जाते हैं। इन कार्यक्रमों का मकसद कर्मचारियों को अलगाव की पीड़ा से उबारना है। उनके जीवन को फिर से पटरी पर लाना है।

थैरेपी भी दे रहीं कंपनियां

2022 में अमेरिका की एक कंपनी ने तलाक प्रक्रिया से गुजर रहे 12,000 कर्मचारी के लिए सहायता का कार्यक्रम शुरू किया था। इसमें थैरेपी और कानूनी सहायता शामिल थी। वहीं, ब्रिटेन में इस साल की शुरुआत में तलाक के दौरान बच्चों के लिए काम करने वाले संगठनों ने परिवार-अनुकूल नीतियों की पहल की थी। अन्य यूरोपीय देशों की कंपनियां भी अपने ऐसे कर्मचारियों की मानसिक और वित्तीय मदद की सुविधाएं दे रही हैं। उनकी काउंसलिंग भी करा रही हैं।

तलाकशुदा स्त्री को बुरी नजर से देखने वाले बहुत

अमेरिका के स डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस के अनुसार 2006 में तलाक के बाद 33प्रतिशत

महिलाओं को सेक्शुअल असॉल्ट का शिकार होना पड़ा। यह कहानी केवल अमेरिका की ही नहीं भारत की भी है। रिलेशनशिप काउंसलर्स का कहना है कि तलाकशुदा महिला को चरित्रहीन समझ लिया जाता है। लोग सोचते हैं कि जो पति को छोड़ सकती है वो कुछ भी कर सकती है। वह दूसरे मर्दों के साथ भी सहज होगी। तलाकशुदा महिला को कभी पड़ोस में तो कभी ऑफिस में मर्दों की बुरी नजरों का सामना करना पड़ता है।

मर्द डिवोर्स के बाद नहीं शर्माते

रिलेशनशिप काउंसलर्स का कहना है कि जरूरी नहीं शादी टूटने के लिए पुरुष ही जिम्मेदार हों। कई बार महिला भी गलत हो सकती है और रिश्ते में दरार की वजह बन सकती है। महिलाओं की बेरुखी और बेवफाई से पुरुषों का दिल दुखता है। पुरुष भी इमोशनल होते हैं और तलाक का उनके दिलो-दिमाग पर भी गहरा असर पड़ता है, लेकिन साथ ही वे प्रैक्टिकल भी होते हैं। खुद को जल्दी संभाल लेते हैं। लेकिन सोसाइटी तलाकशुदा मर्द के प्रति ज्यादा नर्म होती है।

3750 साल पहले शुरू हुई तलाक की प्रथा

तलाक की प्रथा बेबीलोन के राजा हाम्मुरबी ने करीब 3750 साल पहले शुरू की थी। बेबीलोन प्राचीन मेसोपोटामिया का शहर था जिसका नाम अब बगदाद है। यहां पर पत्थरों पर 282 कानूनों को उकेरा गया जिसमें तलाक का भी जिक्र है। भारत में तलाक का कानून ब्रिटिश राज में 1866 में बनाया गया।

फिलीपींस में डिवोर्स गैरकानूनी

आज तलाक लेना आम बात है, लेकिन दुनिया में 2 ऐसे देश हैं जहां तलाक लेना गैरकानूनी है। यूरोप के रोम में बसी वेटिकन सिटी और फिलीपींस में कपल डिवोर्स नहीं ले सकते। इन देशों में ज्यादातर लोग रोमन कैथोलिक हैं। यहां चर्च और पादरी की बातें मानी जाती हैं ।

भाजपा नेता की हत्या के आरोपी की हत्या कर मनाया जश्न, हंगामे के बाद शव परिजनों के सुपुर्द

भरतपुर (हिंस)। भरतपुर में भाजपा नेता कृपाल जघीना हत्याकांड के मुख्य आरोपी कुलदीप जघीना की हत्या करने वालों के घरों में जश्न मनाया जा रहा है। हत्यारे सोशल मीडिया पर लिख रहे हैं कि हमने बदला ले लिया। जयपुर-भरतपुर हाईवे पर आमोली टोल प्लाजा (हलैना थाना) पर बुधवार दोपहर 12.15 बजे रोडवेज बस को घेरकर बदमाशों ने कुलदीप जघीना और उसके साथी विजयपाल पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। कुलदीप की मौके पर ही मौत हो गई थी। कुलदीप पर 15 गोलियां बरसाई गई थीं। यह हमला उस वक्त किया गया था जब पुलिस दोनों को कोर्ट में पेशी पर जयपुर से भरतपुर रोडवेज बस में ले जा रही थी। मेडिकल बोर्ड की निगरानी में गुरुवार दोपहर 1.50 बजे कुलदीप के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। बॉडी घरवालों को सौंप दी गई। कुलदीप के परिजन धर्मवीर सिंह ने बताया कि इस घटना को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपियों रविंद्र, पंकज, लोकी मालीपुरा के घरों पर पुलिस ने अब तक दबिश नहीं दी है। जिस कृपाल जघीना के मर्डर का आरोप कुलदीप पर था, उसका बेटा आदित्य सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर रहा है कि हमने बदला ले लिया है। बुधवार को गांव में डीजे बजाया गया। हवाई फायरिंग की गई। जश्न मनाया जा रहा है। जब सीसीटीवी में सभी बदमाशों की शिनाख्त हो गई है तो पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है? क्या भरतपुर पुलिस पर दबाव बना हुआ है? कुलदीप के परिजनों की ओर से धर्मवीर सिंह पुत्र खैम सिंह निवासी जघीना ने हलैना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। रिपोर्ट में लिखा कि 12 जुलाई को जयपुर से विजयपाल पुत्र वीरेंद्र और कुलदीप पुत्र कुंवरजीत को कोर्ट में पेशी पर लाने के दौरान प्री-प्लानिंग कर हत्या की गई। पुलिस जानती थी कि कुलदीप-विजयपाल के साथ कोई भी घटना घट सकती है। रोडवेज बस जैसे ही आमोली टोल पहुंची तो हथियारबंद 8-10 बदमाशों जिनमें रविंद्र पुत्र रामभरोसी, पंकज पुत्र रविंद्र, सतवीर पुत्र रामभरोसी, आदित्य पुत्र कृपाल सिंह, लोकेंद्र उर्फ लौकी पुत्र भंवर सिंह गुर्जर, बबलू पुत्र भंवर सिंह गुर्जर, सौरभ लुलहारा, राविन, देंवेंद्र पपरेरा, विष्णु, कृष्णा हथैनी, शेरा पहलवाल और अन्य आधुनिक हथियारों, पिस्टल, कट्टों से लैस होकर आए। इनमें से आदित्य, रविंद्र, पंकज, लोकेंद्र उर्फ लौकी मालीपुरा, राविन निवासी रेलवे कॉलोनी, देवेंद्र पपरेरा बस में चढ़े और कुलदीप पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। विजयपाल पर बबलू मालीपुरा, सौरभ लुलहारा, कृष्णा हथैनी, शेरा पहलवान व धर्मराज ने फायरिंग की। गंभीर घायल विजयपाल को आरबीएम हॉस्पिटल से जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल रेफर किया गया। पंकज ने मौके पर कुलदीप पर गोली चलाते वक्त ऐलान किया कि आज अपने ताऊ कृपाल का बदला लेकर अपने बदले की प्यास बुझा दी। आरोपी ने हवा में फायर करते हुए ऐलान किया कि कुलदीप के परिवार में किसी को भी नहीं छोड़ेंगे, सब कुछ खत्म कर देंगे। रिपोर्ट में दावा किया गया कि कुलदीप ने पेशी पर जयपुर से आने में खतरा बताया था। जिसका प्रार्थना-पत्र कोर्ट में पेश किया था। पिछली पेशी 28 जून को थी। कुलदीप की ओर से कोर्ट में मौखिक रूप से खतरा होने की बात कही थी। साथ ही वीडियो कांफ्रेंस के जरिए पेशी की बात कही थी। सभी आरोपियों ने प्री-प्लान बनाकर वारदात की। इसमें जघीना का अजब सिंह पुत्र गोविंद सिंह भी शामिल है। वारदात करने वालों में अरुण फौजी व अन्य भी थे, जिन्हें बस में सवार सवारियों और राहगीरों ने देखा। सारी घटना प्रार्थी को विजयपाल ने बताई है। गुरुवार सुबह आरबीएम हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर कुलदीप के परिजनों ने हंगामा किया और शव लेने से इनकार कर दिया। दोपहर 1.50 बजे शव का पोस्टमॉर्टम हुआ। घरवालों को शव सौंप दिया गया। हत्याकांड के बाद कुलदीप और विजयपाल को ला रही टीम के इंचार्ज हैड कांस्टेबल शंकर लाल ने हलैना थाने में मामला दर्ज करवाया है।

आतंकी साजिश मामले में एनआईए ने कश्मीर घाटी के पांच स्थानों पर की छापेमारी

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर आतंकी साजिश मामले में चल रही जांच के दौरान राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कश्मीर घाटी के तीन जिलों में पांच स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान एजेंसी ने द्वारा बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक डेटा वाले कई डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं। एनआईए ने गुरुवार को कहा कि उसने हाइब्रिड आतंकियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के परिसरों पर एक और दौर की छापेमारी की है। उन्होंने कहा कि ये सभी पाकिस्तान समर्थित प्रतिबंधित संगठनों के संगठनों के सहयोगी हैं। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि इनमें से कुछ नवगठित संगठन, द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) जो लश्कर-ए-तैयबा का छाया संगठन है, उसे सोशल मीडिया पर जम्मू-कश्मीर में हमले करने की धमकियां देते हुए पाया गया है। एजेंसी ने कहा कि आज शोपियां, अवंतीपोरा और पुलवामा के तीन जिलों में पांच स्थानों पर छापे मारे गए। एनआईए ने द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट जम्मू और कश्मीर, मुजाहिदीन गजवत-उल-हिंद (एमजीएच), जम्मू और कश्मीर फ्रीडम फाइटर्स (जेकेएफएफ), कश्मीर टाइगर्स, पीएएएफ और अन्य नए बने संगठनों के समर्थकों और कैडरों के परिसरों पर भी छापे मारे। बयान में कहा गया है कि ये संगठन विभिन्न प्रतिबंधित पाकिस्तान समर्थित संगठनों जैसे लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), हिज्ब-उल-मुजाहिदीन (एचएम), अल-बद्र और अल-कायदा आदि से संबद्ध हैं। एजेंसी ने कहा कि तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक

डेटा वाले कई डिजिटल उपकरण बरामद किए गए, जिसने एक बार फिर घाटी में आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में ओजीडब्ल्यू को सुर्खियों में ला दिया है और जिसे निरंतर आधार पर नष्ट किया जा रहा है। इन्हें हाइब्रिड आतंकियों के रूप में भी जाना जाता है, जो पाकिस्तान समर्थित आतंकियों को सहायता प्रदान करते हैं। एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में आतंक, हिंसा और हमलों से संबंधित गतिविधियों को फैलाने में विभिन्न संगठनों के कैडरों और ओजीडब्ल्यू की संलिप्तता की जांच के लिए 21 जून, 2022 को एक मामला (आरसी-05/2022/एनआईए/जेएमयू) दर्ज किया था। ये कैडर और कार्यकर्ता चुंबकीय बम, आईईडी, फंड, मादक पदार्थ और हथियार व गोला-बारूद के संग्रह और वितरण में शामिल रहे हैं। एनआईए की जांच से पता चला है कि पाकिस्तान स्थित आतंकी आतंक को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे थे।

गुरुग्राम में कांग्रेसियों ने पीएम और सीएम को डाक से भेजे टमाटर

गुरुग्राम (हिंस)। सब्जियों में महंगाई पर गुरुवार को कांग्रेसियों अनोखा विरोध जताया। कांग्रेसी नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री मनोहर लाल को डाक के माध्यम से टमाटर, अदरक व हरी मिर्च भेजकर दाम पूछे हैं। गुरुवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता पंकज डावर के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता सदर बाजार स्थित सब्जी मंडी में पहुंचे। वहां सब्जियों के बढ़े दामों को लेकर चर्चा की। हाथों में टमाटर उठाए हुए कार्यकर्ताओं ने बढ़े हुए दामों को लेकर विरोध जताया। फिर डाक के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को टमाटर भेजकर बढ़ती महंगाई के बारे में बताया। पंकज डावर ने कहा कि यह सरकार महंगाई पर कोई भी लगाम नहीं लगाना चाहती। जबसे भाजपा की सरकार केंद्र और राज्य में बनी है खाद्य पदार्थों की कीमतें कई गुना अधिक बढ़

चुकी हैं। इस सरकार में तो आम आदमी पहले से ही दाल रोटी नहीं खा पा रहा था, अब यह सरकार आम लोगों को चटनी रोटी भी खाने देना नहीं चाहती। इस अवसर पर कांगेस नेत्री सुनीता सहरावत, जय सिंह हुड्डा, पर्ल चौधरी पटौदी, एडवोकेट सिंह यादव, गुरिंद्रजीत सिंह, प्रदीप चौहान, मनोज आहूजा, दीपक राजपूत, रविंद्र कौशिक, हेमलता, रमेश कुमार समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कैथल में 50 गांव बाढ़ के पानी में डूबे, जिला प्रशासन ने सेना बुलाई

कैथल (हिंस)। जिला कैथल के चीका क्षेत्र में बाढ़ के हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। घग्गर और एसवाईएल के किनारे टूटने के कारण गुरुवार तक 50 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। पानी लगातार तेजी से गांवों और चीका शहर की तरफ बढ़ रहा है। फिलहाल पानी तेज बहाव के साथ गांव टटियाना और सन्दरहेड़ी तक पहुंच चुका है। आबादी में पानी घुसने के कारण लोगों ने सुरक्षित ठिकानों की तरफ पलायन शुरू कर दिया है। एनडीआरएफ की टीम डेरों में फंसे परिवारों को बचाने में जुटी है। किसी भी हालात से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने सेना को बुला लिया है। प्रशासन और समाजसेवी संस्थाओं ने लोगों के खाने-पीने का प्रबंध कर रखा है। जिला प्रशासन व

समाजसेवी संस्थाओं ने भोजन के अतिरिक्त घरों में पानी को घुसने से रोकने के लिए मिट्टी के कट्टे उपलब्ध करवाने के लिए भी फोन नंबर जारी कर रखे हैं। अब तक पानी में बहने से एक युवक की मौत हो चुकी है। गुरुवार को घग्गर का जल स्तर 29 फुट से घटकर 28 फुट पर आ गया है, लेकिन यह अभी भी खतरे के निशान से 5 फुट ऊपर है। हांसी-बुटाना लिंक नहर के टूटने के कारण जहां कई गांव में पानी तांडव मचा चुका है, वहीं अब यह इसी नहर के जरिए दूसरे गांव में घुस गया है। बाढ़ का पानी अब चीका शहर से केवल 5 किलोमीटर दूर रह गया है। प्रशासन ने पटियाला रोड पर पानी का बहाव रोकने के लिए सड़क को तोड़ दिया है। पंजाब का चीका व खनौरी के रास्ते से संपर्क टूटने के बाद अब समाना के रास्ते भी संपर्क बंद हो गया है। एनडीआरएफ की टीम किश्तियों व ट्रैक्टर के सहारे लोगों को पानी से निकालने में लगी हुई है।

पंजाब के स्कूलों में 16 जुलाई तक छुट्टियां घोषित

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने राज्य में बारिश और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए सभी शिक्षण संस्थानों में 16 जुलाई तक छुट्टियां घोषित कर दी हैं। राज्य के कई जिले इस समय बाढ़ की चपेट में हैं। कई जिलों में सेना तथा एनडीआरएफ की टीमें राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं। इससे पहले स्कूलों में पहले गुरुवार तक छुट्टी की गई थी। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस ने गुरुवार को प्रदेशभर से मिल रही जानकारी तथा मौसम की भविष्यवाणी को देखते हुए कहा कि प्रदेश के सभी सरकारी, गैर सरकारी तथा एडिड स्कूलों में 16 जुलाई तक छुट्टियां रहेंगी। अब 17 जुलाई को सामान्य की तरह स्कूल खुलेंगे।

राजस्थान विधान सभा का आठवां सत्र शुक्रवार से

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के विशेष संबोधन से होगी शुरुआत

जयपुर (हिंस)। पंद्रहवीं राजस्थान विधान सभा के शुक्रवार से पुन:आरम्भ हो रहे आठवें सत्र के हंगामेदार रहने की संभावना है। वर्ष के अंत में विधानसभा चुनावों को देखते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार के मौजूदा कार्यकाल का संभवत:ये आखिरी विधानसभा सत्र रहेगा। माना जा रहा है कि सरकार इस आखिरी सत्र में जनहित से जुड़े ज्यादा से ज्यादा विधेयकों को मंजूरी दिलाने की कोशिश में रहेगी वहीं विपक्ष ने भी भ्रष्टाचार, पेपर लीक और कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार को घेरने की तैयारी कर ली है। आठवें सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के विशेष संबोधन से होगी। चौदह जुलाई को प्रात: ग्यारह बजे विधान सभा के सदन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का विशेष संबोधन होगा। विधान सभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने बताया कि 14 जुलाई को प्रात: दस बजकर पचास मिनिट पर विधान सभा पहुंचने पर राष्ट्रपति की अगवानी की जायेगी। राजस्थान

विधान सभा में राष्ट्रपति का संबोधन पहली बार हो रहा हैं। राज्य विधान सभा के लिए यह गौरवशाली और ऐतिहासिक पल होंगे। राष्ट्रपति के स्वागत के लिए विधान सभा भवन पर भव्य रोशनी की जा रही हैं। विधान सभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी स्वागत उद्बोधन देंगे। इस मौके पर राज्यपाल कलराज मिश्र सहित विधायकगण सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहेंगे। इधर विधानसभा सत्र को लेकर सरकार की ओर से विशेष तैयारी की जा रही है। इसमें मुख्य रूप से बजट सत्र में पारित नहीं हो पाए विधेयक को इस बार पारित कराने का प्रयास किया जाएगा। वहीं वर्तमान सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के लिए अतिरिक्त अनुदान मांगों को भी सदन में पारित करवाया जाएगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से कुछ नई योजनाओं की घोषणा भी सदन में करने की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा सरकार की ओर से नड़ल विरोधी बिल, विश्वविद्यालय बिल और सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसे बिल विधानसभा से पारित करने के लिए पेश किए जा सकते हैं। इस बीच मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने भी सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। वर्तमान राज्य सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले, पेपर लीक और प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष मुखर हो सकता है। वहीं भरतपुर में हार्डकोर अपराधी पर खुलेआम फायरिंग सहित विभिन्न मामलों पर विपक्ष का हंगामा तय है।

उमर अब्दुल्ला घर से पैदल पहुंचे पार्टी कार्यालय

पुलिस पर एस्कॉर्ट और सुरक्षा कवर नहीं देने का आरोप

श्रीनगर (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला गुरुवार को पार्टी कार्यालय पहुंचने के लिए अपने घर से पैदल निकले। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें एस्कॉर्ट वाहन और आईटीबीपी कर्मियों की सुरक्षा से वंचित कर दिया था। नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष अब्दुल्ला इस दिन 1931 में डोगरा शासक की सेना द्वारा मारे गए 22 कश्मीरी लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए पार्टी मुख्यालय, नवा-ए-सुबह में एक समारोह को संबोधित करने वाले थे। उन्होंने आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उन्हें पार्टी मुख्यालय जाने के लिए सुरक्षा एस्कॉर्ट वाहन और आईटीबीपी कवर देने से इनकार कर दिया। वाहन व सुरक्षा न मिलने से बेपरवाह उमर अब्दुल्ला श्रीनगर शहर के गुपकर इलाके में अपने घर से पैदल ही जीरो ब्रिज के पास स्थित कार्यालय के लिए निकल पड़े जबकि उनके विशेष सुरक्षा समूह के कर्मियों को उनके साथ चलते देखा गया। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने ट्विटर पर अपने कार्यालय तक पैदल चलने का एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि यह मत सोचो कि मुझे मेरे एस्कॉर्ट वाहन और आईटीबीपी कवर देने से इनकार करने से मैं रुक जाऊंगा। उन्होंने कहा कि मुझे जहां जाना है, वहां तक चलूंगा और मैं अभी यही कर रहा हूं। कार्यालय में उनकी पार्टी के कुछ नेता और कार्यकर्ता उनका इंतजार कर रहे थे। नेकां उपाध्यक्ष ने कहा कि उनकी सुरक्षा के लिए पुलिस अब सब कुछ भेजेगी। अब जब मैं कार्यालय पहुंच गया हूं और अपने कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ूंगा तो आप सब कुछ भेज देंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मेरे अलावा मेरे कई वरिष्ठ सहयोगियों को कार्यालय आने से रोका है।

अट्ठानवे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों के ट्रांसफर

जयपुर (हिंस)। राजस्थान सरकार के गृह विभाग ने बुधवार देर रात अट्ठानवे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों (आरपीएस) के तबादले किए हैं। गृह विभाग के संयुक्त शासन सचिव जगबीर सिंह ने यह आदेश जारी किए। विभाग के आदेश के अनुसार आरपीएस धर्मवीर जानू को अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर अजमेर, राजेश मीणा को अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर रेंज अजमेर, नितेश आर्य को केकड़ी जिला अजमेर, महमूद खान को अजमेर शहर, अंजली अजीत जोरवाल को पीटीएस अलवर, पीयूष दीक्षित को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), अलवर, डॉ. तेजपाल सिंह को अलवर शहर, आवड़दान को महिला अपराध अनुसंधान इकाई बाड़मेर, भूपेंद्र शर्मा को भरतपुर, गुमाना राम को डीग, लाखन सिंह मीणा को भरतपुर, रघुवीर सिंह कविया को आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस), भरतपुर, दिनेश कुमार मीणा को अपराध एवं सतर्कता, भरतपुर रेंज, किशोरी लाल को शाहपुरा (भीलवाड़ा) विमल सिंह को भीलवाड़ा (मुख्यालय), दिलीप कुमार सैनी को भिवाड़ी, देवानंद को पुलिस मोटर ड्राइविंग स्कूल, बीकानेर, दीपक कुमार शर्मा को बीकानेर शहर, डॉ. प्यारेलाल शिवरान को बीकानेर ग्रामीण, रामकुमार कस्वा को बूंदी, जय सिंह तंवर को महिला अपराध अनुसंधान इकाई चूरू, रामचंद्र सिंह को लालसोट में तबादला किया गया है। वहीं मूल सिंह राणा को डिप्टी कमांडेंट 12वीं बटालियन, आरएसी (आईआर) नई दिल्ली, ओमप्रकाश मीणा को धौलपुर, देवेंद्र सिंह राजावत को एडीएफ धौलपुर, नीलम चौधरी को महिला अपराध अनुसंधान इकाई हनुमानगढ़, बनवारी लाल मीणा को हनुमानगढ़, रानू शर्मा को (अपराध) आयुक्तालय जयपुर, दीप्ति जोशी को जयपुर (मुख्यालय) शालिनी राज को महिला अपराध अनुसंधान इकाई जयपुर (दक्षिण), राजेश कुमार मेशराम को जयपुर (पूर्व), हरिप्रसाद सोमानी को लाइसेंसिंग, जयपुर, विजेंद्र सिंह भाटी को जयपुर (उत्तर दितीय), सैयद मुस्तफा अली जैदी को जयपुर (पूर्व), संध्या यादव को यातायात जयपुर (उत्तर), राजेंद्र सिंह सिसोदिया को यातायात जयपुर (दक्षिण), जगदीश प्रसाद व्यास को जयपुर पश्चिम (मुख्यालय), नीरज पाठक को जयपुर (दक्षिण), सुमित गुप्ता को आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) जयपुर, योगेंद्र फौजदार को डीडवाना लगाया गया है। इसके अलावा रतन लाल भार्गव को रेंज आईजी कार्यालय, जयपुर, राकेश काछवाल को इंटेलिजेंस ट्रेनिंग एकेडमी जयपुर, अवनीश कुमार शर्मा को कमांडेंट पांचवी बटालियन, आरएसी, जयपुर, यशपाल त्रिपाठी को राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए)जयपुर, धर्मेंद्र सिंह सागर को सीआईडी (एसएसबी) जयपुर शहर, सिमरथाराम को सीआईडी (सीबी) जयपुर, सौरभ तिवारी को राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) जयपुर, गणेश राम जाट को यातायात पुलिस मुख्यालय जयपुर, धर्मेंद्र कुमार यादव को जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) जयपुर, दुर्गा राम चौधरी को मुख्य सुरक्षा अधिकारी, मेला प्राधिकरण पर्यटन विभाग जयपुर, सुरेश कुमार महरानिया को नगर निगम जयपुर हेरिटेज, सिद्धांत शर्मा को कानून व्यवस्था पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) लगाया गया है। साथ ही देवेंद्र कुमार शर्मा को अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, आयुक्तालय जयपुर, समीर कुमार दुबे को हाईवे यातायात जयपुर ग्रामीण, महेश चौधरी को डिप्टी कमांडेंट एसडीआरएफ जयपुर, जस्साराम बोस को पुलिस हाउसिंग पुलिस मुख्यालय जयपुर, रजनीश पूनिया को कमांडेंट चौथी बटालियन आरएसी जयपुर, नरेश कुमार सोयल को कानून व्यवस्था पुलिस मुख्यालय जयपुर, सुरेंद्र सिंह सागर को कानून व्यवस्था पुलिस मुख्यालय जयपुर, रघुवीर सैनी को जयपुर ग्रामीण, सोहेल राजा को जयपुर डिस्कॉम, गोपाल सिंह भाटी पोकरण, राकेश कुमार राजौरा जैसलमेर, गोपीचंद मीणा कमांडेंट पीटीएस झालावाड़, लादूराम मीणा महिला अपराध अनुसंधान इकाई झुंझुनूं, नरेंद्र सिंह मीणा झुंझुनूं, विपिन शर्मा स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी), जोधपुर, चंचल मिश्रा जोधपुर पश्चिम, हरफूल सिंह लीव रिजर्व जोधपुर, कमल सिंह तवर आयुक्तालय जोधपुर (मुख्यालय), नाजिम अली खान जोधपुर पूर्व, चाहना खानम नगर निगम, जोधपुर (उत्तर), सुनील कुमार पंवार नगर निगम, जोधपुर (दक्षिण), राजेंद्र कुमार दिवाकर जोधपुर विकास प्राधिकरण, राकेश कुमार बैरवा हिंडौन, भगवत सिंह हिंगढ़ कोटा (शहर), प्रवीण कुमार जैन सीआईडी (सीबी), रेंज सेल कोटा, राम कल्याण मीणा अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, कोटा (शहर), जसवीर सिंह मीणा महिला अपराध अनुसंधान इकाई, कोटा (ग्रामीण) और जिनेंद्र कुमार जैन अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, रेंज कोटा लगाया गया है।

बाढ़ पीड़ितों व किसानों को उचित मुआवजा दे सरकार : उदयभान

यमुनानगर (हिंस)। प्रदेश सरकार किसानों को पचास हजार रुपए प्रति एकड़ का बाढ़ से खराब हुई फंसल का मुआवजा दें और मृतक परिवार को 20 लाख रुपए का मुआवजा दें। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान ने यमुनानगर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद यह मांग उठाई। गुरुवार को यमुनानगर में पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के समय ही हथिनी कुंड बैराज बनाया गया। दादूपुर-नलवी नहर का निर्माण भी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा के समय किया गया था जिसे भाजपा की सरकार ने बंद कर दिया। अपने 9 साल के कार्यकाल में इस सरकार ने विकास के नाम पर केवल जुमलेबाजी की है। उन्होंने कहा कि बुधवार को सरस्वती नगर और रादौर के बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया। जिसमें यमुना नदी के किनारे बसे गांवों में तटबंधों को नही बनाया गया। जिसके कारण अधिक भूमि कटाव हो गया और गांवों के अंदर पानी घुस गया है। वहीं गांव कमालपुर टापू यमुना नदी के किनारे पर है और भूमि कटाव के कारण डूबने के कगार पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि पशुओं को

लिए भी हरे चारे का भी बहुत जरूरत है। जिला प्रशासन को चाहिए वह ग्रामीणों के लिए भोजन दवाईयां और पीने के स्वच्छ पानी का इंतजाम सही ढंग से करें। उन्होंने कहा कि किसानों की फंसलों को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने सरकार से किसानों के लिए 50000 रुपए प्रति एकड़ मुआवजे की मांग की। वहीं बारिश के चलते मारे गए लोगों के परिजनों को 20 लाख रुपए का भी मुआवजा देने की बात कही। इस मौके पर कांग्रेस के जिला कार्यकर्ता भी शामिल रहें।

प्राकृतिक आपदा में हर आदमी को कर्तव्य निभाना चाहिए : कृष्णपाल गुर्जर

फरीदाबाद (हिंस)। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने गुरुवार को बसंतपुर में जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा यमुना नदी पर लगाए गए शिविर में राहत सामग्री व भोजन के पैकेट वितरित किए। इस दौरान पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा तथा डीसी विक्रम सिंह, एसडीएम फंरीदाबाद परमजीत चहल सहित अन्य प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्राकृतिक आपदा में हर आदमी को कर्तव्य निभाना चाहिए। सरकार का हर संभव प्रयास है कि भारी बारिश के कारण यमुना नदी में अचानक बढे जल स्तर से फंरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में किसी भी जान और माल की कोई हानि न हो। गुर्जर ने कहा कि हथिनी कुंड बैराज से यमुना नदी में पानी लगभग 5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। शुक्रवार से यदि भारी बारिश नहीं हुई तो यमुना नदी में राहत होने की उम्मीद है। गुर्जर ने गुरुवार को बसंतपुर में जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए राहत शिविरों में लोगों से बातचीत की।

मन को साफ करने की जगह है शिव महापुराण का कथा स्थल : पंडित प्रदीप मिश्रा

अलवर (हिंस)। शहर के विजयनगर मैदान में आयोजित शिव महापुराण कथा के दूसरे दिन कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि मन को साफ करने की जगह कथा स्थल है। शिव महापुराण कथा स्थल का पंडाल मन को साफ करता है। सावन के महीने में यह कथा सुन रहे हो, जो तुम्हारे मन को साफ करेगी। उन्होंने कहा कि शिव जैसा त्यागी संसार में नहीं है। लोगों ने फोटो बना दी कि भांग पीता है और मैया पार्वती लोटे में भरकर भांग दे रही। उन्होंने वहां बैठी श्रद्धालु महिलाओं से पूछा आपमें से कितनी महिलाएं ऐसी हैं जो अपने पति को तंबाकू मसल कर देती हैं। जब मेरे देश की माता बहने अपने पति को तंबाकू मसलकर नहीं दे सकती तो पार्वती मैया कैसे दे सकती है।

गलत सोच और गलत विचार के साथ लोगों द्वारा इसे प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि शिव को पहचाने शिव कौन है, शिव पिता है, शिव दादा है, शिव पालनहार है। कथा में पंडित मिश्रा द्वारा नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा को जब तुम लाखों को गाड़ी में पेट्रोल को जगह गंदा पानी डालकर नही चला सकते तो यह शरीर भी करोड़ों का है। परमात्मा ने तुम्हें दिया है। इसे नशे से बरबाद मत करों वरना बुढापे और बीमारी में कोई नही पूछेगा। पड़े रहोगे एक स्थान पर। उन्होंने कहा कि पुलिस के डर से हेलमेट मत लगाओ बल्कि अपने आपको बचाने के लिए लगाओ। नहीं लगाकर पुलिस का क्या कर लोगे, दुर्घटना में हेलमेट ही काम आएगा।

वेदांता इस साल के अंत तक शुरू करेगी सेमीकंडक्टर का विनिर्माण, अनिल अग्रवाल ने कहा– भागीदार तैयार

नई दिल्ली ।
भारत की बहुराष्ट्रीय खनन कंपनी वेदांता ने कहा कि उसने सेमीकंडक्टर बनाने के लिए साझेदार तैयार कर लिए हैं।इस साल अंत तक चिप का निर्माण शुरू हो जाएगा। कंपनी के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने शेयरधारकों की बैठक में बुधवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। दरअसल, इसी हफ्ते फॉक्सकॉन के साथ गुजरात में चिप विनिर्माण प्लांट लगाने का वेदांता का 19.5 अरब डॉलर का सौदा टूट गया। उन्होंने कहा, भारत हर साल 100 अरब डॉलर का इलेक्ट्रॉनिक सामान आयात करता है। इसमें 30 अरब डॉलर सेमीकंडक्टर का होता है। हमने संयुक्त उपक्रम के लिए भागीदारों को तैयार किया है। हालांकि, सरकारी मंजूरी मिलनी बाकी है।

2.90 लाख करोड़ रुपये का निवेश – वेदांता ने कहा कि उसने अब तक भारत में 2.9 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है। आने वाले समय में कंपनी सभी क्षेत्रों में निवेश करना जारी रखेगी। कंपनी चालू वित्त वर्ष में 14,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है। कंपनी ने सरकार को सात वर्षों में 3 लाख करोड़ रुपये का कर चुकाया है। इसमें से 74,000 करोड़ पिछले वित्त वर्ष में दिया था।

भारत–जापान ने सेमीकंडक्टर विनिर्माण में सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा – रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को जापनी कंपनी रैपिडस कॉर्पोरेशन के सीईओ और चेयरमैन अत्सुयोशी कोइके और जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्रालय की एक टीम के साथ बैठक की। दोनों पक्षों ने सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण में भारत और जापान के बीच सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट किया, रैपिडस कॉर्पोरेशन के सीईओ अत्सुयोशी कोइके और जापान सरकार के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्रालय की एक टीम से मुलाकात की। डिजाइन और विनिर्माण में भारत–जापान के बीच सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई।

टीसीएस का लाभ 17प्रतिशत बढ़ा, देगी 9 रुपये का लाभांश – टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 16.83 फीसदी बढ़कर 11,074 करोड़ रुपये पहुंच गया। इसके साथ ही, कंपनी ने 9 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देने की घोषणा की है। टीसीएस ने बुधवार को बताया कि पहली तिमाही में उसका राजस्व सालाना आधार पर 12.55 फीसदी बढ़कर 59,381 करोड़ पहुंच गया। कंपनी ने इस दौरान शुद्ध रूप से कुल 523 कर्मचारियों की भर्ती की है। सड़कों पर कड़े हालात में अपना काम करने वाले ट्रक चालकों को राहत देने के लिए एक जनवरी, 2025 से ट्रक–केबिन में वातानुकूलन प्रणाली (एसी)लगाना अनिवार्य हो जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

रिटेल ग्रॉसरी बिजनेस में कदम रखेगी स्विगी: एफएमसीजी रिटेल डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिंक लॉजिस्टिक्स लिमिटेड का अधिग्रहण करेगी कंपनी

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने गुरुवार (13 जुलाई) को टेक–नेतृत्व वाली लिंक लॉजिस्टिक्स लिमिटेड का अधिग्रहण करेगी, जो एफएमसीजी रिटेल डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी है। दोनों कंपनियों ने अधिग्रहण के लिए एक समझौते पर साइन किया है। हालांकि, अभी तक किसी भी कंपनी ने इस डील के फाइनेंशियल डिटेल के बारे में कोई भी जानकारी नहीं दी है। स्विगी ने कहा, इस अधिग्रहण के साथ कंपनी दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाले भारत के फूड और रिटेल ग्रॉसरी बिजनेस में कदम रखेगी। भारत का फूड और रिटेल ग्रॉसरी बिजनेस का मार्केट 570 अरब डॉलर से ज्यादा का है, जो हर साल 8प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ सकता है। लिंक लॉजिस्टिक्स ने बयान जारी कर कहा,को–फाउंडर और सीईओ शेखर भेंडे के नेतृत्व में अधिग्रहण के बाद इंडिपेंडेंट बिजनेस के रूप में काम करना जारी रखेगा। इसके साथ ही कंपनी अपने मौजूदा प्लेटफॉर्म को तेजी से बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी और लॉजिस्टिक्स में स्विगी की ताकत का भी लाभ उठाएगी। चेन्नई बेस्ड एफएमसीजी रिटेल डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिंक लॉजिस्टिक्स लिमिटेड की शुरुआत 2015 में हुई थी, जो रैमको सीमेंट्स लिमिटेड समर्थित कंपनी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एलवायएनके अब तक लगभग 23 मिलियन डॉलर की राशि जुटा चुकी है। लिंक ऑथराइज्ड डिस्ट्रीब्यूटर है, जो एफएमसीजी ब्रांड्स को रिटेल स्टोर से कनेक्ट करती है।

फिसड्डी अर्थव्यवस्था वाले इतिहास से बाहर निकला भारत, आईसीएआई के यूके चैप्टर में क्या बोले पीयूष गोयल

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लंदन में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) यूके चैप्टर के सदस्यों के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, लगभग 10 साल पहले हमें एक नाजुक अर्थव्यवस्था माना जाता था और आज हम मजबूत बुनियादी बातों, उच्च विदेशी मुद्रा भंडार, कम मुद्रास्फीति के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, अपेक्षाकृत हमारी मुद्रा स्थिर रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। लोग अब भारत से विकसित देशों में आने वाले निवेश, प्रतिभा और प्रौद्योगिकी की ओर देख रहे हैं। तो आप कल्पना कर सकते हैं, यह नया भारत है जिस पर हम सभी गर्व कर सकते हैं। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि ईएसजी (पर्यावरण, समाज और शासन) महत्वपूर्ण है और हम एक राष्ट्र के रूप में इसके लिए बहुत प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, भारत, आज अतीत का रक्षात्मक भारत नहीं है। हम आज उस इतिहास से बाहर निकलें हैं जहां हम हमेशा दुनिया के साथ लड़ रहे थे और हर उस चीज का विरोध कर रहे थे जो पश्चिमी दुनिया या विकसित दुनिया कर रही थी। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि हर भारतीय की मानसिकता एक विकसित राष्ट्र के बारे में सोचने की हो।

सोना-चांदी के दामों में तेजी: सोना फिर साढ़े 59 हजार के पार, चांदी भी 73 हजार रुपए के ऊपर निकली

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में सोने–चांदी की कीमतों में बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 543 रुपए चढ़कर 59,329 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 54,345 रुपए हो गई है। चांदी की कीमत में भी बड़ी बढ़त देखने को मिली है। ये 2,519 रुपए महंगी होकर 73,296 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले बुधवार को ये 70,777 रुपए पर थी। इस महीने यानी जुलाई में अब तक सोने में बढ़त देखने को मिली है। इस महीने की शुरुआत यानी 3 जुलाई (1 और 2 जुलाई को मार्केट बंद था) को ये 58,139 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 59,329 रुपए पर है। यानी इसके दाम में 1,190 रुपए की गिरावट आई है। सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि आने वाले दिनों में सोने की कीमत में फिर बढ़त देखने को मिल सकती है।

चैटजीपीटी को टक्कर देने मस्क ने एक्सएआई लॉन्च की

एलन बोले– 5 साल में ह्यूमन इंटेलिजेंस से आगे निकल जाएगा एआई

वॉशिंगटन।
टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ और ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने बुधवार को यूनिवर्स के रियल नेचर को समझने के गोल के साथ एक नई एआई कंपनी की शुरुआत की। इस कंपनी का नाम एक्सएआईहै। मस्क और उनकी टीम शुक्रवार को लाइव ट्विटर स्पेस चैट में इससे जुड़ी और ज्यादा जानकारी शेयर करेंगे। मस्क ने कहा कि एआई 5 साल में ह्यूमन इंटेलिजेंस से आगे निकल जाएगा। एक्सएआईकी टीम में डीपमाइंड, ओपन एआई, गूगल रिसर्च, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च और टेस्ला में काम कर चुके लोग हैं। इन टीम मेंबर्स ने डीपमाइंड के अल्फाकोड और ओपन एआई के जीपीटी–3.5 और जीपीटी–4 चैटबॉट जैसे प्रोजेक्ट पर काम किया है। मस्क इस टीम को लीड करेंगे।

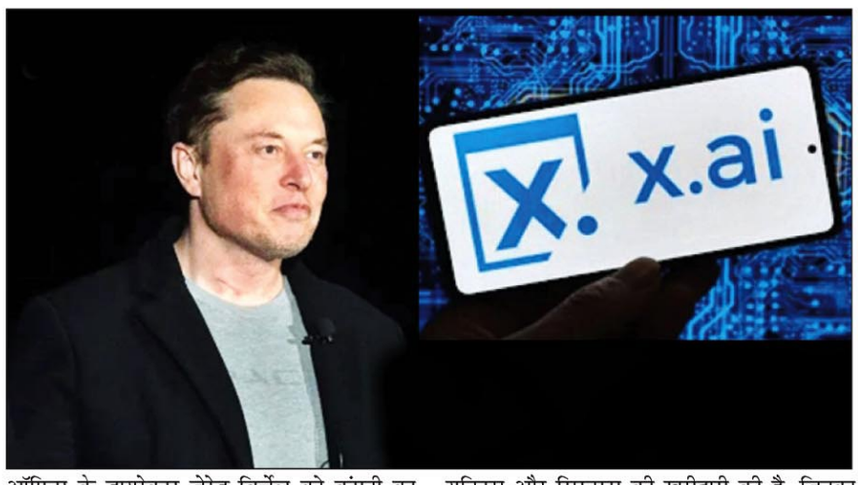

एआई से सिविलाइजेशन डिस्ट्रक्शन की चिंता जताते रहे हैं मस्क – मस्क एआई के डेवलपमेंट में सावधानी और रेगुलेशन के मुखर समर्थक रहे हैं। उन्होंने बार–बार सिविलाइजेशन डिस्ट्रक्शन के बारे में चिंता जताई है, जो एआई टेक्नोलॉजी के अनकंट्रोल्ड एडवान्समेंट से उत्पन्न हो सकता है। मस्क की कंपनी एक्सएआईअपने एआई सिस्टम की सेफ्टी सुनिश्चित करने के लिए एक यूनीक अप्रोच अपनाएगी।

5 साल में ह्यूमन इंटेलिजेंस से आगे निकल जाएगा एआई – एक ट्विटर स्पेस इवेंट में मस्क ने सेफर एआई बनाने के अपने प्लान की रूपरेखा बताई। मस्क ने ये भी कहा कि अगले पांच से छह साल में सुपरइंटेलिजेंस आ जाएगा, यानी एआई ह्यूमन इटेलिजेंस से आगे निकल जाएगा। मस्क ने कहा, अगर एआई ने यूनिवर्स की वास्तविक प्रकृति को समझने की कोशिश की, तो एआई सेफ्टी के दृष्टिकोण से यह वास्तव में सबसे अच्छी बात होगी।

9 मार्च 2023 को एलन मस्क ने बनाई थी कंपनी – पहली बार एक्सएआईके बारे में अप्रैल में जानकारी सामने आई थी। तब द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया था कि एलन मस्क ने 9 मार्च 2023 को नाम की नई कंपनी बनाई है। अमेरिका के टेक्सास शहर के नेवादा में कंपनी का हेडक्वॉर्टर है और मस्क इसके एकमात्र लिस्टेड डायरेक्टर हैं। मस्क के फैमिली ऑफिस के डायरेक्टर जेरेड बिर्चेल को कंपनी का सेक्रेटरी बनाया गया है।

7–12–23 जोड़ने पर 42 आता है, इसलिए लॉन्च के लिए ये तारीख चुनी – मस्क ने हिंट दी कि एक्सएआईकी शुरुआत की घोषणा करने के लिए उन्होंने 12 जुलाई 2023 को क्यों चुना। अपने ट्वीट में उन्होंने कहा कि डेट 7–12–23 जोड़ने पर 42 आता है। दरअसल, डगलस एडम्स की एक साइंस फिक्शन क्लासिक है द हिचहाइकर गाइड टु द गैलेक्सी। इसमें 42 नंबर को जीवन, ब्रह्मांड और हर एक चीज का जवाब बताया गया है।

ओपन एआई के को–फाउंडर एलन मस्क – मस्क पहले भी एक मेजर एआई ऑर्गेनाइजेशन का हिस्सा रहे हैं। दिसंबर 2015 में सैम ऑल्टमैन, ग्रेग ब्रॉकमैन, इल्या सुतस्केवर, जॉन शुलमैन और वोज्शिएक जरेम्बा के साथ मस्क ने ओपन एआई की स्थापना की थी। चैट जीपीटी को बनाने वाली कंपनी ओपन एआई ही है। हालांकि, टेस्ला के साथ हितों के टकराव से बचने के लिए 2018 में उन्होंने इसे छोड़ दिया।

इससे पहले बिजनेस इनसाइडर ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि मस्क ने ऐसे हजारों ग्राफिक प्रोसेसर यूनिट्स और सिस्टम्स की खरीदारी की है, जिनका इस्तेमाल एआई और हाई–एंड ग्राफिक्स जैसे भारी–भरकम कंप्यूटिंग जॉब्स में होता है।

अभी 2 बड़ी एआई कंपनियां

ओपन एआई की चैटजीपीटी
गूगल का बार्ड

चैटजीपीटी और बार्ड से आप कोई भी सवाल पूछ सकते हैं। यानी ईमेल लिखने से लेकर सीवी तक आप इससे बनवा सकते हैं। रील या अपनी वीडियो कैसे वायरल करना है, इसका भी जवाब चैटजीपीटी देता है। वाइफ को क्या गिफ्ट दें, इस पर भी चैटजीपीटी आपको सुझाव देता है। जैसे यदि किसी स्टूडेंट को डेमोक्रेसी पर एसे यानी निबंध लिखना है तो वह तुरंत चैटजीपीटी पर टाइप करेगा ।

एलन मस्क इन 5 बड़ी कंपनियों के भी मालिक

- इलेक्ट्रिक व्हीकल्स बनाने वाली कंपनी टेस्ला मोटर्स
- रियूजेबल रॉकेट बनाने वाली कंपनी स्पेसएक्स
- ब्रेन–चिप कंपनी न्यूरालिंक
- सोशल मीडिया कंपनी ट्विटर
- हाइपरलूप बना रही द बोरिंग कंपनी है।

भारत में 20 लाख में टेस्ला की कार लाएंगे मस्क

प्लांट लगाना चाहती है कंपनी, हर साल 5 लाख इलेक्ट्रिक व्हीकल तैयार होंगे

नई दिल्ली ।
एलन मस्क की ईवी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी टेस्ला इंडियन मार्केट में 20 लाख रुपए की कीमत में इलेक्ट्रिक कार लेकर आएगी। रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। कंपनी का टारेगट भारत में प्लांट लगाकर हर साल 5 लाख इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने का है। पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने अमेरिका के दौरे में एलन मस्क से मीटिंग की थी।

भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए टेस्ला की सरकार से चर्चा कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने भारत सरकार से देश में खुद की सप्लाई चेन स्थापित करने और टैक्स में छूट को लेकर चर्चा की है। हालांकि, सरकार ने कंपनी से देश की मौजूदा ऑटो कॉम्पोनेंट सप्लाई चेन का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार ने टेस्ला से उनकी जरूरतों के बारे में पूछा है और उनसे भारतीय ईकोसिस्टम से अपनी जरूरतों को पूरा करने की अपील की है। हालांकि, कंपनी के पास खुद के सप्लायर्स हैं। यह शुरुआती बातचीत है, इसलिए हमें उम्मीद है कि कंपनी इसके बारे में विचार करेगी और कुछ प्रोग्रेस होगी। अमेरिकन मार्केट में अभी टेस्ला की चार इलेक्ट्रिक कारें बेची जा रही हैं। इनमें मॉडल 3, मॉडल × और मॉडल शामिल हैं। इनमें मॉडल 3 सबसे सस्ती कार है। अमेरिका में इसकी कीमत 32,740 डॉलर (करीब 26.87 लाख रुपए) है। ये कार एक बार फुल चार्ज करने पर 535 किलोमीटर चलती है। पिछले महीने एलन मस्क ने प्रधानमंत्री मोदी से न्यूयॉर्क में मुलाकात की थी। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद टेस्ला के भारत आने की टाइमलाइन के बारे में पूछे जाने पर मस्क ने कहा था, मुझे विश्वास है कि टेस्ला जल्द भारत में होगी। मस्क अगले साल यानी 2024 में भारत भी आने वाले हैं। टेस्ला और सरकार के बीच नहीं बनी थी बात पिछले साल टेस्ला ने भारत आने की इच्छा जताई थी, लेकिन तब कंपनी और सरकार के बीच बात नहीं बन पाई थी।

यूट्यूब पर भ्रामक वीडियो डालकर गुमराह करने वाली नौ कंपनियों से नहीं हटेगी पाबंदी

नई दिल्ली।
बाजार नियामक सेबी ने यूट्यूब के कई चैनलों पर भ्रामक वीडियो डालकर शार्पलाइन ब्रॉडकास्ट लि. की शेयर की कीमतों में हेराफेरी के मामले में 9 कंपनियों पर लगाई पाबंदी हटाने से इनकार कर दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने प्रथम दृष्टया जांच के आधार पर 2 मार्च, 2023 के अपने अंतरिम आदेश में 24 इकाइयों को शेयर बाजारों में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया था। इनमें से 9 कंपनियों पर लगाए प्रतिबंध की अब नियामक ने पुष्टि कर दी है। सेबी ने मंगलवार को आदेश में कहा, ये कंपनियां फर्जी एवं अनुचित व्यापार व्यवहार निषेध (पीएफयूटीपी) नियमों के तहत प्रथम दृष्टया संलिप्त पाई गई थीं।

यह है मामला

जांच में पाया गया था कि मई, 2022 के दूसरे पखवाड़े में शार्पलाइन ब्रॉडकास्ट कंपनी के शेयरों के बारे में दो यूट्यूब चैनलों मिडकैप कॉल्स एवं प्रॉफिट यात्रा पर कुछ भ्रामक एवं गलत वीडियो डाले गए थे। इन वीडियो में निवेशकों को असाधारण मुनाफे के लिए शार्पलाइन के शेयर खरीदने की सलाह देने वाली झूठी व भ्रामक खबरें फैलाई गईं।

इन यूट्यूब चैनलों के करोड़ों दर्शक थे। वीडियो जारी होने के बाद शार्पलाइन के शेयर की कीमतों और ट्रेडिंग वॉल्यूम में वृद्धि हुई। वॉल्यूम में बड़ी संख्या में खुदरा निवेशकों का योगदान है, जो भ्रामक वीडियो से प्रभावित हो सकते हैं।

इन इकाइयों पर रोक बरकरार

आदेश में जतिन मनुभाई शाह, अंगद एम राठौड़, हेली जतिन शाह, दैविक जतिन शाह, अशोक कुमार अग्रवाल, अंशु अग्रवाल, अंशुल अग्रवाल, हेमंत दुसाद और अंशुल अग्रवाल कंपनी एचयूएफ पर प्रतिबंध बरकरार रखा गया है। इनमें से चार लोगों को कुछ रियायतें दी गई हैं।

अकासा एयर की पूंजीगत स्थिति मजबूत, सीईओ विनय दुबे बोले–जल्द ही भरेंगे अंतरराष्ट्रीय उड़ान

नई दिल्ली ।
अकासा एयर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय दुबे एयरलाइन के भविष्य को लेकर आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा है कि एयरलाइन 'अच्छी तरह पूंजीकृत' है और उनके पास इस साल के अंत तक तीन अंक में (कम से कम 100) विमानों का ऑर्डर देने के लिए पर्याप्त पूंजी उपलब्ध है। विनय दुबे ने कहा कि एयरलाइन में अधिक तेजी से बढ़ने की क्षमता है। अकासा एयर अगले महीने अपने परिचालन का एक साल पूरा करने जा रही है। इस बारे में दुबे ने कहा, ''हमने अपनी अपेक्षाओं के अनुरूप उपल्बधियां हासिल की हैं।'' इस समय विमानन कंपनी के पास 19 विमान हैं और 20वां विमान उसके बेड़े में इस महीने शामिल हो सकता है। कंपनी जल्द ही अंतरराष्ट्रीय परिचालन शुरू करने के लिए तैयार है। दुबे ने समाचार एजेंसी के साथ साक्षात्कार में कहा कि एयरलाइन ''अच्छी तरह से पूंजीकृत'' है। अकासा एयर के संस्थापक और सीईओ ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमारे पास पर्याप्त वित्तपोषण है। हमारे पास 72 विमानों और चार अतिरिक्त विमानों का ऑर्डर देने के लिए पर्याप्त पूंजी थी... इसके अलावा इस साल के अंत तक तीन अंक में विमान का ऑर्डर देने के लिए पर्याप्त पूंजी है।'' हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी। बता दें कि एयरलाइन ने 76 बोइंग विमानों का ऑर्डर दिया है। दुबे ने एयरलाइन के बारे में कहा, ''मुझे नहीं लगता कि हम इस बात में उलझे हुए हैं कि हम थोड़ा तेजी से बढ़ेंगे या धीमी गति से। हम स्थिरता चाहते हैं। हम एक ऐसी एयरलाइन बनाना चाहते हैं जो समय की कसौटी पर खरी उतरेगी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मई में अकासा एयर की घरेलू बाजार हिस्सेदारी 4.8 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि अगले 20 साल 'विमानन क्षेत्र के लिए स्वर्ण युग' होने जा रहे हैं और देश में अगले 15 से 20 साल में करीब 2,000 विमान होंगे और अधिक संख्या में हवाई अड्डे होंगे। दुबे ने कहा, ''हम जिस स्तर पर हैं, वहां बहुत–बहुत खुश हैं। मुझे लगता है कि काफी वृद्धि हो रहा है।'' एयरलाइन के बेड़े में 20 विमान होने पर वह अंतरराष्ट्रीय परिचालन शुरू कर सकती है।

चाइनीज ऐप से लोन लेने वाले स्टूडेंट ने आत्महत्या की

लिखा– कोई रास्ता नहीं बचा; एजेंट ने तस्वीरें वायरल करने की धमकी दी थी

बेंगलुरु ।
चाइनीज लोन ऐप के एजेंट से परेशान होकर 22 साल के स्टूडेंट ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतक की पहचान तेजस के रूप में हुई है, जो बेंगलुरु के जलाहल्ली में रहता था। वह येलहंका के निट्टे मीनाक्षी कॉलेज में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था।

मृतक के परिजनों ने बताया कि तेजस ने स्लाइस एंड किस्त नाम के चाइनीज ऐप से लोन लिया था, लेकिन वह पैसा लौटा नहीं पा रहा था। परिजनों ने आरोप लगाया कि लोन ऐप के एजेंट घर पर आकर तेजस को धमका रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एजेंस तेजस को उसकी तस्वीरें वायरल करने की धमकी दे रहे थे।

तेजस ने डेथ नोट में लिखा - मां-पापा मुझे माफ करना

तेजस ने डेथ नोट में लिखा, मां और पापा, मैंने जो कुछ भी किया उसके लिए मुझे माफ करना। मेरे पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। मैं अपने नाम पर लिए गए लोन का पेमेंट करने में असमर्थ हूं और यह मेरा अंतिम निर्णय है... अलविदा।

लोन चुकाने के लिए पिता ने और समय मांगा था

तेजस की आत्महत्या से तीन दिन पहले मृतक के पिता ने लोन का पूरा पैसा वापस करने के लिए और अधिक समय मांगा था। इसके बाद भी लोन ऐप के एजेंट लगातार धमकियां दे रहे थे।

मंगलवार की शाम को ऐप एजेंटों ने तेजस को कई बार कॉल किए। इसके बाद तेजस ने अपने घर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

कोरोना के बाद से भारत में तेजी से फला-फूला रहा लोन ऐप्स का धंधा

2020 में देश में कोरोना महामारी के बाद लोगों की खस्ता आर्थिक हालत ने लोन बांटने वाली इन चाइनीज कंपनियों को अपना धंधा बढ़ने में बहुत मदद की। इन लोन ऐप को डाउनलोड करते ही यूजर के खाते में एक छोटी रकम ट्रांसफर कर दी जाती है, लेकिन इस लोन की ब्याज दर बहुत ज्यादा होती है। कई बार 200प्रतिशत से 500प्रतिशत तक की ऊंची ब्याज दर वसूली जाती है।

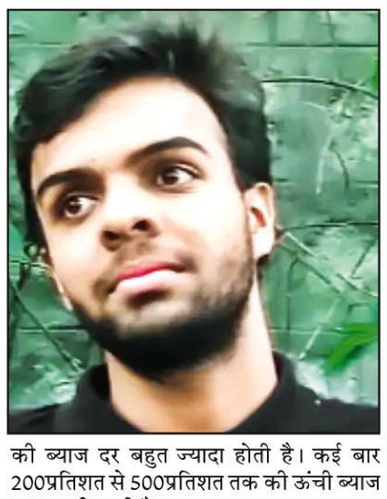

बिना डॉक्यूमेंट और वेरिफिकेशन के तुरंत लोन पाने के लालच में लोग इन ऐप्स से लोन ले लेते हैं। यहीं से शुरू होता है ब्लैकमेंलिंग और टॉर्चर का खेल। लोन लेने वाले व्यक्ति के लोन का पैसा लौटा देने के बाद भी ये कंपनियां और पैसा देने के नाम पर उस व्यक्ति को ब्लैकमेल करने लगती हैं। उसे और उसके परिजनों को धमकी भरे कॉल किए जाते हैं।

यूजर की पूरी डिटेल इकट्ठा कर चुके ये ऐप लोने लेने वाले की मार्फ्ड और अश्लील तस्वीरें उसके परिवार को भेजकर उसे ब्लैकमेल करते हैं। ऐसे में व्यक्ति मजबूर होकर उन्हें लोन अमाउंट से कई गुना ज्यादा पैसा दे देता है।

कई बार ये ऐप लोगों को इतना परेशान करते हैं कि तेजस की तरह लोग सुसाइड तक कर लेते हैं, लेकिन इन ऐप्स का धंधा चलता रहता है, क्योंकि ये कोई नया शिकार तलाश लेते हैं।

कैसे काम करते हैं चाइनीज लोन ऐप

कोई व्यक्ति तुरंत लोन पाने के लालच में इन लोन देने वाले ऐप्स को इंस्टाल करता है।

डाउनलोडिंग के समय ये ऐप्स यूजर से उसकी गैलरी, कॉन्टैक्ट्स, लोकेशन आदि के एक्सेस की परमिशन मांगते हैं, जो अक्सर यूजर दे देते हैं।

कई बार ये ऐप्स यूजर के फोन में बिना उसकी जानकारी के ही थर्ड पार्टी ऐप्स या मालवेयर इंस्टाल कर देते हैं और इसके जरिए यूजर की निजी जानकारियां चुरा लेते हैं। इन जानकारियों का इस्तेमाल उसे ब्लैकमेल करने में होता है।

ये तुरंत लोन के नाम पर पूरा पैसा भी नहीं देते, बल्कि 60–70प्रतिशत ही यूजर के खाते में ट्रांसफर किया जाता है।

मान लीजिए किसी ने 6 हजार रुपए लोन लिए, तो उसे महज 3,700–3,800 रुपए ही दिए जाएंगे, बाकी के 2,200–2,300 रुपए सर्विस और दूसरे चार्ज के नाम पर काट लिए जाते हैं।

अब लोन लेने वाले को ब्याज समेत 6,000 रुपए लौटाने हैं। इन ऐप्स की ब्याज दर इतनी ज्यादा होती है कि कई बार हफ्ते भर में ही लोन अमाउंट 40–50 हजार रुपए तक पहुंच जाता है।

फिर शुरू होता है लोन लेने वाले के साथ ब्लैकमेलिंग और शोषण का खेल, जो उससे कई गुना पैसे ऐंठने तक जारी रहता है। इन ऐप्स की खासियत ये है कि ये 2 हजार से 5–7 हजार रुपए के छोटे–छोटे लोन ही देते हैं।

पासपोर्ट ले जाना भूली मौनी राय...सोशल मीडिया पर लोगों ने लिए मजे

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री मौनी रॉय जल्द द वर्जिन ट्री में नजर आएंगी। इस मूवी में मौनी के अलावा संजय दत्त, पलक तिवारी, सनी सिंह, आसिफ खान है। इस बीच अब मौनी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह काफी परेशान नजर आ रही है। बुधवार सुबह मौनी रॉय को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इस दौरान मौनी के साथ कुछ ऐसा हुआ, जिसके बाद उनके होश उड़ गए। दरअसल, मौनी खुद को एयरपोर्ट पहुंच गई, लेकिन अपने साथ पासपोर्ट ले जाना भूल गई। मौनी ने एयरपोर्ट पर आकर पैपराजी के लिए पोज भी दिए, लेकिन जब चेकिंग के लिए मौनी आगे गईं तब उनके पास पासपोर्ट ही नहीं था। वह अपने बैग में पासपोर्ट छानती नजर आईं। काफी बार बैग में पासपोर्ट देखने के बाद मौनी का अहसास हुआ की वह पासपोर्ट घर की भूल आई है। बस फिर क्या था पासपोर्ट के एंट्री गेट पर खड़ी सीआईएसएफ ने उन्हें एंट्री देने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि बिना पासपोर्ट के वह अंदर नहीं जा सकती। इसके बाद मौनी थोड़ी परेशान और उदास नजर आई। अब सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स उनका काफी मजाक बनाते नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- मेकअप के अलावा और कुछ याद ही नहीं रहता है। वहीं दूसरे ने लिख, नागिन हो किस बात का डर है। तीसरे ने लिखा, भूल गई हो तो कोई बात नहीं, नागिन बनकर घुस जाओ। चौथे ने लिखा, क्या करे दीदी पपराजी को कॉल करने के चक्कर में पासपोर्ट भूल गई..वहां भी जरूरी है..वरना लोगों को पता नहीं चलेगा कि आप बाहर जा रही हैं।

तीन साल की बच्ची की मां के रोल में नजर आएंगी जेनिफर मिस्त्री

मुंबई (ईएमएस)। टेलीविजन के पॉपुलर फैमिली शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल अब नए रोल में नजर आने वाली हैं। हालांकि वे बीते कुछ दिनों से खूब सुर्खियां बटोर रहीं हैं। शो में सोडी की वाइफ का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस ने शो के प्रोड्यूसर असित मोदी पर कई गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके चलते एक्ट्रेस काफी लाइमलाइट में हैं। अब खबर सामने आ रहीं है कि, जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल एक नए अवतार के साथ पर्दे पर वापसी करने वाली हैं। मिली जानकारी के अनुसार जेनिफर ने एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें वे एक सॉन्ग पर एक्टिंग करती नजर आईं। इस म्यूजिक वीडियो में वे तीन साल की बच्ची की मां का रोल प्ले करतीं नजर आईं। अपने नए प्रोजेक्ट के बारे में बताचीत करते हुए जेनिफर ने बताया कि वे तारक मेहता की उल्टा चश्मा के बाद पहली बार कुछ नया कर रहीं हैं। तारक मेहता का उल्टा चश्मा में काम करते टाइम एक्ट्रेस को पहले कभी कुछ और करने का समय ही नहीं मिला। अब एक्ट्रेस को ये मौका मिला तो वो इसे करने के लिए राजी हो गईं। एक्ट्रेस ने बताया कि इस म्यूजिक वीडियो में काम करने में उन्हे बेहद मजा आया। इस गाने की शूटिंग एक्ट्रेस के होमटाउन जबलपुर में हुई है, जिस कारण वे शूटिंग करते टाइम इमोशनल भी हो गईं थी। यह गाना एक मां-बेटी के प्यार को दशार्ता है और एक्ट्रेस असल जिंदगी में भी 10 साल की बेटी की मां हैं। अब वे तारक मेहता का उल्टा चश्मा का हिस्सी नहीं है, इसलिए नए प्रोजोक्स में काम कर रही हैं।

कैमरे के सामने आया प्रेग्नेंट रिहाना का बोल्ड अंदाज

पॉप स्टार रिहाना का बहुत ही खूबसूरत बोल्ड अंदाज कैमरे के सामने आया है। गौरतलब है कि रिहाना अपनी प्रेग्नेंसी के आखिरी पड़ाव पर हैं। वह जल्द ही बॉयफ्रेंड रॉकी के दूसरे बच्चे को जन्म देंगी। इससे पहले हाल ही में सिंगर अपने ब्रांड सैवेज एक्स फेंटी के नए एथलेटिक कलेक्शन की एड के लिए फोटोशूट करवाती नजर आईं। इन तस्वीरों में मॉम-टू-बी रिहाना का बोल्ड लुक देखने को मिला। अब उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब चर्चा बटोर रही हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में रिहाना ब्लैक ब्रालेट के साथ मैचिंग शॉर्ट पहने बेहद बोल्ड लग रही हैं। ब्रालेट में सिंगर अपना बड़ा सा बेबी बंप भी फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। ब्राउन लिपस्टिक, ओपन हेयर और न्यूड मेकअप के साथ लुक को कंप्लीट करते हुए मॉम-टू-बी सिंगर कैमरे के लिए जबरदस्त पोज दे रही हैं। फैंस रिहाना की इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं। बता दें, बिन ब्याही रिहाना ने पिछले साल मई में बॉयफ्रेंड रॉकी के पहले बच्चे को जन्म दिया था। बेटे के बाद अब अपने दूसरे बच्चे का वेलकम किया जा रहा है।

सलमा हायेक ने लिया पूल बाथ

हॉलीवुड की बोल्ड एक्ट्रेसेस में से एक सलमा हायेक जो की अपने लुक को लेकर अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती है। हाल ही में 56 वर्षीय सलमा की बिकिनी लुक की तस्वीरें सामने आई हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस का ये लुक देख उनके फैंस भी मदहोश हो रहे हैं।

बिकिनी लुक में एक्ट्रेस काफी हॉट लग रही हैं और नहाते हुए कैमरे के सामने किलर अदाएं फ्लॉन्ट कर रही हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें देख उनके फैंस भी कमेंट करने पीछे नहीं रह रहे। बता दें, सलमा हायेक ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपने 25 मिलियन फॉलोअर्स पूरे कर लिए है, जिसके लिए उन्होंने फैंस का आभार करते हुए अपना हॉट वीडियो शेयर किया और फैंस का दिल जीत लिया।

11 से 20 अगस्त तक होगा इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न का आयोजन

-अभिषेक बच्चन, सैयामी खेर अभिनीत फिल्म घूमर से होगी शुरूआत

मुंबई (ईएमएस)। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) अगले माह 11 से 20 अगस्त तक आयोजित होने जा रहा है। गौरतलब है कि यह अब भारत के बाहर सबसे बड़ा भारतीय फिल्म महोत्सव है और कई पुरस्कारों का गौरव प्राप्तकर्ता है। इसके 14वें संस्करण की बहुप्रतीक्षित वापसी की घोषणा हाल ही में हुई है। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न की शुरूआत आर बाल्की की बहुप्रतीक्षित फिल्म घूमर से होगी। अभिषेक बच्चन, सैयामी खेर, अंगद बेदी और शबाना आजमी अभिनीत, घूमर सैयामी खेर द्वारा अभिनीत एक अपाहिज खिलाड़ी की विजयी कहानी बताती है, जो अभिषेक बच्चन द्वारा अभिनीत अपने कोच के मार्गदर्शन में एक किकेटर के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करती है। बता दें कि इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न को अब अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिलने के साथ, 12 अगस्त, 2023 को फेस्टिवल की शुरूआती रात एक असाधारण कार्यक्रम के साथ होने वाली है, जिसमें फिल्म के सम्मानित कलाकार और निमार्ता शामिल होंगे। यह भव्य अवसर भारतीय सिनेमा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एक विस्मयकारी यात्रा की शुरूआत का प्रतीक है। सबसे बड़ी खुशी की बात तो यह है कि घूमर आईएफएफएम की शुरूआती फिल्म होगी। घूमर विपरीत परिस्थितियों को फायदे में बदलने की कहानी है। हादसा का सामना होने पर एक नई खोज की कहानी है। घूमर खेल और मानवीय लचीलेपन के भंडार के लिए एक श्रद्धांजलि है। यह उस फिल्म के लिए बिल्कुल उपयुक्त है जो मानती है कि खेल जीवन को जीने लायक बनाता है जिसे दुनिया की खेल राजधानी, ऑस्ट्रेलिया, एमसीजी की भूमि में लॉन्च किया जायेगा। इस के बारे में सैयामी खेर ने कहा कि मैं इस बात से रोमांचित और बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं कि घूमर फेस्टिवल की की शुरूआती फिल्म होगी। यह एक ऐसी फिल्म है जो मेरे दिल के बहुत करीब है।

टैगोर की भूमिका निभाएंगे अनुपम खेर

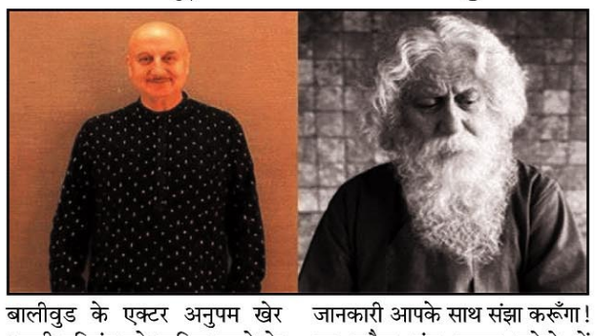

बालीवुड के एक्टर अनुपम खेर अपनी एक्टिंग को साबित करने के लिए एक बार फिर नए किरदार में नजर आने वाले हैं। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर जानकारी दी है कि, वे अब महान कवि और फिलॉसफर रबीन्द्रनाथ टैगोर को रोल प्ले करने वाले हैं। एक्टर इस रोल के लिए बहुत ही शुक्रगुजार हैं। अनुपम ने जानकारी शेयर करते हुए रबीन्द्रनाथ टैगोर के लुक में फोटो पोस्ट की और लिखा ये मेरा सौभाग्य है कि मुझे गुरुदेव को पर्दे पर साकार करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है! जल्द ही इस फिल्म की अधिक जानकारी आपके साथ संझा करूँगा! इस ब्लैक एंड व्हाइट फोटो में अनुपम, रबिंद्रनाथ टैगोर के आउटफिट से मिलते जुलते आउटफिट पहने नजर आएं। लंबी दाढ़ी और सफेद बाल में एक्टर जमीन की ओर देख रहें हैं, और कुछ सोचते नजर आ रहें हैं।

अनुपम बॉलीवुड के दमदार एक्टर्स में से एक हैं। अनुपम ने अपने आज तक के फिल्मी करीयर में बॉलीवुड को कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। अनुपम खेर एक ऐसे एक्टर हैं जिन्होने बड़े पर्दे पर कई तरह के किरदार निभाएं हैं।

पांच साल बाद मैत्री के साथ वापसी कर रहे टीवी अभिनेता आदेश चौधरी

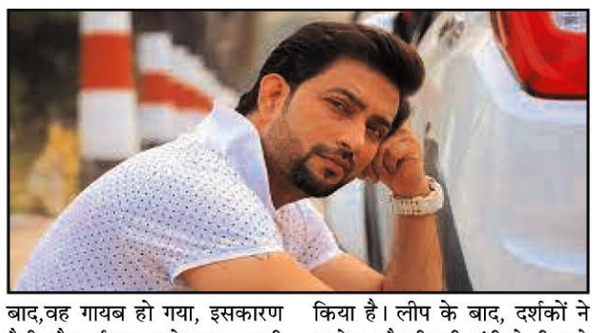

मुंबई (ईएमएस)। टीवी अभिनेता आदेश चौधरी, जिन्होंने मैत्री के साथ पांच साल बाद टेलीविजन में वापसी की है, ने कहा कि वह एक दशक के बाद अभिनेत्री श्रेनु पारिख के साथ फिर से जुड़ने के लिए उत्साहित हैं। यह शो मैत्री (श्रेनु) और नंदिनी (भाविका चौधरी) की जर्नी को फॉलो करती है। पिछले एपिसोड में दर्शकों ने देखा कि कैसे मैत्री का पहला पति, जिसे मृत मान लिया गया था, सारांश (कुणाल करण कपूर द्वारा अभिनीत) ने वापस आकर उसके जीवन में परेशानियां पैदा कर दीं। और अंततः मैत्री और हर्ष (समर्थ जुरेल) के बच्चे को उनसे दूर ले जाने के बाद,वह गायब हो गया, इसकारण मैत्री और हर्ष अलग हो गए। हाल ही में, शो ने सात साल का लीप लिया, जहां दर्शकों ने देखा कि मैत्री ने सड़क पर मिले एक बच्चे को गोद लेने के बाद, जीवन में आगे बढ़ने का फैसला किया है। लीप के बाद, दर्शकों ने आदेश चौधरी की एंट्री देखी, जो प्रयागराज के बिजनेस टाइकून यश ठाकुर की भूमिका निभा रहे हैं और मैत्री वर्तमान में अपने बच्चे के साथ उनके साथ रह रही हैं।

आदित्य-अनन्या को हुआ प्यार, लिस्बन में वेकेशन की तस्वीरें हुईं वायरल

कब कौन किसके साथ स्पॉट हो जाए, इसकी कोई गारंटी नहीं है। कौन किसे डेट करेगा और फिर किसकी प्रेम कहानी शुरू होगी, कुछ कहा नहीं जा सकता है। ऐसे में कई कपल्स ऐसे हैं, जो रिलेशनशिप में हैं। पिछले कुछ दिनों से बी टाउन का एक और कपल चर्चा में है। ये जोड़ी है आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे की। लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेता आदित्य और अनन्या के बीच पिछले कई महीनों से डेटिंग की अफवाह थीं, लेकिन इसके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं थी। अब जब आदित्य-अनन्या लिस्बन में रोमांटिक वेकेशन एन्जॉय कर रहे हैं और उनके रिश्ते पर लगभग मुहर लग गई है। पिछले कुछ दिनों से आदित्य और अनन्या के लव अफेयर की चर्चा थी। ऐसी अफवाह थी कि दोनों 11 जुलाई को स्पेन में एक संगीत कार्यक्रम में एक साथ पहुंचे थे। दोनों ने एक ही इवेंट के कुछ पलों को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर किया। दोनों ने पहले कभी अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की थी। दोनों ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर स्पेन से कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। हालांकि दोनों एक-दूसरे की कहानियों में नजर नहीं आए, अब यह अनुमान लगाया गया कि वे एक साथ हो सकते हैं। इसके अलावा, अनन्या और आदित्य को लिस्बन में रोमांटिक वेकेशन एन्जॉय करते हुए देखा गया। उनकी कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। सेलिब्रिटी फोटोग्राफर ने इंस्टाग्राम पर दोनों की रोमांटिक तस्वीरों को शेयर किया है।

कैप्शन के मुताबिक ये कपल लिस्बन में है। इस पोस्ट में दोनों की साथ में अलग-अलग तस्वीरें हैं। एक फोटो में आदित्य और अनन्या एक दूसरे को गले लगाते नजर आ रहे हैं। इस बीच इंस्टाग्राम यूजर्स ने आदित्य-अनन्या की इन तस्वीरों पर कमेंट किए हैं और कुछ ने इनके रिश्ते को लेकर खुशी जताई है। कुछ ने नाराजगी भी जताई। यह फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई। इस बीच इस जोड़ी के रिश्ते की चर्चा की कई वजहें हैं। एक इंटरव्यू में रणबीर कपूर ने इस जोड़ी को लेकर बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा था कि आदित्य को ऐसी लड़की पसंद है जिसका नाम ए अक्षर से शुरू होता है। इससे पहले करण जौहर ने अपने "कॉफी विद करण" शो में इस जोड़ी के बारे में इशारा किया था। इसके अलावा कृति सेनन की दिवाली पार्टी से दोनों की एक फोटो वायरल हो गई है, जिसमें दोनों के बीच नजदीकियां दिख रही हैं। लैक्मे फैशन वीक में आदित्य-अनन्या ने एक साथ रैंप वॉक किया और चर्चा को हवा दे दी।

शाहरुख के पुराने वीडियो से लोग नाराज

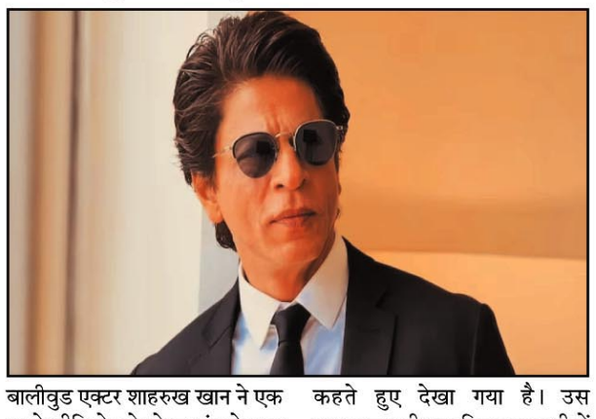

बालीवुड एक्टर शाहरुख खान ने एक पुराने वीडियो को लेकर इंटरनेट पर लोगों को नाराज कर दिया है। पोस्ट को इंटरनेट पर उपयोगकताओं से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और नेटिजन्स ने शाहरुख के व्यवहार के लिए उनकी आलोचना की।वीडियो में पठान अभिनेता लेडी गागा के ऊपर झुकते हुए और बार-बार उनसे अपनी घड़ी उपहार के रूप में लेने के लिए कहते हुए देखा गया है। उस साक्षात्कार की एक क्लिप हाल ही में रेडिट टपर एक उपयोगकर्ता द्वारा पोस्ट की गई थी। अपनी मजेदार बातचीत के दौरान शाहरुख ने लेडी गागा को उपहार के रूप में अपनी महंगी घड़ी की पेशकश की, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया और उन्होंने उनसे घड़ी एक प्रशंसक को देने के लिए कहा।

सूडोकु नवताल- 6491

★★★★☆ मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6490 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्दजाल - 7238

प्र	अ	मे	क	रा	म	रा	ज	र	प	म
न	द	क	म	व	डो	ने	ग	ति	मा	हा
अ	रा	र	ला	ण	ग	अं	द	ह	प	रा
जी	ज	ल	का	रा	न	स	ध	ह	लि	ज
त	अ	अ	र	ज	जा	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	धि	त	ह	र	वि
ए	स्व	रा	ज	व	अ	ला	रा	मा	न	रा
त	न	भा	र	प	र्व	त	रा	ज	वि	ज
रा	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
ज	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	स	का	प	श
बां	र	मे	घ	रा	ज	स	त्ता	प	र	र

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'राज' लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

रामराज, रावणराज, मेघराज, राजाधिराज, एतराज, पर्वतराज, महाराज, विराज, दराज, स्वराज

शब्दजाल - 7237 का हल

म	अ	मु	न	मू	ल्य	वा	न	ग	ल	त्य
रा	वि	प	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	भा
चु	मे	ष	ह	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	ग्य
इं	को	ब	न	ल	वा	स	थु	ल	ष	वा
डि	च	मी	भ	ग	वा	न	त्रो	न	भ	न
य	वा	न	र	रा	क	न	ती	ण	य	र
द	न	निं	ग	ट्रे	न	र	स	सा	श	स
क	ह	ऊ	द	द	ब	क	फ	ग	वा	क
रा	म	तु	ला	या	म	प	क	वा	न	आ
क	गॉ	ल	प	लि	वा	कुं	भ	न	प	द
ज्ञा	न	वा	न	या	क	न	व्य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6191

7	6		4		3	5
2	28	4	33	7	35	
	2		6		7	
5	28		38		34	1
	2	6	3		1	
3	31	2	31	1	30	6
6	1		4		5	2

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6190 का हल

1	2	3	7	5	6	4
3	29	6	37	2	31	1
4	3	7	1	6	2	5
5	29	1	33	4	37	6
6	1	2	5	7	4	3
2	33	4	31	3	30	7
7	6	5	4	1	3	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

ओंस जेब्यूर ने गत विजेता एलीना रिबाकिना को किया बाहर, आर्यना सबालेंका भी सेमीफाइनल में पहुंचीं

लंदन ।
बेलारूस की आर्यना सबालेंका लगातार चौथे ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने बुधवार को 25वीं वरीय अमेरिका की मेडिसन कीज को आसानी से 6-4, 6-2 से पराजित कर उनके पहली बार विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने के सपने को तोड़ दिया। वहीं गत विजेता कजाखस्तान की एलीना रिबाकीना को गत उपविजेता ट्यूनीशिया की ओंस जेब्यूर ने तीन सेंटों के संघर्ष में 6-7 (5), 6-4, 6-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। दूसरी वरीय सबालेंका इस साल जबरदस्त फॉर्म में हैं। उन्होंने साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन के रूप में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। फ्रेंच ओपन के वह सेमीफाइनल में पहुंची, जबकि 2022 के अंत में वह यूएस ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंची थीं।

मजबूत ग्राउंड स्ट्रोक बने ताकत - मजबूत कदकाठी की सबालेंका को यहां खिताब जीतने का बड़ा दावेदार माना जा रहा है। उनकी पहली सर्विस पुरुषों से कम नहीं हैं, जबकि उनके ग्राउंड स्ट्रोक बेहद ताकतवर हैं। 2017 के यूएस ओपन की उपविजेता मेडिसन कीज इससे पहले यहां 2015 में क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं, उनकी नजरें यहां पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश पर लगी थीं, लेकिन सबालेंका ने ऐसा नहीं होने दिया। वह शुरू से ही कीज पर हावी होकर खेलीं। उन्होंने पहला सेट आसानी से जीता।

सबालेंका ने जबरदस्त वापसी कर हासिल की जीत - दूसरे सेट में कीज ने संघर्ष किया। वह एक समय 4-2 की बढ़त पर थीं। ऐसा लग रहा था कि मुकाबला एक-एक सेट की बराबरी पर आ जाएगा, लेकिन यहां से सबालेंका ने जबरदस्त संघर्ष क्षमता का परिचय देते हुए पहले 4-4 की बराबरी की और उसके बाद उन्होंने कीज को बिना कोई मौका दिए बिना यह सेट 6-4 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

रूसी और बेलारूसी खिलाडियों पर प्रतिबंध के चलते सबालेंका बीते वर्ष विंबलडन में नहीं खेली थीं, लेकिन 2021 में वह यहां सेमीफाइनल में पहुंची थी। उस दौरान भी उन्होंने अपनी मजबूत सर्विस और ग्राउंड स्ट्रोक से सभी को प्रभावित किया था। हालांकि मैच में सबालेंका के दो के मुकाबले पांच एस कीज ने लगाए। पूरे मैच में सबालेंका ने नौ बार ब्रेक प्वाइंट हासिल किए, जिसमें उन्होंने चार बार सर्विस भी तोड़ी।

न्यूज ब्रीफ

सिंधु-सेन यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचे: प्रणीत का सफर समाप्त; एस एस सुब्रमण्यम भी अगले राउंड में पहुंचे

अमेरिका। कनाडा ओपन मेंस सिंगल्स के विजेता लक्ष्य सेन ने यूएस ओपन सुपर-300 बैडमिंटन चैम्पियनशिप में अच्छी शुरुआत करते हुए दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं। वहीं कनाडा ओपन की विमेंस सिंगल्स में सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाली पीवी सिंधु ने भी यूएस ओपन में अपना पहला मैच जीत लिया है। वहीं कनाडा ओपन में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले बी साई प्रणीत ने यूएस ओपन में निराश किया। उन्हें पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य सेन ने यूएस ओपन के अपने पहले मुकाबले में फिनलैंड के काले कोलजोनेन को 21-8, 21-16 से हराकर दूसरे राउंड में अपना स्थान पक्का किया। 30 मिनट तक चले इस मैच में पहला गेम लक्ष्य सेन ने 21-8 के अंतर से आसानी से जीत लिया। हालांकि उन्हें दूसरे गेम में जीत के लिए थोड़ी मशक्कत करनी पड़ी। दूसरे गेम को लक्ष्य ने 21-16 के अंतर से जीता। लक्ष्य दूसरे राउंड में चेक गणराज्य के जान लौडा से भिड़ेंगे। कनाडा ओपन की सेमीफाइनलिस्ट पीवी सिंधु ने भारतीय मूल की अमेरिकी खिलाड़ी दीक्षा गुप्ता को 21-15, 21-12 से हराया। 27 मिनट तक चले इस मुकाबले के पहले गेम में दीक्षा ने सिंधु को चुनौती देने का प्रयास किया, पर इस गेम को सिंधु ने 21-15 के अंतर से जीत लिया।

एशियाड के लिए कुश्ती के ट्रायल 22 और 23 जुलाई को; बजरंग, विनेश और रवि को मिल सकती है राहत

नई दिल्ली । हांगझोऊ एशियाई खेलों के लिए कुश्ती टीम के चयन को ट्रायल की तिथि घोषित कर दी गई है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की तदर्थ समिति ने 22 और 23 जुलाई को केडी जाधव इंडोर स्टेडियम में ट्रायल आयोजित कराने का फैसला लिया है, लेकिन ट्रायल में कौन से पहलवान खेलेंगे और इसके मानदंड क्या होंगे, इस पर फैसला बृहस्पतिवार या फिर शुक्रवार को लिया जा सकता है। उम्मीद की जा रही है कि आंदोलन पर बैठने वाले पहलवान विनेश, बजरंग के अलावा टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता रवि कुमार को राहत प्रदान की जा सकती है। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की ओर से एंट्री भेजने की तिथि में और राहत नहीं प्रदान किए जाने के बाद तदर्थ समिति ने ट्रायल की तिथि घोषित कर दी। समिति के सदस्य भूपेंदर सिंह बाजवा के अनुसार 22 को ग्रीको रोमन और महिला वर्ग के ट्रायल होंगे, जबकि 23 को फ्रीस्टाइल वर्ग के ट्रायल होंगे। ट्रायल सभी छह भार वर्गों में होंगे। आईओए ने ओसीए से एशियाई खेलों की एंट्री की तिथि 5 अगस्त तक बढ़ाए जाने की मांग की थी, जिसे 23 जुलाई कर दिया गया था। इससे ज्यादा राहत देने से आयोजन समिति ने इन्कार कर दिया था। आंदोलन पर बैठने वाले सभी छह पहलवान इस वक्त विदेश में तैयारियां कर रहे हैं।

एमसीसी ने टेस्ट क्रिकेट और महिला खेल के लिए अतिरिक्त फंडिंग की मांग की, 2027 के बाद वनडे में कटौती का दिया सुझाव

नई दिल्ली। खेल के नियमों के संरक्षक मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने टेस्ट क्रिकेट और महिलाओं के खेल की रक्षा के लिए अतिरिक्त फंडिंग पर जोर दिया है। साथ ही क्लब ने 2027 विश्व कप के बाद वनडे मैच के ओवर कम करने का सुझाव दिया है। लॉर्ड्स में हुई बैठक में एमसीसी की 13 सदस्यीय विश्व क्रिकेट समिति (डब्ल्यूसीसी) ने क्लब की वेबसाइट पर एक बयान पोस्ट किया। क्लब ने कहा कि समिति ने आईसीसी विश्व कप के बाहर पुरुषों के एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (ओडीआई) क्रिकेट की भूमिका पर सवाल उठाया और मांग की कि 2027 आईसीसी पुरुष विश्व कप के पूरा होने के बाद इसके ओवर काफी कम किया जाए। सुझाव यह है कि एकदिवसीय ओवर की कमी से गुणवत्ता में वृद्धि होगी, जो हर विश्व कप से पहले एक साल के अलावा द्विपक्षीय एकदिवसीय मैचों को खत्म करने की मांग की।

अश्विन 700+ इंटरनेशनल विकेट लेने वाले तीसरे इंडियन

33वीं बार 5 विकेट लिए, एंडरसन से ज्यादा; सबसे ज्यादा बोल्ड करने वाले भारतीय भी बने

डोमिनिका।
भारत-वेस्टइंडीज में पहले टेस्ट का पहला दिन टीम इंडिया के ऑफ स्पिन रविचंद्रन अश्विन के नाम रहा। उन्होंने टेस्ट करियर में 33वीं बार 5 विकेट लिए, जिसके चलते विंडीज टीम 150 रन पर ही ऑलआउट हो गई। पारी में सबसे ज्यादा 5 या उससे ज्यादा विकेट लेने गेंदबाजों में अश्विन ने जेम्स एंडरसन को पीछे छोड़ा। अश्विन ने अपने इंटरनेशनल करियर में 700 विकेट पूरे किए। इसी के साथ वह सबसे ज्यादा 96वे बोल्ड करने वाले भारतीय भी बने। उन्होंने अनिल कुंबले का रिकॉर्ड तोड़ा।

अश्विन के 702 इंटरनेशनल विकेट, डेल स्टेन से आगे निकले

रविचंद्रन अश्विन ने पहली पारी में 5 विकेट लिए। उनके नाम 702 इंटरनेशनल विकेट हो गए। तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में अश्विन 16वें नंबर पर पहुंच गए। उन्होंने साउथ अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन (699 विकेट) को पीछे छोड़ा। वे 700+ विकेट लेने वाले तीसरे ही भारतीय गेंदबाज बने। उनसे पहले अनिल कुंबले (956 विकेट) और हरभजन सिंह (711 विकेट) ही ऐसा कर सके हैं।

33वीं बार पारी में 5 विकेट लिए, एंडरसन को पीछे छोड़ा

अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने वाले गेंदबाजों में छठे छठे नंबर पहुंच गए। उनके 93 टेस्ट की 33 पारियों में 5 या उससे ज्यादा विकेट हैं। उन्होंने इंग्लैंड के तेद गेंदबाज जेम्स एंडरसन (32) को पीछे छोड़ा। सबसे ज्यादा बार पारी में 5+ विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के नाम है। उन्होंने 67 बार यह कारनामा किया है।

अश्विन पिता-पुत्र का विकेट लेने वाले पहले भारतीय

रविचंद्रन अश्विन टेस्ट में पिता-पुत्र का विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने। उन्होंने वेस्टइंडीज के ओपनर तेजनारायण चंद्रपॉल को बोल्ड किया। अश्विन ने 2011 में तेजनारायण के पिता शिवनारायण चंद्रपॉल का विकेट भी लिया था। उन्होंने साल 2011 में नई दिल्ली में खेले गए टेस्ट में शिवनारायण को आउट किया था।

सबसे ज्यादा बोल्ड करने वाले भारतीय बने अश्विन

रविचंद्रन अश्विन ने तेजनारायण चंद्रपॉल को बोल्ड कर पारी में अपना पहला विकेट लिए। इस विकेट से वह टेस्ट क्रिकेट में बोल्ड से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए। उनके 95 विकेट हो गए। उन्होंने लेग स्पिनर अनिल कुंबले के 94 बोल्ड करने का रिकॉर्ड तोड़ा।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा बोल्ड करने का रिकॉर्ड श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के नाम है। उन्होंने 133 मैच में 167 विकेट बोल्ड कर लिए हैं। ओवरऑल खिलाड़ियों में अश्विन 11वें नंबर पर हैं।

अश्विन ने विंडीज के 65 विकेट चटकाए, बेदी का रिकॉर्ड तोड़ा

रविचंद्रन अश्विन ने वेस्टइंडीज के 65 बैटर्स के विकेट लिए। वेस्टइंडीज के खिलाफ टॉप विकेट टेकर लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों में अश्विन चौथे नंबर पर आ गए। उन्होंने बिशन सिंह बेदी को पीछे छोड़ा। अश्विन ने भगवत चंद्रशेखर की बराबरी कर ली। अश्विन कैरेबियाई टीम के खिलाफ खेले 12 मैचों में 65 विकेट ले चुके हैं, जबकि बेदी के नाम 18 मैचों में 62 विकेट हैं। चंद्रशेखर ने भी 65 कैरेबियाई विकेट लिए हैं।

ईशान किशन भारत के लिए टेस्ट खेलने वाले 307वें खिलाड़ी बने

भारत के यंग बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और ईशान किशन को वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच से पहले डेब्यू कैप मिली। जायसवाल को कप्तान रोहित शर्मा ने डेब्यू कैप दी। वहीं, किशन को विराट कोहली ने डेब्यू कैप दी। जायसवाल भारत के लिए टेस्ट खेलने वाले 306 और किशन 307वें खिलाड़ी बने। इनसे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सूर्यकुमार यादव को डेब्यू कैप मिली थी।

एशियन गेम्स से पहले मां के साथ अमरनाथ पहुंचीं साइना नेहवाल, बाबा भोलेनाथ के किए दर्शन, कही यह बात

अमरनाथ ।
एशियन गेम्स की शुरुआत 23 सितंबर से होने जा रही है। भारतीय एथलीट्स इसकी तैयारी में जुट गए हैं। हांगझोउ में होने वाले एशियन गेम्स से इस बार भारतीय फैंस को काफी उम्मीदें हैं। 2018 में जकार्ता और पालेमबैंग में हुए पिछले संस्करण में भारतीय टीम ने 16 स्वर्ण, 23 रजत और 31 कांस्य समेत कुल 70 पदक जीते थे। भारत तब पदक तालिका में आठवें स्थान पर रहा था। ऐसे में फैंस इस बार भारतीय एथलीट्स से और बेहतर करने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। इन खेलों से पहले भारत की स्टार बैडमिंटन प्लेयर साइना नेहवाल अमरनाथ की यात्रा पर गईं। वहां उन्होंने बाबा भोलेनाथ के दर्शन किए।

साइना ने क्या कहा

पिछले कुछ समय से आउट ऑफ फॉर्म चल रहीं साइना अमरनाथ यात्रा के लिए पहुंचीं। वहां उन्होंने भोलेनाथ के दर्शन किए और यात्रा को लेकर खुशी भी जताई। वह वहां के संसाधनों से भी बेहद खुश दिखीं। उन्होंने कहा- हमने अमरनाथ जी के बहुत अच्छे दर्शन किएय् मैं अपनी मां के साथ दर्शन करने पहुंची। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही हूं। मैं अमरनाथ श्राइन बोर्ड और वहां हमारी मदद करने वाली सेना के लोगों को धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं बहुत संतुष्ट हूं। जब आप ऐसी जगह आते हैं जहां आपको सकारात्मकता और शक्ति मिलती है और मन शांत होता है, आत्मविश्वास मिलता है, तो बहुत अच्छा लगता है। यहां आने का अनुभव बहुत आरामदायक था।

इस साल साइना का प्रदर्शन

33 साल की साइना की बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड रैंकिंग फिलहाल 31 है। पिछले कुछ समय से वह कोई खिताब नहीं जीत पाई हैं। इस साल उन्होंने छह बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा लिया, लेकिन कुछ खास नहीं कर पाईं। सभी छह टूर्नामेंट्स में वह पहले या दूसरे राउंड से ही बाहर हो गईं। साल की शुरुआत में मलेशिया ओपन में वह राउंड ऑफ-32 से बाहर हो गईं, तो वहीं इंडिया ओपन में उन्हें राउंड ऑफ-16 में हार का सामना करना पड़ा। इंडोनेशिया मास्टर्स में भी साइना को राउंड ऑफ-16 में हार मिली थी। वहीं, ओरलियंस मास्टर्स में भारत की यह ओलंपिक मेडलिस्ट राउंड ऑफ-32 में हार गई थीं।

ज्ञानेश्वरी ने जीते दो स्वर्ण, पहले दिन भारत ने सभी भार वर्गों में जीते स्वर्ण पदक

नई दिल्ली ।
राष्ट्रमंडल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के पहले दिन का आकर्षण छत्तीसगढ़ के भोंडिया इलाके की ज्ञानेश्वरी यादव रहीं। बेहद विपरीत परिस्थितियों में वेटलिफ्टिंग शुरू करने वाली बिजली मैकेनिक की बेटी ज्ञानेश्वरी ने मीराबाई चानू के भार वर्ग 49 किलो में स्वर्ण की दावेदार झिल्ली डालबेहरा को पराजित कर सीनियर वर्ग में जीतीं, साथ में वह जूनियर वर्ग में भी विजेता बनीं। गौतमबुद्ध नगर यूनिवर्सिटी में खेली जा रही इस चैंपियनशिप के पहले दिन भारत ने दांव पर लगे सभी स्वर्ण पदक जीते। दिन का उलटफेर जूनियर विश्व चैंपियन सेनापति गुरुनायडू की हार रही। उन्हें 55 भार वर्ग में मुकुंद अहीर ने पराजित किया।

ज्ञानेश्वरी ने 176 किलो भार उठाया

बीते वर्ष जूनियर विश्व चैंपियनशिप में रजत जीतने वाली ज्ञानेश्वरी ने स्नैच और क्लीन एंड जर्क की सभी छह लिफ्ट सफलता पूर्वक उठाईं। उन्होंने स्नैच में 78 और क्लीन एंड जर्क में 98 किलो समेत कुल 176 किलो भार भार उठाया। वहीं, झिल्ली 169 किलो भार उठा सकीं। उन्होंने रजत जीता। इस भार में यूथ वर्ग का स्वर्ण कोयल बार ने 152 किलो भार उठाकर जीता।

कोमल और मुकुंद ने भी जीते स्वर्ण

लड़कियों के ही 40 भार वर्ग में भारत की ज्योशना

साबर ने 116 किलो भार उठाकर स्वर्ण जीता। उन्होंने बांग्लादेश की सुमोना (107 किलो) को परास्त किया। 45 भार वर्ग के यूथ वर्ग में भारत की अश्मिता धोने ने 136 किलो भार के साथ माल्टा की किम लगाना (134 किलो) को पराजित किया। अश्मिता ने जूनियर वर्ग में भी स्वर्ण जीता। इसी भार के सीनियर वर्ग में भारत की कोमल कोहड़ ने 154 किलो वजन के साथ श्रीलंका की श्रीमाली दिविसेकरा को 146 को पराजित किया।

पुरुषों के 55 भार वर्ग के सीनियर वर्ग में मुकुंद अहीर (भारत, 106+133) कुल 239 किलो भार उठाकर बांग्लादेश के मोहम्मद रहमान ताज (207) को पराजित किया। उन्होंने बड़ा उलटफेर जूनियर वर्ग 228 किलो वजन उठाने वाले गुरुनायडू सेनापति को हराकर किया। इसी भार के यूथ वर्ग में भारत के तोमछोउ मितेई ने 229 किलो के साथ स्वर्ण जीता। यहां भी नायडू दूसरे स्थान पर रहे।

कोवई किंग्स ने जीता टीएनपीएल -2023 का टाइटल: रॉयल किंग्स को 104 रन से हराया; अजितेश ने ऑरेंज और शाहरुख ने पर्पल कैप जीती

नई दिल्ली ।
तमिलनाडु प्रीमियर लीग 2023 के फाइनल मुकाबले में लाइका कोवई किंग्स ने नेल्लई रॉयल किंग्स को 104 रन से हराकर खिताब जीत लिया है। तिरुनेलवेली में खेले गए फाइनल मुकाबले में कोवई किंग्स ने 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 205 रन बनाए लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल किंग्स की टीम महज 15 ओवर में 101 रन पर ही ऑल आउट हो गई। कप्तान शाहरुख खान ने पर्पल कैप और एनएलआर के अजितेश गुरुस्वामी ने ऑरेंज कैप जीती।

सुरेश, मुकिलेश और अतीक उर रहमान ने खेली अर्धशतकीय पारी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोवई किंग्स को पहला झटका 9 रन पर लगा, टीम ने 31 रन तक अपने 2 विकेट खो दिए। खराब शुरुआत के बाद सुरेश कुमार (57), यू मुकिलेश (51*) और अतीक उर रहमान (50) ने अर्धशतक लगाए और टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। रॉयल किंग्स के लिए संदीप वॉरियर और एनएस हरीश ने 2-2 विकेट लिए। वहीं मोहन प्रसाद को 1 विकेट मिला।

रॉयल किंग्स से कोई खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल सका

लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल किंग्स टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 57 रन के स्कोर पर ही 4 विकेट खो दिए थे। रॉयल किंग्स के लिए कप्तान अरुण कार्तिक ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए। उनके अलावा लक्ष्मेश सूर्यप्रकाश ने 22 और एम पोइयामोझी ने 19 रन बनाए। कोवई किंग्स की ओर से जे सुब्रमण्यन ने चार, शाहरुख खान ने तीन विकेट लिए। वहीं गौतम थमराई कन्नन, मणिमरन सिद्धार्थ, एम मोहम्मद का एक-एक विकेट मिला।

अजितेश को ऑरेंज और शाहरुख खान को पर्पल कैप मिला - टीएनपीएल 2023 सीजन में अजितेश गुरुस्वामी सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्हें इसके लिए ऑरेंज मिली। उन्होंने 10 पारियों में 64.17 की औसत के साथ 385 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। वहीं शाहरुख खान को पर्पल कैप मिली। शाहरुख ने 9 मैचों में 10.59 की औसत से 17 विकेट लिए। वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

विमेंस ऐशेज...रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से जीता इंग्लैंड

6 साल बाद ऑस्ट्रेलिया को वनडे में हराया; सीरीज पॉइंट्स 6-6 की बराबरी पर

ब्रिस्टल।
विमेंस ऐशेज में इंग्लैंड ने वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 2 विकेट से जीत लिया। बुधवार को खेले गए रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड ने 264 रन का टारगेट 48.1 ओवर में चेज किया। ये इंग्लैंड का वनडे फॉर्मेट में सबसे बड़ा चेज रहा। इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने 75 रन की नॉटआउट पारी खेली और अपनी टीम को जीत दिलाई। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पहले वनडे में जीत के बाद इंग्लैंड ने ऐशेज की मल्टी फॉर्मेट सीरीज में 6-6 की बराबरी हासिल कर ली है। वनडे सीरीज के 2 मैच बाकी हैं। दोनों मैच जीतने वाली टीम ऐशेज जीत जाएगी, वहीं एक-एक मैच जीतने पर सीरीज ड्रॉ पर खत्म होगी।

ऑस्ट्रेलिया को 6 साल बाद वनडे में हराया - इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया को 6 साल बाद कोई वनडे मैच हराने में कामयाब रही। टीम को आखिरी जीत 29 अक्टूबर 2017 को कॉफ्स हार्बर मैदान पर मिली। उसके बाद दोनों टीमों में 8 वनडे हुए, सभी में ऑस्ट्रेलिया को ही जीत मिली।

ऑस्ट्रेलिया टीम को वनडे में 2 साल बाद किसी टीम से हार मिली। इससे पहले सितंबर 2021 में भारत ने टीम को 2 विकेट से हराया था। टीम ने उसके बाद 15 वनडे खेले और सभी जीते। उन्हें अब जाकर इंग्लैंड ने भी 2 ही विकेट से हराया।

ऑस्ट्रेलिया को मिली अच्छी शुरुआत - ब्रिस्टल के काउंटी ग्राउंड पर टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया विमेंस टीम ने 8 रन के स्कोर पर ही कप्तान एलिसा हीली का विकेट गंवा दिया। हीली 4 बॉल में 8 रन बनाकर आउट हुईं। उनके बाद फीब लीचफील्ड ने एलिस पेरी के साथ 61 रन की पार्टनरशिप की। लीचफील्ड 34 रन बनाकर आउट हो गईं। उनके बाद पेरी ने 41 रन बनाए और बेथ मूनी के साथ 37 रन जोड़े।

बेथ मूनी ने 81 रन की नॉटआउट पारी खेली - नंबर-4 पर उतरीं बेथ मूनी ने ताहलिया

मैक्ग्रा (24 रन) के साथ 38 और एश्ले गार्डनर (21 रन) के साथ 41 रन की पार्टनशिप की। एनाबेल सदरलैंड अपना खाता खोले बगैर आउट हो गईं। उनके बाद उतरीं जेस जोनासेन (30 रन) ने मूनी के साथ 55 रन की पार्टनशिप की। आखिरी में जॉर्जिया वेयरहैम 12 रन बनाकर आउट हुईं और मीगन शट 3 रन बनाकर नॉट आउट लौटीं।

बेथ मूनी 99 बॉल पर 81 रन बनाकर नॉट आउट रहीं। उन्होंने टीम का स्कोर 50 ओवर में 263 तक पहुंचाया। इंग्लैंड से लॉरेन बेल और नैटली सीवर ब्रंट ने 2-2 विकेट लिए। जबकि कैट क्रॉस, सोफी एक्लेस्टन, सारा ग्लेन और एलिस कैप्सी को 1-1 विकेट मिला।

इंग्लैंड ने की तेज शुरुआत - 264 रन का टारगेट इंग्लैंड ने वनडे में कभी हासिल नहीं किया था। सोफिया डंकली 8 रन बनाकर ही आउट हो गईं। उनके बाद नंबर-3 पर उतरीं एलिस कैप्सी ने टैमी ब्यूमॉन्ट के साथ 74 रन की पार्टनशिप की और टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। ब्यूमॉन्ट 47 रन बनाकर आउट हुईं। उनके बाद कैप्सी भी 40 रन बनाकर आउट हो गईं, लेकिन तब तक टीम का स्कोर 15.4 ओवर में 121 रन हो चुका था।

इंग्लैंड ने गंवाए लगातार विकेट - नंबर-5 पर उतरीं नैटली सीवर ब्रंट ने कप्तान हीथर नाइट के साथ 42 रन की पार्टनरशिप की। ब्रंट 31 रन बनाकर आउट हो गईं। उनके बाद उतरीं डेनिले व्याट भी 14 रन ही बना सकीं। 194 रन के टीम स्कोर पर व्याट आउट हुईं। टीम को अब भी 96 बॉल पर 70 रन की जरूरत थी। कप्तान नाइट एक एंड पर टिकी रहीं, उन्होंने फिफ्टी पूरी की, लेकिन उनके सामने बैटर्स लगातार आउट होते चली गईं। एमी जोन्स 2, सोफी एक्लेस्टन 5 और सारा ग्लेन 3 रन ही बना सकीं। टीम का स्कोर 194 पर 4 विकेट से 235 पर 8 विकेट हो गया।

कैट क्रॉस ने लगाए 4 चौके, नाइट ने जिताया - इंग्लैंड को 39 बॉल पर 29 रन की जरूरत थी और टीम के 2 ही विकेट बाकी थे। यहां कैट क्रॉस ने 4 चौके लगाए और 20 गेंद पर 19 रन बनाकर नॉट आउट रहीं।

... तो क्रैश हो जाएंगे सारे कंप्यूटर?

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के हिसाब ठीक से न कर पाने की वजह से 2038 में दुनियाभर के कंप्यूटर क्रैश हो जाएंगे? यह दावा कुछ कंप्यूटर प्रोग्रामर्स ने किया है। उनकी माने तो 19 जनवरी, 2038 को ग्रीनिच मान समय के मुताबिक सुबह 3 बजकर 14 मिनट और 7 सेकेंड पर सारे कंप्यूटर क्रैश हो जाएंगे। उनका अनुमान है कि एक जनवरी, 1970 के बाद से सेकेंड की संख्या कंप्यूटरों के अंदर स्टोर एक अहम अधिकतम संख्या को पार करेगी। कई कंप्यूटर कई तरह की गड़बड़ियों के शिकार हो सकते हैं। इस पर नये सिरे से बहस छिड़ गई है क्योंकि कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर वैज्ञानिकों का कहना है कि 2038 में होने वाली यह घटना मिलेनियम बग से कम नुकसान पहुंचाएगी। हालांकि सवाल यह भी है कि आज के कंप्यूटर 23 साल बाद कितने काम में रहेंगे। आम लोग भले ही कंप्यूटर को बहुत समर्थ मानते हैं। लेकिन क्या ऐसा संभव है कि कंप्यूटर ही नंबरों का हिसाब न कर पाए? 4 जून, 1996 को यूरोपियन एजेंसी का बिना मानव रहित एरियन 5 रॉकेट, चार महंगे सेटेलाइट को लेकर अंतरिक्ष की ओर रवाना हुआ था। लेकिन 39 सेकेंड के बाद ही रॉकेट में धमाका हुआ और वो आग में तब्दील हो गया। यह कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के हिसाब ठीक से न कर पाने की वजह से हुआ। विश्लेषकों की माने तो अगर 248 दिनों को सेकेंड के 100वें हिस्से में गिना जाए तो जो संख्या सामने आती है वो वही 2,147,483, 647 है।

बड़ी इलायची में समाए चमत्कारी गुण

बड़ी इलायची जहां खाने में स्वाद का काम करती है। वहीं यह हमें कई बीमारियों में निजात दिलाने में भी हमारी मदद करती है। खांसी जुकाम हो जाए तो बडी इलायची की चाय या काढा बना के पीने से ठंड से राहत मिलेगी। इलायची का प्रयोग हमारे शरीर कई बीमारियों से छुटकारा दिलाती है। साथ ही बड़ी का प्रयोग करने से आपकी त्वचा में निखार भी आता है।

कॉपर के अधिक सेवन से अल्जाइमर का खतरा

मस्तिष्क को प्रोटीन को कम करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। डिमेंशिया का कारण बनने वाले प्रोटीन को कम करने के लिए मस्तिष्क का संघर्ष। रेड मीट, शेल फिश और सब्जियां भोजन में तांबे के प्रमुख स्रोत। दिमाग के रक्षा करने वाले तंत्र में हस्तक्षेप करता है कॉपर। लंबे समय तक कॉपर का अधिक सेवन करने वाले अब सावधान हो जाए क्योंकि अमरीकी वैज्ञानिकों ने चूहों पर अपने प्रयोग के बाद ताज़ा शोध में यह जानकारी दी कि लंबे समय तक भोजन में कॉपर का अधिक सेवन अल्जाइमर बीमारी की वजह बन सकता है।

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस ने कहा कि कॉपर की अधिक मात्रा के कारण मस्तिष्क को उस प्रोटीन को कम करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है जिसे डिमेंशिया का प्रमुख कारण माना जाता है। शोध के निष्कर्ष पर वैज्ञानिकों के बीच बहस जारी है क्योंकि कुछ अन्य शोधों का कहना है कि कॉपर वास्तव में मस्तिष्क की सुरक्षा करता है। रेड मीट, शेल फिश और सब्जियां भोजन में तांबे के प्रमुख स्रोत हैं। कॉपर के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों ने चूहों पर शोध किया। इस टीम ने पाया कि कॉपर दिमाग के रक्षा करने वाले तंत्र में हस्तक्षेप करता है। जिन चूहों को पानी में घोलकर ज़्यादा कॉपर दिया गया। उनके दिमाग़ की रक्त वाहिनियों में कॉपर की मात्रा बढ़ गई और उनके दिमाग की सक्रियता प्रभावित हुई।

वैज्ञानिकों का कहना है कि दिमाग की झिल्ली के काम करने के तरीके पर असर पड़ा। इसके साथ-साथ चूहों के दिमाग का बीटा एम्लॉयड के उस प्रोटीन से छुटकारा पाना कठिन हो गया, जो डिमेंशिया का प्रमुख कारण है। एल्जाइमर सोसायटी के डॉक्टर डाउग ब्राउन कहते हैं, तांबा शरीर के लिए अहम खनिज है, लोगों को इस शोध को सावधानी के साथ लेना चाहिए और अपने खाने से तांबे को हटाना नहीं चाहिए

भूख लगने पर ही खाएं

अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग भूख न होने पर भी कुछ न कुछ खाते रहते हैं, इस तरह से कुछ न कुछ खाने की आदत आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। में हुए एक रिसर्च में बताया गया है कि भूख न होने पर खाना सेहत के लिए अच्छा नहीं है। वैज्ञानिकों ने इस रिसर्च के लिए स्नातक के 45 छात्रों को शामिल किया। इन छात्रों से सबसे पहले इनके भूख के स्तर की जानकारी ली गई। इसके बाद इन्हें कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन दिया गया।

भोजन की नियमित खुराकें स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव डालती हैं, इसे जानने के लिए रिसर्चर्स ने प्रतिभागियों द्वारा भोजन करने के बाद उनके रक्त शर्करा का स्तर मापा गया। रिसर्च में पाया कि कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन करने के बाद रक्त शर्करा स्तर में वृद्धि हुई।

मधुमेह रोगियों के लिए

सर्वश्रेष्ठ आहार योजना

मधुमेह से पीड़ित लोग स्वस्थ खान-पान और जीवन भर हेल्दी डाइट योजना पर अमल कर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित कर सकते हैं। मधुमेह को रोकने और नियंत्रित करने के लिए कदम उठाते हुए अभाव का कष्ट सहने की जरूरत नहीं है। न ही आपको मिठाई को पूरी तरह छोड़ने की जरूरत है। बल्कि जीवन भर हेल्दी डाइट लेना महत्वपूर्ण है। फाइबर से उच्च और शुगर और फैट में कम और दिल के लिए स्वस्थ आहार मधुमेह प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण होता है। मधुमेह से पीड़ित लोग स्वस्थ खान-पान और दैनिक आहार योजना बनाकर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित कर सकते हैं।

मधुमेह नियंत्रण के सुझाव

मधुमेह को नियंत्रण करने के लिए आपको कुछ उपायों पर अमल करना होगा। इसके लिए आपको अपने आहार को छोटे भागों में विभाजित करना होगा। नियमित रूप से अपने सभी आहार को लेने कोशिश करें। इसके अलावा अपने आहार में कार्बोहाइड्रेट, मिनरल और फाइबर से परिपूर्ण खाने की कई आइटम को जोड़ने का प्रयास करें।

मिथक : मधुमेह होने पर चीनी बिल्कुल नहीं लेनी है।

तथ्य: मधुमेह होने पर चीनी को बिल्कुल नहीं लेना यह हम सभी के दिमाग में बैठा हुआ है। लेकिन अच्छी खबर यह है कि स्वस्थ आहार योजना को ठीक से लागू करने पर आप अपने पसंदीदा खाद्य पदार्थों का आनंद ले सकते हैं। मिठाई को सीमा से दूर रखने की जरूरत नहीं है जब तक यह एक स्वस्थ भोजन योजना का हिस्सा है या व्यायाम के साथ जुड़ा हुआ है।

मिथक: हाई प्रोटीन आहार सबसे अच्छा होता है।

तथ्य: अध्ययन से पता चला है कि बहुत ज्यादा प्रोटीन, विशेष रूप से पशु प्रोटीन, खाना इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बन सकता है। जो वास्तव में मधुमेह का एक महत्वपूर्ण कारक है। संतुलित आहार एक कुंजी है। एक स्वस्थ आहार में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा शामिल होता है। हमारे शरीर को ठीक ढ़ंग से काम करने के लिए तीनों की जरूरत होती है।

मिथक: कार्बोहाइड्रेट में कटौती करें।

तथ्य: संतुलित आहार खाना सेहत की कुंजी होती है। सर्विंग का साइज और कार्बोहाइड्रेट का प्रकार विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता हैं। इसलिए होलग्रेन कार्बोहाइड्रेट पर ध्यान दें क्योंकि यह फाइबर का अच्छा स्रोत होता हैं। आसानी से पच जाता है और रक्त में शुगर के स्तर को सही रखता है।

दूध का सेवन

दूध कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का सही संयोजन होता है और यह रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। दैनिक आहार में दूध के दो गिलास पीना एक अच्छा विकल्प है।

उच्च फाइबर सब्जियां

अपने आहार में उच्च फाइबर सब्जियां जैसे मटर, सेम, ब्रोकोली, पालक और हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें। इसके अलावा दालें भी एक स्वस्थ विकल्प हैं और इसे आपके आहार का हिस्सा होना चाहिए।

उच्च फाइबर फल

फाइबर से भरपूर फल जैसे पपीता, सेब, संतरा, नाशपाती और अमरूद का सेवन भी करना चाहिए। आम, केले और अंगूर में शुगर की उच्च मात्रा होने के कारण इन फलों को सेवन कम करना चाहिए।

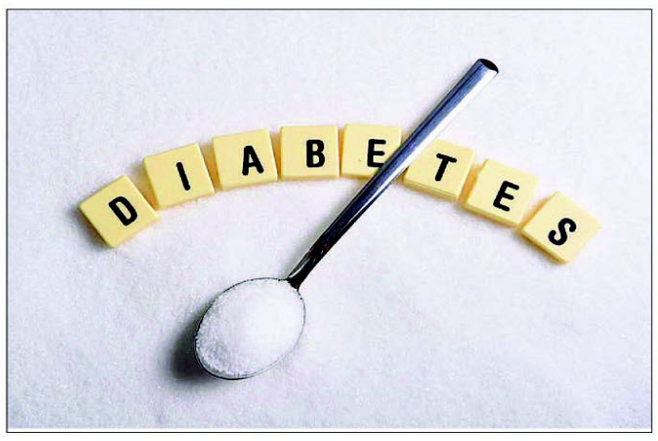

कृत्रिम स्वीटनर का कम इस्तेमाल

कृत्रिम स्वीटनर मूल रूप से शुगर से मिलने वाली कैलोरी को कम करता है। इन गोलियों का सेवन एक दिन में 6 गोलियों से कम होना चाहिए क्योंकि ज्यादा लेने से इसके साइड इफेक्ट होने लगते है। हालांकि, संयम एक बेहतर तरीका से जीवित रहने के लिए महत्वपूर्ण होता है। मधुमेह नियंत्रित किया जा सकता है अगर डॉक्टर और रोगी संयोजन के साथ काम करें।

अतिरिक्त वजन कम करें

यदि आप मोटे हैं, तो मधुमेह की रोकथाम वजन घटाने पर निर्भर हो सकती है। वजन का हर एक किलो कम करना आपके स्वास्थ्य में सुधार कर सकता हैं और आपके लिए आश्चर्यजनक हो सकता है। कम कार्बोहाइड्रेंट आहार और आहार योजना आपको वजन कम करने में मदद कर सकती हैं।

महत्वपूर्ण है विटामिन डी

हम में से ज्यादातर लोग विटामिन डी को महत्वपूर्ण नहीं समझते हैं। लेकिन यह मधुमेह से लड़ने के लिए महत्वपूर्ण होता है। इसलिए विटामिन डी के स्तर की जांच की जानी चाहिए। कम विटामिन डी मधुमेह का कारण भी हो सकता है। विटामिन डी का सबसे अच्छा स्रोत धूप पड़ना है।

खाना पकाने की युक्तियां

मधुमेह रोगियों के लिए बिना तेल के खाना बनाना सीखना होगा। परिष्कृत उत्पाद (चीनी, सफेद आटा, सफेद चावल, फलों का रस आदि) खाना बंद करना होगा। साथ ही प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ खाने बंद करने होगें। इसके अलावा डेयरी उत्पाद खाने और पीने बंद करने होगें।

मधुमेह रोगियों के लिए आहार योजना

सुबह जल्दी: 6-7 बादाम / 1-2 अखरोट।

नाश्ते में आइटम: 1 कटोरी ओट्स/ दूध/ 2 अंडे के स्लाइस/मल्टीग्रेन ब्रेड/सब्जियां/दही/टोस्ट।

सुबह का नाश्ता: आप पपीता, नारियल और छाछ आदि सहित मौसमी फल जोड़ सकते हैं।

दोपहर का भोजन: सलाद, सब्जियां, दाल, चपाती, दही, चावल, पनीर चिकन आदि।

शाम का नाश्ता: फल और स्नैक्स जैसे ढोकला, इडली, भुना हुआ नमकीन और मुरमुरा आदि।

रात का खाना: मिक्स्ट सब्जियों का सूप। चपाती, सब्जी, दाल/चिकन, हरा सलाद।

बच्चों पर साइबर बुलिंग का खतरा...

इंटरनेट के बिना आज हमारा जीवन अधूरा है और जहां तक आज के बच्चों का सवाल है, उनके लिए इंटरनेट के बिना दुनिया का कोई मतलब ही नहीं है। दुर्भाग्य से आमतौर पर माता-पिता अपने बच्चों की इंटरनेट गतिविधियों को लेकर अधिक जानकारी नहीं रखते हैं। वास्तविक दुनिया की तरह इंटरनेट की दुनिया में भी बच्चे कई तरह के खतरों के प्रति अनजान होते हैं। नार्टन ऑनलाइन फैमिली रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि 79 फीसदी बच्चे नकारात्मक ऑनलाइन स्थिति का सामना करते हैं और 60 फीसदी किसी न किसी रूप में साइबर क्राइम के शिकार हैं। साइबर बुलिंग में गलत अफवाहों का फैलना, धमकी भरे संदेशों का प्रसार और अपमानजनक तस्वीरें पोस्ट किए जाना आदि शामिल हैं। साइबर बुलिंग करने वाला टेक्स मैसेज, ईमेल, इंस्टेंट मैसेज, सोशल नेटवर्किंग मैसेज भेजता है या ब्लॉग, वेब पेज पर या ऑनलाइन गेम प्लेटफार्म पर ऐसी सामग्री पोस्ट करता है, जो दूसरों को परेशान, अपमानित करने या डराने-धमकाने के लिए होती है। तकनीक का लाभ उठाकर वे ऐसे संदेश और सामग्री व्यापक रूप से प्रसारित करते हैं।

क्या हैं कारण?

साइबर बुलिंग के कारण अक्सर उसी तरह के होते हैं, जो आम तौर से स्कूल परिसरों में दी जाने वाली धौंस-धमकी के होते हैं। मसलन शक्ति का प्रदर्शन करना, बदला लेने की इच्छा या हुए नुकसानों की भरपाई। कोई पीड़ित जब अपना बचाव करने के लिए ऑनलाइन गलत संदेश का प्रसार करता है तो उसे भी साइबर बुलिंग के रूप में देखा जा सकता है। साइबर बुलिंग प्राय: गुमनाम

रहकर की जाती है और इसे बार-बार दोहराया जाता है। यह किसी एक व्यक्ति या ऑनलाइन ग्रुप का काम हो सकता है। दुर्भाग्य से अन्य नकारात्मक ऑनलाइन अनुभवों की तरह साइबर बुलिंग का भी बच्चों पर विपरीत असर पड़ता है।

प्यार से लाएं राह पर

बच्चों के लिए इंटरनेट का अनुभव सुरक्षित बनाने के लिए उनके माता-पिता की भूमिका महत्वपूर्ण है। आधुनिक माता-पिता उस पहली पीढ़ी के माता-पिता हैं जिन्हें अपने बच्चों को न केवल वास्तविक दुनिया में बल्कि तेजी से विस्तृत होती आभासी दुनिया में भी सुरक्षित रखने के सभी उपाए करने होंगे।

नकारात्मक अनुभव: एक रिपोर्ट के मुताबिक विश्वभर के लगभग 62 फीसद बच्चों ने प्रतिक्रिया दी कि ऑनलाइन होने के समय उन्होंने कोई नकारात्मक अनुभव प्राप्त किया। 10 में लगभग 4 के लिए हालांकि ऐसा ऑनलाइन नकारात्मक अनुभव अधिक गंभीर रहा, जैसे कि अजनबियों से कोई अनुचित तस्वीर प्राप्त करना, धमकाया जाना या साइबरक्राइम का शिकार हो जाना। आज प्रत्येक चार में एक भारतीय माता-पिता इस बात से चिंतित हैं कि उनके बच्चे को ऑनलाइन धमकाया जा सकता है।

कैसे बचाएं बच्चों को: बच्चों के साथ बेहतर संवाद कायम रखें। बच्चों के साथ तकनीक का सुरक्षित व समुचित उपयोग करने के महत्व के बारे में खुलकर बात करें। बच्चे की इंटरनेट गतिविधियों व सेलफोन इस्तेमाल पर निगाह रखें। देखी गई साइटों पर चर्चा करें और जरूरी हो तो कॉल लॉग भी ब्राउज करें। यदि बच्चे को ऐसा करना दखलंदाजी लगे तो अपने बच्चे की भलाई के लिए वास्तविक सरोकारों पर जोर दें। साइबर बुलिंग के संकेतों को पहचानें। अनेक लक्षण हैं जिन्हें लेकर सचेत रहें, मसलन फ्रस्ट्रेशन या डिप्रेशन, खासतौर से सेलफोन या कंप्यूटर उपयोग करने के बाद ऐसा बर्ताव करना, दोस्तों या रोजमर्रा की सामान्य मनोरंजक गतिविधियों से कट जाना या फिर स्कूल में बच्चे के शैक्षणिक प्रदर्शन में किसी प्रकार की गिरावट दिखाई देना या अरूचि होना आदि।

सतर्कता जरूरी: ऑनलाइन पैरेंटिंग, वास्तविक जीवन में पैरेंटिंग से कोई अलग नहीं है। माता-पिता को केवल नियम नहीं बनाने हैं, उन्हें समझना होगा कि उनके बच्चे ऑनलाइन क्या कर रहे हैं और उनके बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर पूरी निगाह रखनी होगी। माता-पिता द्वारा बच्चों को इंटरनेट संबंधी ऐटिकेट की जानकारी देना, सामाजिक कौशल सिखाने के समान ही महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन किसी भी अप्रिय स्थिति से रूबरू होने पर भारतीय बच्चे, अपने माता-पिता को बताते हैं, वहीं अभिभावकों को इसके बदले में अपने बच्चों को शिक्षित और सशक्त बनाने हैं।

रेसिपी

राजमा गलाउटी कबाब

सामग्री

3/4 कप सलाईस्ड प्याज, 2 टेबल-स्पून घी, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक, 1 1/2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 कप पनीर, 3/4 कप भिगोए , उबले और हलके मसले हुए राजमा, 1/2 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू, 1 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून गरम मसाला, 1 टेबल-स्पून तेल

विधि

कढ़ाई मे मध्यम आंच पर तेल गरम करें और प्याज़ डालकर उनके सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकालकर एक तरफ रख दें। पैन में घी गरम करें, अदरक और हरी मिर्च डालकर 30 सेकेन्ड तक भुन लें। तेल छोड़कर, बची हुई सामग्री डालकर 3-4 मिनट तक पका लें। मिश्रण को 5 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग के चपटे गोल कबाब बना लें। कढ़ाई में मध्यम आंच पर तेल गरम कर लें और कबाब डालकर उनके सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकालकर गरमा गरम परोसें।

सान्वा पान्की

सामग्री

2 कप सामा , पीसकर मुलायम पाउडर बना हुआ, 1/2 कप राजगीरे का आटा, 4 टेबल-स्पून आरारोट आटा, 2 टेबल-स्पून घी, 1 टी-स्पून ज़ीरा, 3/4 कप खट्टा दही , फेंटा हुआ, सेंधा नमक , स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा धनिया, 1 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 4 से 6 केले के पत्ते, 150 मि.मी. चौकोर टुकड़ो में कटे हुए, चुपड़ने और पकाने के लिए तेल, **परोसने के लिए:** हरी चटनी, भावनगरी मिर्च

विधि

सामे का पाउडर, राजगीरे का आटा, अरारोट आटा, दही, सेंधा नमक, धनिया, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, जीरा और 1/2 कप पानी को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और मुलायम घोल बना लें। ढककर खमीर उठने के लिए 1 घंटा एक तरफ रख दें। केले के पत्तों के एक तरफ को तेल से चुपड़े और एक जगह रख दें। 2 टेबल-स्पून घोल को केले के पत्ते के एक तरफ रखें और पतली परत में फैला लें। पत्ते की दुसरी तरफ को घोल के उपर रखें और मोड़ लें। एक नॉन-स्टिक पैन या तवा गरम करें और पान्की को थोड़े से तेल का प्रयोग कर दोनों तरफ से पान्की के पत्ते से अलग होने तक पका लें। बचे हुए घोल को प्रयोग कर 14 और पान्की बना लें। हरी चटनी और भावनगरी मिर्च के साथ तुरंत परोसें।

पुरुषों के लिए फिट रहने के टिप्स

फिटनेस की परिभाषा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग नहीं होती है। बल्कि शारीरिक फिटनेस शरीर और मस्तिष्क दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। नियमित एक्सरसाइज से न केवल मांसपेशियों में ताकत आती है बल्कि इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में विकास होता हैं, ढलती उम्र धीमी पड़ जाती है और कई अन्य तरह के रोगों से बचाव होता है। इसलिए पुरुषों को फिट रहने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आरामफरामोश न बनें

आधुनिक और आराम तलब जीवनशैली के कारण पुरूष 20 साल के बाद ही हृदयघात के खतरों की चपेट में आने लगते हैं। जो लोग आराम तलब जीवन जीते हैं, एक्सरसाइज करने से जी चुराते हैं और जंक व डिब्बा बंद आहार पर जीते हैं उनमें खराब कोलेस्ट्रोल या निम्न घनत्व वाले लिपोप्रोटीन का स्तर रक्त में हमेशा उच्च रहता है। अपने शरीर में एलडीएल के स्तर को कम करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करके एचडीएल के स्तर को उंचा उठाया जा सकता है।

रक्तचाप सामान्य रखें

जीवन में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण पैदा हुए निराशा और तनाव के कारण पुरूषों में उच्च रक्तचाप की बीमारी होना एक आम बात हो गई है। नियमित व्यायाम से रक्तचाप के स्तर को सामान्य रखने में मदद मिलती है और इस वजह से हृदयघात और हृदय रोगों के खतरे भी कम हो जाते हैं।

बढ़ाएं ब्लड सर्कुलेशन

जब आप एक्सारसाइज करते हैं तब शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज हो जाता है और शरीर में ब्लड की सप्लाई भी अधिक होने लगती है। रक्त धमनी शरीर में ब्लड की जरूरत के अनुसार फैलता और सिकुड़ता रहता है। लेकिन जब अदमी आराम तलबी का जीवन जीने लगता है कोई श्रम या एक्सरसाइज नहीं करता हैं तब उसके रक्त धमनी में कोलेस्ट्रोल जमा होने से रक्त धमनी सिकुड़ जाती है जो अंततः हृदय घात का कारण बनती है।

बीमारियों के खतरे कम करें

अस्वस्थ जीवनशैली और खानपान में अनियमितता के कारण वर्तमान में डायबिटीज, कैंसर, अर्थराइटिस, हृदय की बीमारियां, पेट की समस्याएं आदि बढ़ रही हैं। इन बीमारियों से बचाव की कोशिश कीजिए। इसके लिए रोज व्यायाम करें और नियमित जांच कराए।

वजन कम करें

वजन बढ़ने से कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, इसलिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। वजन कम करने से दिल की बीमारियां नहीं होती हैं। इसलिए इसपर काबू पाने के लिए रोज व्यायाम करें और हेल्दी आहार का सेवन करें। पुरुष इन सामान्य सी बातों को ध्यान में रखकर न केवल फिट रह सकते हैं बल्कि बीमारियों से भी बच सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**